आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 02, अंक : 82 | रांची, सोमवार, 03 मार्च 2025 (फाल्गुन शुक्ल 04, संवत 2081), पृष्ठ : 12, मूल्य : 3 रुपये | email: jharkhandwanitaudyog@gmail.com

जैक बोर्ड पेपर लीक मामले में दो और की हुई गिरफ्तारी

- व्हाट्सएप पर प्रश्नपत्र वायरल करनेवाला प्रिंस समेत दो चढ़े पुलिस के हत्थे

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

कोडरमा । झारखंड बोर्ड 10वीं हिंदी और विज्ञान विषय का प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में कोडरमा पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में बघेयडीह जमुआ गिरिडीह निवासी प्रिंस कुमार और मरकच्चो निवासी मूकबधिर प्रिंस राणा शामिल है। बघेयडीह जमुआ निवासी प्रिंस को मधुपुर से गिरफ्तार किया गया है, जबकि मरकच्चो के प्रिंस राणा को बेंगलुरु से पुलिस ने पकड़ा है। दोनों को शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

प्रिंस राणा है व्हाट्सएप ग्रुप का एडमिन : मरकच्चो निवासी प्रिंस राणा जैक अपडेट सर नाम से संचालित व्हाट्सएप ग्रुप का एडमिन है जिसमें प्रश्नपत्र वायरल हुआ था। उसने 350 रुपये क्यूआर कोड पर मंगाकर कई लोगों को प्रश्न पत्र उपलब्ध कराये थे, जबकि जमुआ निवासी युवक की भूमिका भी प्रश्नपत्र को वायरल करने में रही है। पहले इस युवक के चतरा निवासी के रूप में पहचान बतायी जा रही थी, पर पुलिस जांच में वह जमुआ निवासी निकला।

शेष पेज 08 पर

जमशेदजी टाटा की जयंती पर जगमगा उठा जमशेदपुर

जमशेदपुर में चार दिन की 'दिवाली'

प्रातः नागपुरी संवाददाता

जमशेदपुर। देश के प्रमुख औद्योगिक नगरों में एक जमशेदपुर अपने संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा की 186वीं जयंती की पूर्व संध्या पर रविवार को रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा। टाटा सन्स के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने शाम 6:15 बजे एक कार्यक्रम में जैसे ही बटन दबाया, शहर के जुबली पार्क में बेहतरीन लाइटिंग और सजावट की अद्भुत छटा बिखर उठी। जुबली पार्क के अलावा शहर के पांच प्रमुख पार्कों, 13 इमारतों और 26 चौराहों सहित करीब 50 स्थानों पर बेहद खूबसूरत रंग-बिरंगी रोशनी की गई है। जुबली पार्क आगामी 5 मार्च तक शाम छह बजे से रात 11 बजे तक लाइटिंग सज्जा देखने वालों के लिए खुला रहेगा।

टाटा स्टील के एमडी सह सीईओ टी.वी. नरेंद्रन, टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट चाणक्य चौधरी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित थे। उद्घाटन के बाद एन. चंद्रशेखरन ने जुबिली पार्क का भ्रमण किया। उन्होंने पार्क में स्थापित जमशेदजी नसरवानजी टाटा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने टाटा स्टील के बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि कंपनी शानदार प्रगति कर रही है। उन्होंने टाटा स्टील के कर्मचारियों, अधिकारियों और शहरवासियों को संस्थापक दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस शहर की बुनियाद 1907 में तब पड़ी थी, जब यहां जमशेदजी नसरवानजी टाटा ने 'टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी' (अब टाटा स्टील) की स्थापना की थी। उनकी जयंती पर हर साल 2 मार्च से 5 मार्च तक शहर में विशेष आयोजन होता है। इस साल के समारोह का थीम है - 'लीडरशिप इन मार्केट, टेक्नोलॉजी एंड कॉस्ट'। रविवार को लाइटिंग का उद्घाटन होते ही जुबिली पार्क के अलावा दोराबजी टाटा पार्क, पोस्टल पार्क, बिरसा मुंडा पार्क और सेंटेनरी पार्क में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। लाइटिंग के जरिए कई तरह की झांकियां भी प्रदर्शित की गई हैं।

शेष पेज 08 पर

इस साल झांकी का नहीं होगा आयोजन

3 मार्च को बिष्टुपुर पोस्टल पार्क के सामने श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस साल झांकी का आयोजन नहीं किया जाएगा। टाटा स्टील के पीएस चाणक्य चौधरी ने कहा कि इस साल बिष्टुपुर में सड़क को बंद नहीं किया जाएगा, यह बदलाव शहरवासियों के फीडबैक के आधार पर किया गया है।

रतन टाटा की याद में जुबिली पार्क में 50 फीट की रंगोली

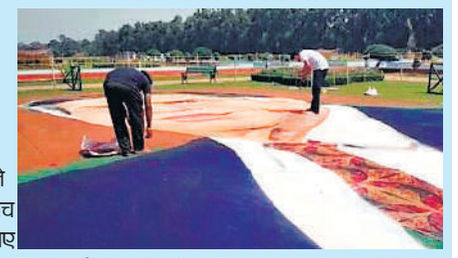

जमशेदपुर। रतन टाटा की याद में जुबिली पार्क में 50 फीट की रंगोली बनायी गयी है, जो काफी आकर्षक का केंद्र है। हालांकि हर वर्ष रतन टाटा संस्थापक दिवस में जमशेदपुर पहुंचकर लाइटिंग का उद्घाटन करते थे, लेकिन इस बार वे हम लोगों के बीच नहीं हैं। उनकी आत्मा की शांति के लिए रंगोली के समीप पहुंचकर लोग श्रद्धांजलि देंगे। वैसे 36 घंटा में बनी रतन टाटा की यह रंगोली पूरे शहर में चर्चा का विषय है। वही रतन टाटा की रंगोली देखने के लिए लोगों की भीड़ लगेगी। वैसे 500 किलो रंगोली में रतन टाटा का भव्य रूप तैयार किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

ईपीआईसी नंबर एक जैसा होने का मतलब फर्जी मतदाता नहीं

नयी दिल्ली: चुनाव आयोग ने ऐसी रिपोर्टों का संज्ञान लिया है, जिसमें दो अलग-अलग राज्यों के वोटरों के समान मतदाता पहचान पत्र संख्या (ईपीआईसी) नंबर होने का मुद्दा उठाया गया है।

शेष पेज 08 पर

झारखंड के 'ट्री मैन' जगदीश महतो का निधन

बोकारो। कसमार प्रखंड के हिसीम पहाड़ निवासी केंद्रीय वन-पर्यावरण सुरक्षा सह प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, पूर्व जिप सदस्य तथा 'ट्रीमैन' के रूप में चर्चित वन आंदोलनकारी जगदीश महतो (65 वर्ष) नहीं रहे। रविवार की अहले सुबह उनका हिसीम स्थित पैतृक आवास में निधन हो गया। वह पिछले कुछ महीनों से हार्ट, किडनी व शुगर की बीमारी से जूझ रहे थे। रांची के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था।

शेष पेज 08 पर

छह हजारकर्मियों को भविष्य निधि लेखा संख्या जिला लेखा कार्यालय ने किया आवंटित

हजारीबाग। नई पेंशन योजना के तहत नियुक्त कोई भी सरकारी कर्मी पुरानी पेंशन योजना से वंचित ना रहे। जिला कोषागार कार्यालय ने त्वरित पहल करते हुए मात्र 2 महीने के अंदर हजारीबाग जिला में स्थित सभी राज्य स्तरीय कार्यालय एवं जिला स्तरीय कार्यालय के लगभग छह हजार कर्मियों, जिनकी नियुक्ति नई पेंशन योजना के तहत हुई थी, का भविष्य निधि लेखा संख्या आवंटित कर दिया है।

शेष पेज 08 पर

हेमंत सोरेन सरकार 2.0 का पहला बजट आज, गांव पर रहेगा फोकस

रांची: हेमंत सोरेन की झारखंड सरकार कल यानि 3 मार्च को 2025-26 का बजट पेश करेगी। सूत्रों के मुताबिक, इस बार बजट करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये का हो सकता है। इसमें स्कूल, अस्पताल और लोगों के भले की योजनाओं पर खास ध्यान दिया जाएगा। सरकार चाहती है कि लोगों को खाना, नौकरी, पढ़ाई और किसानों की बेहतरी के लिए मजबूत कदम उठाए जाएं, ताकि सभी सम्मान से जी सकें। यह हेमंत सोरेन के दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने के बाद पहला बजट होगा। इसे विधानसभा में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर पेश करेंगे।

पिछले साल से बड़ा होगा बजट: पिछले साल सरकार ने 1.28 लाख करोड़ रुपये का बजट पास किया था, जो 2019-20 के 85,429 करोड़ रुपये से बहुत ज्यादा था। साथ ही, झारखंड में लोगों की औसत कमाई भी बढ़ी है। 2024-25 में हर व्यक्ति की सालाना कमाई 1,14,271 रुपये हो गई, जो 2023-24 में 1,05,274 रुपये थी। इससे पता चलता है कि राज्य की आर्थिक हालत बेहतर हो रही है और सरकार की योजनाएं असर दिखा रही हैं।

शेष पेज 08 पर

1.5 लाख करोड़ रुपये का हो सकता है बजट

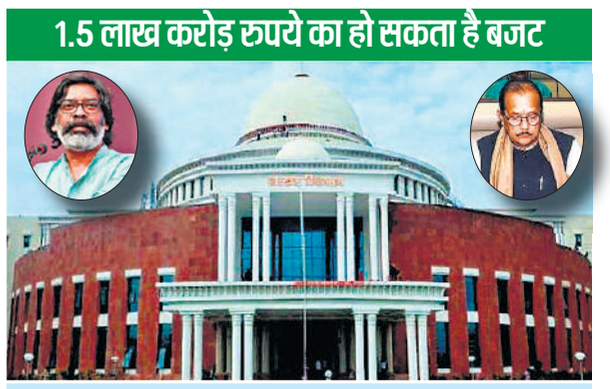

कृषि, पर्यटन और रोजगार पर रहेगा ध्यान

झारखंड सरकार किसानों को मजबूत करने के लिए कई योजनाएं ला रही है। इसमें महिला किसानों के लिए खास योजना, पानी का सही इस्तेमाल, मिलेट की खेती को बढ़ावा, न्यूनतम समर्थन मूल्य के साथ राशन सिस्टम और छोटे-छोटे खेतों को जोड़ने का काम शामिल है। साथ ही, राज्य में गांव और संस्कृति से जुड़े पर्यटन को बढ़ाने पर भी विचार चल रहा है। ईको-टूरिज्म को बेहतर करने और खनिज फंड से पुलिस को ताकत देने की बात भी हो रही है।

बिना नेता प्रतिपक्ष के सदन में पेश होगा बजट, चेहरे को लेकर भाजपा असमंजस में

विधानसभा चुनाव संपन्न हुए तीन महीने से अधिक हो गए हैं, लेकिन अब भी राज्य की मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने नेता प्रतिपक्ष के नाम पर सस्पेंस जारी रखा है। बता दें कि झारखंड विधानसभा में बजट सत्र प्रारंभ हो चुका है। कल (3 मार्च 2025) को राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर द्वारा बजट पेश किया जाएगा, लेकिन विडंबना की बात ये है कि इस बार बिना नेता प्रतिपक्ष के बजट पेश किया जाएगा। कई बैठकें होने के बावजूद भी नेता प्रतिपक्ष को चुना ही नहीं गया है। हालांकि सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि अप्रैल तक नया प्रदेश अध्यक्ष मिलेगा, इसके बाद नेता प्रतिपक्ष चुना जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष जता चुके हैं नाराजगी: बजट सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष का न होना राज्य की राजनीति में बयानबाजी का कारण भी बन गया है। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने नाराजगी जताते हुए कहा है कि विधानसभा को सुचारु रूप से चलाने में नेता प्रतिपक्ष का भी अहम योगदान रहता है। संवैधानिक नियम के अनुसार विधानसभा की कार्यवाही में नेता प्रतिपक्ष का होना अनिवार्य है।

शेष पेज 08 पर

केंद्रीय कमेटी को निर्णय लेने में हो रही है देरी

भाजपा की केंद्रीय कमेटी भी प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष को चुनने में देरी कर रही है। विधानसभा चुनाव के संपन्न होने के बाद झारखंड में कई केंद्रीय नेता आ चुके हैं, लेकिन नेता प्रतिपक्ष का चयन अब तक नहीं हो पाया है।

पूर्व सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश

एजेंसियां

- शेयर बाजार धोखाधड़ी और नियामक उल्लंघनों का आरोप
- अदालत करेगी जांच की निगरानी

मुंबई। मुंबई की एसीबी अदालत ने पूर्व सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और 5 अन्य के खिलाफ कथित शेयर बाजार धोखाधड़ी और नियामक उल्लंघनों के आरोप में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। अदालत ने भष्ट्राचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) वर्ली को आदेश दिया कि वह माधबी पुरी बुच, ऑल टाइम मेंबर्स अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण, कमलेश चंद्र वर्ष्नेय, बीएसई के सीईओ सुंदररमन राममूर्ति और पूर्व चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल के खिलाफ FIR दर्ज करें। विशेष एसीबी अदालत के न्यायाधीश, शशिकांत एकनाथराव बांगड़ ने पारित आदेश में कहा, ₹ इन व्यक्तियों के खिलाफ नियमों में चूक और मिलीभगत के प्रथम दृष्टया सबूत मिले हैं, इसलिए इसमें एक निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है। अदालत ने कहा कि वह जांच की निगरानी करेगी, और 30 दिनों के भीतर मामले की स्थिति रिपोर्ट मांगी।

अदालत ने और क्या कहा : अदालत के आदेश में यह भी जिक्र किया गया कि पांचों आरोपियों के खिलाफ जो आरोप लगे हैं वह संज्ञानीय अपराध की प्रकृति के हैं, जिसके लिए जांच की दरकार है। कोर्ट ने कहा, ₹कानून प्रवर्तन (एजेंसियों) और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की निष्क्रियता के कारण दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के प्रावधानों के तहत न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है।इस केस के शिकायतकर्ता ने आरोपियों के खिलाफ कथित जांच की मांग की थी। शिकायतकर्ता एक मीडिया रिपोर्टर हैं और उन्होंने कहा है कि इस मामले में बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी, नियामक उल्लंघन और भ्रष्टाचार शामिल हैं।

शेष पेज 08 पर

रेस्क्यू अभियान पूरा, लापता चारों श्रमिकों के शव मिले, आठ हुई मृतकों की संख्या, 46 सुरक्षित

उत्तराखंड हिमस्खलन

देहरादून। चीन सीमा पर माणा के पास शुक्रवार को हिमस्खलन की चपेट में आए सभी लोगों को ढूंढ लिया गया है, जिसमें से 46 सुरक्षित हैं, जबकि आठ की मौत हो गई। रविवार को लापता सभी चार श्रमिकों के शव रेस्क्यू टीम ने बरामद कर लिए हैं। जबकि चार श्रमिकों के शव शनिवार को बरामद हो गए थे। वहीं, रविवार को एक अन्य घायल को एम्स ऋषिकेश के लिए रेफर कर दिया गया है, जबकि एक घायल श्रमिक शनिवार को रेफर किया गया था। इसके साथ ही तीन दिनों से चला आ रहा रेस्क्यू अभियान भी समाप्त हो गया।

बता दें कि माणा के पास शुक्रवार तड़के भारी हिमस्खलन हुआ था, जिसके चपेट में बीआरओ के 54 श्रमिक आ गए थे। आईटीबीपी और सेना के जवानों ने शुक्रवार सुबह रेस्क्यू अभियान शुरू किया। पहले दिन 33 श्रमिकों को सुरक्षित निकाला गया था। शनिवार को रेस्क्यू अभियान में एनडीआरएफ भी शामिल हुई। शनिवार तक रेस्क्यू टीमों ने 46 श्रमिकों को सुरक्षित निकाल लिया था, जबकि चार श्रमिकों के शव बरामद हुए थे।

शेष पेज 08 पर

सरकारी नौकरी और पारा शिक्षकों की पत्नियों ने भी लिया लाभ

- मंईयां सम्मान योजना में रोज हो रहे नये खुलासे
- लगातार मिल रहीं गड़बड़ियां

रांची। झारखंड में मंईयां सम्मान योजना में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। लगातार गड़बड़ियां मिल रही हैं। हेमंत सोरेन सरकार के निर्देश पर लाभुकों के सत्यापन का कार्य जिलास्तर पर चल रहा है। लाभुकों के सत्यापन के लिए कर्मचारी घर-घर जा रहे हैं और जानकारी ले रहे हैं। जिलों में चल रहे सत्यापन के दौरान कई ऐसे मामले सामने आये हैं जिसमें अपात्र लाभुकों ने राशि ले ली है। इनमें वैसी लाभुक भी शामिल हैं जिनके पति सरकारी नौकरी कर रहे हैं। इसके अलावा वैसे कर्मी जो मानदेय और संविदा पर कार्यरत हैं, उनकी पत्नी ने भी इस योजना का लाभ लिया है।

शेष पेज 08 पर

पलामू प्रमंडल में हटाए गए दो लाख से अधिक के नाम

मेदिनीनगर (पलामू)। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने पलामू प्रमंडल में मंईयां सम्मान योजना के दो लाख पांच हजार 684 से अधिक लाभुकों को स्वीकृत सूची से हटा दिया है। राज्य सरकार ने इसकी जानकारी तीनों जिला प्रशासन को भेज दी है। पलामू में 95,684, गढ़वा में 70 हजार और लातेहार में 40 हजार से अधिक लाभुकों का नाम हटाया गया है। अयोग्य लाभुकों का नाम झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की सूची से हटाया गया है। लगातार गड़बड़ी सामने आने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर मंईयां योजना की लाभुकों का सत्यापन घर-घर किया जा रहा है, ताकि सही लाभुक को योजना का लाभ मिल सके और अयोग्य का नाम हटाया जा सके।

अब इन्हीं लाभुकों को मिलेगी योजना की राशि: पलामू जिले में दिसंबर में 3,72,937 लाभुकों के खाते में मंईयां सम्मान योजना की राशि भेजी गयी थी, लेकिन वर्तमान में डाटा घटाकर मात्र दो लाख 77 हजार 253 लाभुकों को पैसा भेजने की स्वीकृति दी गयी है।

शेष पेज 08 पर

रमजान में मुस्लिम कर्मियों की शाम 4 बजे हो जाएगी छुट्टी, आदेश जारी

नयी दिल्ली। रमजान के पवित्र महीने की आज से शुरुआत हो चुकी है और मुसलमानों ने आज से रोजे की शुरुआत कर दी है। रमजान के महीने के लिए झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने ऐसा आदेश जारी किया है जिसे लेकर सियासी गलियारे में बवाल मच सकता है। सोरेन सरकार के इस फैसले को लेकर बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने सवाल उठाए हैं।

दरअसल सरकार की ओर से एक आदेश जारी करते हुए कहा गया है कि रमजान के दौरान हर दिन शाम चार बजे से मुस्लिम कर्मचारियों को ऑफिस छोड़ने की अनुमति होगी।

- भाजपा सांसद बोले- वक्त आ गया इस्लामिक राज्य घोषित करने का

इसके अलावा रमजान माह के दौरान हर शुक्रवार को नमाज पढ़ने के लिए दोपहर 12 से 2 बजे तक की विशेष अनुमति होगी।

शेष पेज 08 पर

ड्रग मुक्त भारत बनाना हमारा संकल्प : शाह

एजेंसियां

- नशीले पदार्थों की तस्करी पर मोदी सरकार सख्त

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि रविवार को नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए सरकार सख्त है। मोदी सरकार पैसे के लालच में युवाओं को नशे की लत में धकेलने वाले नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

एक्स पर एक पोस्ट में अमित शाह ने लिखा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ड्रग-मुक्त भारत बनाने के लिए निर्मम और सावधानीपूर्वक जांच के साथ नशीली दवाओं के खतरे का मुकाबला करना जारी रखने का संकल्प लेती है। नीचे से ऊपर और ऊपर से नीचे की रणनीति के साथ अचूक जांच के परिणामस्वरूप भारत भर में 12 अलग-अलग मामलों में 29 ड्रग तस्करों को अदालतों ने दोषी ठहराया है। मोदी सरकार की नशीली दवाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का पालन करते हुए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

केंद्रीय गृह मंत्री के ट्वीट के बाद एक प्रेस विज्ञप्ति में गृह मंत्रालय ने कहा कि शाह के मार्गदर्शन में एनसीबी 2047 तक नशा मुक्त भारत के प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। विज्ञप्ति में सरकार की ओर से की गई कार्रवाइयों की जानकारी दी गई है। इसमें उन 12 मामलों का ब्योरा दिया गया है, जिनमें अदालत ने सजा सुनाई। इसमें 2019 में गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती रेलवे स्टेशन पर 23.859 किलोग्राम चरस के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया और 14 साल जेल की सजा सुनाई गई।

इसके बाद जुलाई 2022 में मध्य प्रदेश के मंदसौर में एनसीबी ने शहडोल में 123.080 किलो गांजा जब्त किया।

शेष पेज 08 पर

चतरा: धमकी के बाद आक्रमण गंझू समेत चार की गिरफ्तारी का खुलासा

- एसपी ने की गिरफ्तारी की पुष्टि, कहा: कल पकड़े गये सभी

चतरा। झारखंड के उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) की धमकी के बाद पुलिस ने उसके (टीएसपीसी के) प्लाटून कमांडर सह जोनल कमांडर रवींद्र गंझू उर्फ आक्रमण गंझू उर्फ आक्रमण की गिरफ्तारी की पुष्टि कर दी है। चतरा के एसपी ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि टीएसपीसी के सेकेंड लाइन के कमांडर आक्रमण गंझू, उसकी पत्नी नीलम देवी समेत 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एसपी ने कहा है कि इनके पास से कई हथियार बरामद हुए हैं।

शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त

तोरपा में लगा निःशुल्क चिकित्सा शिविर

खूंटी। तोरपा के झामुमो विधायक सुदीप गुड़िया के सौजन्य से रविवार को नगर भवन तोरपा में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इसमें रांची स्थित तुपुदाना के देवनिका हॉस्पिटल एंड रिसर्च के चिकित्सकों ने कई रोगियों के स्वास्थ्य की जांच की। मौके पर विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को हर संभव स्वस्थ्य सुविधा मुहैया कराना उनकी प्राथमिकता है।उन्होंने कहा कि आगे भी इस तरह के स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया जाएगा। मौके पर विधायक ने भी अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। इसके पूर्व देविनिका अस्पताल के डॉक्टर और अन्य लोगों ने विधायक का स्वागत किया। शिविर में जिला बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष जुबैर अहमद ने भी अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। मौके पर जिप सदस्य सुशांति कोनगाडी, रूबेन तोपनो, प्रदीप केशरी सहित अन्य उपस्थित थे।

पुलिस ने 40 टन कोयला लदा ट्रक किया जब्त

रामगढ़। रामगढ़ जिले के वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र के बसंतपुर वन क्षेत्र से कोयले की अवैध तस्करी हो रही थी। अवैध कोयला लदा एक ट्रक पुलिस ने जब्त किया है। साथ ही उसके चालक अवधेश कुमार को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की जानकारी रविवार को एसपी अजय कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि बसंतपुर वन क्षेत्र से कोयला लाद कर इसकी तस्करी किए जाने की सूचना मिली थी। पुलिस ने सूचना के आधार पर जांच अभियान चलाया। इस दौरान शनिवार की देर रात करमटिया मोड के पास एक ट्रक (बीआर 01 जीजी 2610) को रोका गया। इस ट्रक पर 40 टन कोयला लदा था। जब चालक से पूछताछ की गई, तो उसने कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया। इसके बाद चालक मोतिहारी जिले के घोड़ासहन निवासी अवधेश कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार किया। साथ ही ट्रक मालिक पटना निवासी पंकज सिंह से भी दस्तावेज की मांग की गई। लेकिन वह भी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। जांच के दौरान पता चला कि कुजू निवासी मोइसिन खान, बसंतपुर निवासी छोटा महेंद्र महतो और अन्य लोगों के जरिये अवैध कारोबार को संचालित किया जा रहा था।

हर ओर खिले सूर्ख पलाश फूल करा रहे हैं हिंदू नववर्ष के आगमन का अहसास

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। गांवों, जंगलों और सड़क किनारे जगह-जगह पर खिले सूर्ख पलाश के और सेमल के फूल इस बात का आभास करा रहे हैं कि हिंदुओं का नव वर्ष आने वाला है। रंगों का त्योहार होली के साथ ही नव वर्ष भी शुरू हो जाएगा।

बसंत पंचमी के आते ही खूंटी सहित आसपास के क्षेत्रों और जंगलों में पलाश के फूल प्रकृति की शोभा बढ़ा रहे हैं। इसीलिए कहा जाता है कि पलाश या टेसू के फूल प्रकृति के श्रृंगार हैं और इसके सूर्ख रंग और आकार दीये की तरह होता है। इसकी बनावट के कारण ही अंग्रेजी साहित्यकारों ने इसे फ्लेम ऑफ फोरेस्ट या वन ज्योति की संज्ञा दी है। इन दिनों खूंटी, गुमला, लोहरदगा, सिंहभूम कहीं भी चले जाएं, हर ओर खिले पलाश के फूल बरबस ही आपका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि चैत्र के महीने में प्रकृति भी अपने सुंदरतम रूप में होती है। झारखंड का राजकीय पुष्प भी पलाश ही है।

खूंटी जिले में पलाश पेड़ों की भरमार

खूंटी जिले में प्रचूर मात्रा में पलाश के पेड़ पाये जाते हैं, पर इसके उपयोग पर सरकर या प्रशासन ने अब तक ध्यान नहीं दिया है। जेएसएलपीएस के एक अधिकारी बताते हैं कि पलाश के फूलों के व्यावसायिक उपयोग के बारे में जिला प्रशासन विचार कर रहा है। पलामू और हजारीबाग जिले में प्रशासन पलाश के फूलों से रंग और गुलाल बनाने के लिए पलाश के फूलों की खरीदारी करता है। प्रशासन द्वारा 25 से 30 रुपये प्रति किलो की दर से पलाश के फूलों की खरीदारी कर रहा है। इससे स्थानीय लोगों को कुछ समय के लिए रोजगार मिल जाता है।

पलाश फूल से बनाये जाते हैं रंग और गुलाल

पलाश और सेमल के फूलों का उपयोग होली के दौरान रंग और गुलाल बनाने में किया जाता रहा है। कर्रा रोड खूंटी की रहनेवाले वरिष्ठ पत्रकार अष्ण चौधरी कहते हैं कि भले ही आज के बच्चे केमिकलयुक्त रंगों से होली खेलते हो, पर पहले लोग पलाश और सेमल के फूलों से रंग और गुलाल बनाते थे। रंग बनाने के लिए फूलों को किसी बड़े बर्तन में रात भर आग में पकाया जाता है। वहीं गुलाल बनाने के लिए फूलों को धूप में सुखाया जाता है और पीसकर गुलाल तैयार किया जाता है। एक किलो फूल से लगभग आठ सौ ग्राम गुलाल तैयार हो जाता है। तोरपा के सामाजिक कार्यकर्ता धमेंद्र कुमार कहते हैं कि हमें हर हाल में प्रकृति के साथ चलना होगा। पलाश और सेमल के फूलों से बने रंग शरीर के लिए काफी लाभदायक हैं। इसलिए हमें रसायन युक्त रंगों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। प्राकृतिक रंग से होली में पानी की भी बचत होती है। तोरपा के वैद्य नंदू महतो कहते हैं कि पलाश औषधीय गुणों की खान हैं। इसका उपयोग कई तरह की बीमरियों के इलाज में किया जाता है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य संतोष जयसवाल कहते हैं कि सरकार को चाहिए कि वह पलाश के फूलों की खरीदारी कर उससे प्राकृतिक रंग और गुलाल का निर्माण कराए। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा और लोगों का प्रकृति से जुड़ाव भी होगा। झामुमो के नेता प्रदीप केशरी कहते हैं कि पूरे खूंटी जिले में भारी मात्रा में पलाश के फूल पाये जाते हैं। इसका कहीं सदुपयोग नहीं होता है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को इसके व्यावसायिक उपयोग के बारे में विचार करना चाहिए।

मिशन संस्थाएं ईमानदारी से शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही हैं: सांसद

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। कोचांग के गुरुडीह चर्च में रविवार को 150 वर्षीय जुबली मनाई गई और आशा के तीर्थ स्थान के रूप में भी शुभारंभ किया गया। 1875 ई सर्वप्रथम फादर अगुस्तुस स्टॉकमन द्वारा चर्च का शुभारंभ किया गया था।

उन्हीं की याद में 150 वर्षीय जुबली वर्ष मनाया गया। इसी के साथ शिक्षा का केंद्र भी खुला। वर्तमान में प्राथमिक विद्यालय, माध्यमिक विद्यालय एवं उच्च विद्यालय का संचालन मिशन संस्थान के जरिये सफलतापूर्वक किया जा रहा है, जहां से ग्रामीण बच्चे हर साल अच्छी शिक्षा ग्रहण कर रहे है। इस अवसर पर विशेष रूप मुख्य अतिथि के रूप में आर्चबिशप विंसेंट आईंद ने अपने संदेश में कहा कि फादर अगुस्तुस स्टॉकमन अपने जीवनकाल में मुंडा आदिवासियों के बीच सेवाकाई एवं शिक्षा के प्रसार में अपना जीवन बिताया। बिशप विनय कंडुलना ने सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया। खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि मिशन संस्थाएं बड़ी ईमानदारी से शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित भाव से काम कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री शिल्पी स्नेहा तिर्की ने मुंडा लोग बड़े दिल के होते है। उन्होंने हमें रोहतासगढ़ से आते हुए मुड़मा क्षेत्र में बसने के लिए जगह दी। तमाड़ के विधायक विकास मुंडा कोचांग को पर्यटन स्थल के रूप में विकासित करने का भरोसा दिया । कोलेबिरा के विधायक नमन पिक्सल कोनगाड़ी और फादर विशु बेंजामिन आईंद ने लोगों को शुभकामनाएं दी।

घर में आग लगने से लाखों की संपति जल कर नष्ट

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। मुरी ओपी अंतर्गत कांटा डीह गांव के नामी देवी के घर रविवार तड़के 3 बजे आग लगने से घर रखे लगभग एक लाख से अधिक की संपति जल कर नष्ट हो गया। सूचना पाकर पहुंची हिंडालको दमकल टीम ने आग पर काबू पाया तथा आग को फैलने रोका। जानकारी के मुताबिक नामी देवी और अन्य परिवार के सदस्य बगल के कमरे में सोने चले गए थे।तभी रविवार तड़के लगभग 3 बजे पास के एक व्यक्ति शौच के लिए निकला था तो नामी देवी के घर से आग की लपटे देख लोगो को जगाया। आस पास के लोगों ने बगल के कमरे में रखे धान टीवी, अलमारी को किसी तरह बाहर निकला। पानी से आग को बुझाने का काफी प्रयास किया गया परंतु आग की लपटें और तेज होने लगे तभी इसकी सूचना हिंडाल्को के दमकल को दी गई। हिंडालको दम कल टीम पहुंचने के लगभग आधे घंटे के बाद आग पर काबू पाया जा सकता है। तब तक उनके घर में रखें कपड़े बर्तन समेत जमीन के मूल कागजात एवं बच्चों के पुस्तक समेत सभी सामान जलकर नष्ट हो गए। नामी देवी के परिजन ने आगलगी में एक लाख रुपए से अधिक संपत्ति की छति बताया है।

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। मारवाड़ी युवा मंच चेतन शाखा के नेतृत्व में सात दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।यह शिविर संस्था की अध्यक्ष अनु खंडेलवाल क्या नेतृत्व में लगाया गया। शिविर के आखिरी दिन में निःशुल्क प्राणिक हीलिंग कैंप का आयोजन किया गया। इसके तहत बताया गया कि तन के साथ- साथ मन का स्वस्थ होना भी बहुत जरूरी है।इस भाग दौड़ वाली जिंदगी में सभी मानसिक शांति को भूल ही गए है और टेंशन, डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। इस मानसिक शांति की जरूरत को समझने एवं उसे आपने जिंदगी में अपनाना कितना जरूरी है, बताने के लिए इस कैंप का आयोजन किया गया। 35 लोगों ने इसका लाभ उठाया। नीतू अग्रवाल की मदद से शाखा की ओर से हीलिंग कैंप का आयोजन किया गया। उन्होंने रांची से 10 प्राणिक हिलिंग के ट्रेनर और हिलर को बुलाया था।

सिर कटी शव की हुई पहचान, राजस्थान का था व्यवसायी

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। जिले के मारंगहादा थानांतर्गत कुजराम से चुकरू जाने वाली सड़क पर जानुमडीह मोड़ के पास गत शुक्रवार की सुबह मिली युवक की सिर कटी शव की पहचान हो गई है।

युवक की पहचान राजस्थान के जोधपुर जिला अंतर्गत भोपालगढ़ थाना क्षेत्र के हिमोली गांव निवासी पुखराज कुमार के रूप में हुई है। शव की पहचान उसके छोटे भाई महिपाल ने रविवार को खूंटी में आकर की। उसके भाई महिपाल ने बताया कि पुखराज कोयला का व्यवसायी था। वह 25 फरवरी को घर से 27 लाख रुपये लेकर रांची के लिए निकला था। रांची में उसे कोयला लोड कराना था। महिपाल की 27 फरवरी को रात लगभग साढ़े आठ बजे पुखराज से फोन पर बात हुई थी। तब पुखराज ने कहा था कि वह सही सलामत रांची पहुंच गया है। रांची में वह अपने कारोबारी मित्र तबारक के दोस्तों लक्ष्मण और राज के यहां रुका है। महिपाल ने उसी रात 9.45 बजे फिर से अपने भाई पुखराज से फोन पर बात करने का प्रयास किया, तो पुखराज का फोन स्विच ऑफ मिला। दूसरे दिन शुक्रवार को सुबह से कई एक बार उसने अपने भाई को फोन लगाया, लेकिन हर बार उसका फोन बंद मिला। ऐसे में किसी अनहोनी की आशंका से वह परेशान हो गया। इसी बीच सोशल मीडिया और न्यूज एजेंसी में उसने खूंटी में एक अज्ञात युवक की सिर कटी लाश मिलने का समाचार देखा। इसके बाद वह खूंटी पहुंचा और शव की पहचान अपने भाई के रूप में की।

महिपाल का कहना है कि उसके भाई की हत्या उसके पास रखे 27 लाख रुपये को हड़पने की नीयत से की गई है। हत्याकांड में वही लोग शामिल हो सकते हैं, जिन्होंने उसके भाई को रांची में अपने यहां रखा था। एसडीपीओ वरूण रजक ने बताया कि दो दिन पूर्व मारंगहादा थाना क्षेत्र में मिली सिर कटी शव की पहचान हो गई है। कांड के खुलासा एवं हत्याकांड में संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है। एसडीपीओ ने दावा किया कि जल्द ही कांड में संलिप्त अपराधियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर लिया जाएगा। हालांकि पुखखाज का कटा सिर अब तक बरामद नहीं हो सका है।

विहंगम संत समाज का ध्वजारोहण व सत्संग कार्यक्रम का आयोजन

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। सिल्ली के राजेंद्र प्रसाद साय के निवास स्थान साय निवास पर रविवार को विहंगम संत समाज सिल्ली के तत्वावधान में ध्वजारोहण व सत्संग का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सदगुरु सदाफल देव के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात सभी गुरु भाइयों बहनों द्वारा भजन, ध्यान, प्रार्थना, आरती, वंदना एवं शांति पाठ किया गया। कार्यक्रम में विहंगम योग संत समाज रांची जिला सह संयोजक प्रमेद कुमार चौधरी एवं सत्संग प्रभारी संजीव नारायण श्रीवास्तव ने प्रवचन के क्रम में विहंगम योग के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि विहंगम योग ध्यान के माध्यम से धर्म, अर्थ, काम, एवं मोक्ष की प्राप्ति होती है। वहीं उन्होंने कहा कि ब्रह्म विद्या विहंगम योग के क्रियात्मक साधना द्वारा मन का निग्रह सजगता से होता है। शरीर जड़ हैं और आत्मा चेतन हैं, शरीर नश्वर हैं, इसलिए आत्मा द्वारा बनी हुई ध्यान साधना ही ब्रह्म विद्या विहंगम योग हैं।

जिसके उपदेश सदुरु सदाफल देव महाराज हैं। इस मौके पर स्वर्वेद पाठ भी किया गया। आत्मा राम महतो ने कहा कि स्वर्वेद सदगुरु द्वारा हिमालय के कंदराओं में 17 वर्ष की तपस्या के पश्चात उन्हें जो अनुभव और ज्ञान प्राप्त हुआ उसको स्वर्वेद में अभिव्यक्त किया है। कार्यक्रम को सामूहिक आरती के साथ शांति पाठ के द्वारा समापन किया गया। इस मौके पर शिवानी साय, परमानंद साय, गणेश साहु, विजय भद्र, उमाशंकर साहु, अविनाश साहु, उमाशंकर मालाकार, मुनमुन मालाकार, पूर्णिमा सिंह देव, रुबी देव, भरत देव साय, नन्द किशोर साय, रश्मेंद्र नारायण साय, उपेंद्र नाथ महतो, मथुर महतो, कृष्णा रविदास आदि उपस्थित थे।

संतोष साहु और द्वारिका महतो झामुमो छोड़ राजद में हुए शामिल

सिल्ली। झामुमो सिल्ली प्रखंड उपाध्यक्ष संतोष साहू व संगठन सचिव द्वारिका महतो झामुमो छोड़ राजद में शामिल हो गए। रांची स्थित राजद प्रदेश कार्यालय में रांची जिला राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष धर्मेंद्र महतो ने दोनों नये सदस्यों को पार्टी का अंग वस्त्र दे कर स्वागत किया। वहीं संतोष साहू को जिला उपाध्यक्ष एवं द्वारिका महतो को सिल्ली प्रखंड अध्यक्ष मनोनित किया गया। पाटी की सदस्यता ग्रहण करने पर जिला के सभी पदाधिकारी ने हर्ष व्यक्त करते हुए पद ग्रहण के लिए शुभकामनाएं दी। इस मौके पर पाटी के प्रधान महासचिव राम भजन सिंह, कमलेश कुमार,चंचल कुमार समेत कई पदाधिकारी उपस्थित थे ।

ऑल इंडिया वुशु यूनिवर्सिटी गेम्स में सिल्ली कॉलेज का बेहतर प्रदर्शन

सिल्ली। ऑल इंडिया वुशु यूनिवर्सिटी गेम्स में सिल्ली कॉलेज के पदक विजेता खिलाड़ीयों का रविवार को मुरी स्टेशन पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। कोच वाहिद अली ने बताया कि 22 फरवरी से 28 फरवरी तक आयोजित इस प्रतियोगिता में सिल्ली कॉलेज की सोनाली कुमारी ने एक स्वर्ण एक कांस्य पदक तथा अंजना कुमार, सुमित कुमार, निशांत कोइरी ने रजत पदक प्राप्त किया है। सभी खिलाड़ी बिरसा मुंडा वुशु सेंटर के प्रशिक्षु हैं। इन खिलाड़ियों की सफलता पर वूशु सेंटर के संरक्षक सह पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो, गूंज परिवार के संयोजक जयपाल सिंह, अध्यक्ष सुनील सिंह, ब्रजेश प्रसाद, आर्चरी कोच प्रकाश राम, शिशिर महतो आदि ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

राम लखन सिंह यादव कॉलेज की एनएसएस इकाई ने नशा के खिलाफ चलाया अभियान

रांची। रविवार को राम लखन सिंह यादव कॉलेज की एनएसएस इकाई एक तथा दो की ओर से स्पेशल कैंप के चौथे दिन टुनकी टोला कोकर में नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत एनएसएस स्वयंसेवकों ने टुनकी टोला की सभी गलियों में जागरूकता रैली तथा नारा लगाकर लोगों को नशा से दूरी बनाए रखने का संदेश दिया। यह जागरूकता रैली टुनकी टोला से शुरू होकर रिम्स मेडिकल अस्पताल परिसर होते हुए पुनः टुनकी टोला तक निकाली गई। इस दौरान स्वयंसेवकों ने पोस्टर में स्लोगन लिखकर ग्रामीणों तथा अन्य लोगों को नशापान से दूरी बनाने रखने का आह्वान किया। साथ ही साथ रांची शहर तथा भारत देश को नशा मुक्त बनाने के लिए लोगों से अपील भी की। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ मनीष चंद्र टुडू तथा डॉक्टर कुमारी रीता का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस जागरूकता रैली में सोनू, विकास, मिथिलेश, आशीष,शेखर, सुकरमनी, शिल्पा, निशा मुंडा, प्रियंका, नेहा, सुषमा कुमारी सहित अन्य स्वयंसेवक मौजूद थे।

रक्तदान कर बचाओ दूसरी की जिंदगी : एसपी

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ। रामगढ़ जिले के मांडू में संपूर्णा संकट मोचन फाउंडेशन के तत्वावधान में स्वेच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

रविवार को इस शिविर का उद्घाटन एसपी अजय कुमार, सिविल सर्जन डॉ महालक्ष्मी प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर एसपी अजय कुमार ने कहा कि किसी भी घायल को बचाना है तो रक्तदान ही एकमात्र उपाय है। उन्होंने "रक्तदान करो जीवन बचाओ" का नारा भी दिया। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने के लिए हमेशा रक्तदान शिविर में शामिल हों। रक्तदान हर किसी की सामाजिक जिम्मेदारी है, इसका पालन अवश्य करें। इस शिविर में आम जनता, माण्डू थाना प्रभारी, पुलिसकर्मी के द्वारा रक्तदान किया गया। जिन्हें पुलिस अधीक्षक ने अप्रिशिएसन सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इस मौके पर फाउंडेशन की निदेशक अमीषा प्रसाद सहित अन्य लोग मौजूद थे।

कोयला लदा टाटा सूमो जब्त

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। एसपी के निर्देश पर एसपी की विशेष टीम ने शनिवार की रात गोबरदरहा के निकट अवैध कोयला लदा टाटा सूमो को पकड़ा।

पुलिस ने टाटा सूमो को जब्त कर रोबिन होटल के पास रखा है। जबकि चालक को हिरासत में लेकर रामगढ़ थाना ले आई है। सूमो संख्या (जेएच 05 पी 0025) के चालक, मालिक और कोयला तस्करों पर मामला दर्ज करने की प्रक्रिया में जुटी है। पुलिस के अनुसार टाटा सूमो पर कोयला लोड कर उसे रांची क्षेत्र में खपाया जाता था। यह केवल एक गाड़ी नहीं है, बल्कि ऐसी कई गाड़ियां हैं, जिसे पकड़ने के लिए पुलिस जांच अभियान चला रही है। घाटी के अलावा टोल प्लाजा के पास भी पुलिस जांच करेगी।

भाजपा की बैठक में सांगठनिक चुनाव को लेकर विचार विमर्श

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

खूंटी। भाजपा के जिला कार्यालय खूंटी में रविवार को संगठनात्मक चुनाव और बूथ समिति पुनर्गठन को लेकर बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक की शुरूआत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद वंदे मातरम का गान हुआ। बैठक में प्रदेश मंत्री और जिला चुनाव प्रभारी नंदजी प्रसाद तथा संतोष मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री संजय साहू ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री निखिल कंडुलना ने किया। मुख्य अतिथि नंदजी प्रसाद ने बूथ गठन, मंडल अध्यक्ष चयन और जिला अध्यक्ष चयन की प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक समझाया। उन्होंने कहा कि भाजपा का संगठनात्मक ढांचा जमीनी स्तर से मजबूत होता है और इसके लिए बूथ स्तर पर मजबूत अनिवार्य है। बूथ गठन प्रक्रिया, प्रत्येक बूथ पर 21 से 25 सदस्यीय समिति गठित की जाएगी, जिसमें बूथ अध्यक्ष, सचिव, बीएल दो सहित अन्य सक्रिय कार्यकताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी।

प्रत्येक मंडल में बूथ समितियों से समन्वय कर मंडल अध्यक्ष का चयन किया जाएगा, जिसमें संगठन की रीति-नीति के अनुरूप अनुभवी एवं कर्मठ कार्यकताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। मंडल अध्यक्षों, जिला पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ कार्यकताओं की सहमति से लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत जिला अध्यक्ष का चयन किया जाएगा।

बैठक में जिले के सभी मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी उपस्थित थे। साथ ही, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सीमा देवी, युवा मोर्चा अध्यक्ष रोहित साहू, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रियांक भगत, पुरेंद्र मांझी, रामध्यान सिंह, कलिंदर राम, राजेश महतो, अर्जुन पाहन, परशुराम दास, सीताराम, भगीरथ राय, योगेंद्र नायक, विनोद नाग, जगरनाथ मुंडा, विनय गुप्ता, सुशीला देवी, लीलू पहान, सुबोध कुमार, अजित रॉय, शंकर दास सहित उपस्थित थे।

संक्षिप्त

स्पार्टन्स यूनाइटेड ने गोंदवाना क्लब क्रिकेट लीग-2025 जीता

रांची। सीएमपीडीआई के खेल मैदान में आयोजित तीन-दिवसीय गोंदवाना क्लब क्रिकेट लीग-2025 टूनार्मेंट के फाइनल मैच में स्पार्टन्स यूनाइटेड का मुकाबला धरा योद्धा के बीच हुआ। स्पार्टन्स यूनाइटेड ने धरा योद्धा की टीम को 5 विकेट से पराजित कर टीम चैम्पियनशिप का खिताब प्राप्त किया।

मुख्य अतिथि सीएमपीडीआई के निदेशक शंकर नागाचारी ने टीम चैम्पियनशिप के विजेता टीम और विशिष्ट अतिथि संस्थान के वरीय सलाहकार (माइनिंग) एके राणा ने उप-विजेता टीम को सम्मानित किया। इस अवसर पर बेस्ट बैट्समैन एवं बेस्ट बॉलर किशन, बेस्ट फील्डर विक्रांत त्रिवेदी, मैन ऑफ दी सीरिज किशन और महिला खिलाड़ी सुश्री दीप्ति पिल्लै को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया।

इस टूनार्मेंट में 8 टीमें शिरकत कीं। इस टूनार्मेंट में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक मैच में एक महिला खिलाड़ी अनिवार्य रूप से खेलने का अवसर प्रदान किया गया और एक ओवर महिलाओं को समर्पित था, जहां महिला खिलाड़ियों ने विशेष रूप से गेंदबाजी और बल्लेबाजी किया।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म, आरोपित फरार

रांची। सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना शनिवार रात की है, जब पड़ोसी युवक ने नाबालिग को घर में अकेला पाकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और दुष्कर्म किया। नाबालिग ने घटना की जानकारी अपनी मां को दी, जिसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस ने नाबालिग का बयान दर्ज किया और मेडिकल जांच कराई।कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि आरोपी की पहचान कर ली गई है और वह फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

मुक्ति संस्था ने 29 शवों का किया अंतिम संस्कार

रांची। मुक्ति संस्था ने रविवार को जुमार नदी के तट पर 29 अज्ञात शवों का पूरे विधि विधान से अंतिम संस्कार किया। मुक्ति संस्था के सदस्यों ने रिम्स के मोर्चरी गृह से अज्ञात शवों को निकालकर पैक कर जुमार नदी के तट पर लेकर गए। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने अज्ञात शवों को मुखाग्नि दी। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने बताया कि मुक्ति संस्था के जरिये अबतक कुल 1946 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया गया है। अंतिम अरदास राहुल जायसवाल ने किया। मौके पर संस्था के रवि अग्रवाल, सौरभ बथवाल, सुमित अग्रवाल, आर के गांधी, सीताराम कौशिक, विकाश विजयवर्गीय, दिनेश गाबा आदित्य शर्मा, संदीप कुमार पंकज खिरवाल, हरीश नागपाल और विनोद सिन्हा शामिल थे।

जागरूक कर लोगों को लाभ पहुंचाना ही लक्ष्य : प्रवीण श्रीवास्तव

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। 90 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम को जारी रखते हुए रविवार को अनगड़ा प्रखंड के ग्राम पंचायत सचिवालय, राजाडेरा में डोर-टू-डोर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एलएडीसी चीफ प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, पीएलवी बेबी सिन्हा, मालती कुमारी, शीला देवी, जीएसपीएस के संगीता देवी एवं राजा वर्मा एवं अन्य उपस्थित थे।

एलएडीसी चीफ प्रवीण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि विचाराधीन बंदियों तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के वर्गों के लोगों को डालसा के द्वारा मुकदमा लड़ने तथा अपना बचाव करने के लिए निःशुल्क विधिक सहायता दी जाती है। बाल विवाह तथा बाल मजदूरी अपराध है। अभिभावक अपने बच्चों का विवाह 18 वर्ष के बाद ही करें। छोटे बच्चों से काम न करायें, बल्कि उन्हें उचित शिक्षा दें। डायन-बिसाही भी अपराध हैं, किसी भी स्त्री या पुरूष को डायन कहना गलत है। उन्होंने स्पॉन्सरसीप योजना, बाल आशीर्वाद योजना तथा सरकार के द्वारा चलाये जा रहे अन्य लाभकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी।

पीएलवी बेबी सिन्हा ने प्री-लिटिगेशन मुकदमा दर्ज कराने, विधवा, वृद्धा पेंशन, असंगठित मजदूरों का निबंधन, आयुष्मान भारत योजना के गोल्डन कार्ड, बाल श्रम एवं बाल अधिकार के बारे में जानकारी दी। पीएलवी मालती कुमारी व बेबी सिन्हा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के बारे में विस्तार से बताया। शीला देवी ने वृद्धा पेंशन व विधवा पेंशन पर फोकस किया। उन्होंने कहा कि अपनी बच्चियों का विवाह 18 वर्ष के बाद ही करें, 18 वर्ष से पहले बेटियों का विवाह न करें।

यह भी ज्ञात हो कि डालसा के पीएलवी ने आगामी 08 मार्च को आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी दी। कहा कि वादकारी उक्त तिथि को व्यवहार न्यायालय, रांची में उपस्थित होकर अपने वादों का निस्तारण मध्यस्थता के माध्यम से करा सकते है। इससे धन व समय की बचत होगी। जागरूकता कार्यक्रम में प्रवीण कुमार श्रीवास्तव, पीएलवी बेबी सिन्हा, मालती कुमारी, शीला देवी, जीएसपीएस के संगीता देवी एवं राजा वर्मा एवं अन्य उपस्थित थे।

मारवाड़ी ब्राह्मण सभा का चुनाव 23 मार्च को

रांची। मारवाड़ी ब्राह्मण सभा के चुनाव के लिए मतदान मारवाड़ी ब्राह्मण भवन में 23 मार्च को होगा। इस दौरान सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होगा। इस दौरान मारवाड़ी ब्राह्मण सभा के लगभग 1600 सदस्य अपने मत का प्रयोग करेंगे। इस संबंध में मुख्य चुनाव पदाधिकारी राधेश्याम शर्मा ने रविवार को चुनाव के कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए चार से सात मार्च, नामांकन पत्र की जांच सात मार्च को होगी। साथ ही उम्मीदवारों की प्रथम सूची आठ मार्च को जारी होगी। नामांकन वापसी नौ से 12 मार्च तक होगा।

कैग रिपोर्ट पर भाजपा का वार स्वास्थ्य मंत्री को दी नसीहत

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने हाल ही में जारी कैग रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए झारखंड सरकार और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान के निमार्ता बाबासाहेब आंबेडकर ने कैग को प्रशासनिक प्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण अंग बताया था, जो लोकतंत्र की रक्षा के लिए एक अटूट दीवार की तरह कार्य करता है। उन्होंने 2012 में यूपीए सरकार के खिलाफ कैग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि यह संस्था सच उजागर करने का कार्य करती रही है।

अजय साह ने झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के उस बयान की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने कैग रिपोर्ट की जांच कराने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 148 के तहत कैग को पूरे देश के खातों की जांच का अधिकार सौंपा गया है, लेकिन अब झारखंड में एक मंत्री ही इस संस्था के रिपोर्ट की जांच की मांग कर रहे हैं। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि झारखंड सरकार के मंत्री खुद को संविधान से भी ऊपर समझने लगे हैं।

साह ने रविवार को कहा कि कांग्रेस-जेएमएम के नेता समय के अनुसार संवैधानिक संस्थाओं का मूल्यांकन करते हैं। जब कोई फैसला उनके पक्ष में आता है, तो वे इसे लोकतंत्र की जीत बताते हैं, लेकिन जब फैसला उनके खिलाफ जाता है, तो वे इसे लोकतंत्र विरोधी करार देते हैं। संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की यह प्रवृत्ति पहले चुनाव आयोग, फिर सुप्रीम कोर्ट और अब कैग तक पहुंच चुकी है।

साह ने झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री को नसीहत देते हुए कहा कि उन्हें कैग रिपोर्ट की जांच करने के बजाए अपने विभाग की जांच करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड का स्वास्थ्य विभाग गंभीर संकट में है और मौजूदा स्वास्थ्य मंत्री ने इसे आईसीयू में पहुंचा दिया है।

कहीं ऐसा ना हो कि हमेशा विवादित बयान देने वाले बड़बोले स्वास्थ्य मंत्री अपनी पार्टी और मुख्यमंत्री के लिए और सर दर्द बन जाए ।

बीआईटी मेसरा फैकल्टी लीग देवघर प्रीडेटर्स सेमीफाइनल में

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। बीआईटी मेसरा में चल रहे प्रोफेसर सीताराम शर्मा मेमोरियल ट्रॉफी फैकल्टी क्रिकेट लीग-2025 में देवघर प्रीडेटर्स सेमीफाइनल में पहुंच गया।

देवघर बनाम मैकेनिकल चैलेंजर्स के बीच 2 मार्च को मुकाबला हुआ। देवघर के कैप्टन अमित ने टॉस जीता। पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मैकेनिकल चैलेंजर्स 12 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 60 रन बनाई।

मैकेनिकल चैलेंजर्स के प्रमोद ने रितविक के साथ पारी की शुरूआत की। प्राम ने 5 चौकों के साथ 32 रन बनाकर पारी को स्थिर किया। बाकी मैकेनिकल के बल्लेबाज सस्तेस में निपट गए। देवघर के चिराग ने अच्छी गेंदबाजी की और 2 विकेट लिए। आशीष और पाठक ने एक -एक विकेट लिया।

जवाब में देवघर के सलामी बल्लेबाज चिराग और रामकिशोर ने 42 रन बनाए। चिराग ने 5 चौके और रामकिशोर ने 10 रन बनाए। देवघर ने केवल 6.1 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 61 रन बना लिए।

चिराग को 32 रनों की बढ़िया पारी खेली और 2 विकेट लिए। उसे मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। आर, सी झा ने द मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार चिराग को दिया।

दो सेमीफाइनल 8 मार्च को खेले जाएंगे। फाइनल 9 मार्च को होगा।

रांची महानगर 151 स्थानों पर मनाएगा रामोत्सव : विहिप

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रांची। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) रांची महानगर की बैठक रविवार को हरमू रोड स्थित प्रांत कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष कैलाश केसरी ने की, जबकि संचालन महानगर मंत्री विश्वरंजन ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विहिप के क्षेत्र सहमंत्री डॉ. वीरेंद्र साहू उपस्थित रहे।

बैठक में आगामी कार्यक्रम रामोत्सव को 30 मार्च से 12 अप्रैल तक मनाने का निर्णय लिया गया। महानगर अंतर्गत सभी 16 नगरों में कार्यक्रम करने के लिए तथा 12 अप्रैल को बलोपासना दिवस के रूप में रांची महानगर के 151 स्थान पर कार्यक्रम करने की योजना बनाई गई। रांची महानगर के सभी नगरों की बैठक सात, आठ एवं नौ मार्च को तय की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. वीरेंद्र साहू ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद के 60 वर्ष पूर्ण होने के कालखंड में भगवान पुरुषोत्तम श्री रामलला का भव्य एवं नूतन मंदिर में स्थापित होना सनातन हिंदू समाज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि षष्ठीपूर्ति वर्ष में ही महाकुंभ में 65 करोड़ से अधिक सनातन हिंदू जनमानस का एकत्र होना हमारी प्राचीन सनातन परंपरा का बड़ा उद्घोष के समान है। डॉ. साहू ने विश्व हिंदू परिषद के कार्यों को जन-जन तक ले जाने के लिए समिति बनाने एवं निश्चित कार्यक्रम को करने का आग्रह किया ।

बैठक में मुख्य रूप से प्रांत सेवा सहप्रमुख अशोक अग्रवाल, महानगर उपाध्यक्ष गोपाल पारीक, सहमंत्री राजेश अग्रवाल और सुमन जी, सामाजिक समरसता प्रमुख मुकेश गिरी, सेवा प्रमुख श्वेता सिंह, महानगर बजरंग दल संयोजक विक्रम साहू, अजय राजगढ़िया सहित अन्य उपस्थित थे।

पिठोरिया में बनेगा 500 एमटी क्षमता का गोदाम, विधायक ने किया शिलान्यास

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पिठोरिया (रांची)। कांके प्रखंड के पिठोरिया में 500 मीट्रिक टन क्षमता का गोदाम बनेगा। इसका निर्माण कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग समेकित विकास परियोजना के तहत पिठोरिया लैंप्स लिमिटेड में होगा। इसपर 72 लाख रुपए की लागत आएगा। गोदाम निर्माण का शिलान्यास कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा ने 2 मार्च, 2025 को किया।

विधायक सुरेश बैठा ने बताया गया कि गोादाम का निर्माण कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग समेकित सहकारिता परियोजना के द्वारा किया जा रहा है। इस गोदाम का उपयोग पूर्ण रूप से लैम्पस के नियंत्रण में होगा। इजिसमें किसानों के लिए प्रत्येक मौसम में वितरित किया जानेवाला बीज और खाद का भंडारण किया जा सकेगा।

विधायक ने कहा कि किसानों से धान की खरीद होने के बाद गोदाम के अभाव में जैसे-तैसे धान को रख दिया जाता था। इससे धान के सड़ने की शिकायतें आती थी। चावल मिल ऐसे धान का उठाव करने से परहेज करते थे। सरकार और विभाग ने इन परेशानियों को दूर करने के लिए अब बड़े गोदाम में धान रखने का निर्णय लिया है।

विधायक ने कहा कि लैंपस गोदाम बन जाने से क्षेत्र के किसानों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्हें धान बेचने के लिए अन्य पंचायत के लैम्पस भवन में जाने की जरूरत नहीं है। अबुआ सरकार किसानों के हित के लिए लगातार कार्य कर रही। मौके पर अशोक रजक, अशोक महतो, विनोद साहू, शिव टहल नायक एवं अन्य गणमान्य ग्रामीण उपस्थित थे।

बीआईटी मेसरा का वार्षिक सामाजिक सांस्कृतिक उत्सव बिटोत्सव 20 से

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। बीआईटी मेसरा द्वारा आयोजित बिटोत्सव '25 पूर्वी भारत का सबसे बड़ा वार्षिक सामाजिक सांस्कृतिक उत्सव है। यह इस वर्ष 20 मार्च से 23 मार्च, 2025 तक आयोजित किया जा रहा है।

इस सांस्कृतिक उत्सव में हर साल देश भर के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों से 15000 से अधिक छात्र भाग लेते हैं। इस आयोजन में कई सांस्कृतिक और तकनीकी कार्यक्रम होते है शाम को शानदार प्रोनाइट का आयोजन होता है जिसमें प्रतिष्ठित कलाकार प्रस्तुति देते हैं।

इस वर्ष का थीम 7 मार्च, 2025 को जारी किया जाएगा। पिछले वर्ष का थीम 'माटीः एसेंस ऑफ सॉयल' था। इससे पहले बीटोत्सव के पिछले संस्करणों में मोहित

चौहान, सुनिधि चौहान, पापोन, मोनाली ठाकुर जैसे प्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से इसकी शोभा बढ़ाई है।

सीसीएल की आम्रपाली ओपन कास्ट सहित कई खदानें पुरस्कृत

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। खान सुरक्षा महानिदेशालय, रांची, कोडरमा और चाईबासा क्षेत्र के तत्वावधान में सीसीएल, एनटीपीसी, टाटा स्टील एवं डीवीसी की कोयला खदानों में 67वां वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह-2024 का आयोजन 4 से 13 दिसंबर, 2024 तक किया गया। इस कार्यक्रम का समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह 1 मार्च, 2025 को सीसीएल के मगध-संघमित्रा क्षेत्र की मेजबानी में बचरा में हुआ।

ये थे मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि

समारोह के मुख्य अतिथि खान सुरक्षा महानिदेशक उज्ज्वल ताह थे। समारोह की अध्यक्षता सीसीएल के सीएमडी नीलेन्दु कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि उप खान सुरक्षा महानिदेशक डॉ. एस.एस. प्रसाद थे। कार्यक्रम मंख प्रथम महिला (खान सुरक्षा महानिदेशालय) श्रीमती वृति ताह, अध्यक्षा (अर्पिता महिला मंडल, सीसीएल) श्रीमती प्रीति सिंह, श्रीमती आरती प्रसाद भी मौजूद थीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक (खान सुरक्षा, रांची क्षेत्र) आफताब अहमद, निदेशक (खान सुरक्षा, कोडरमा क्षेत्र) एन.पी. देवरी, निदेशक (खान सुरक्षा, चाईबासा क्षेत्र) आर.आर. मिश्रा, सीसीएल के निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) हरीश दुहन, निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) चंद्रशेखर तिवारी, श्रमिक नेता रमेंद्र कुमार भी मौजूद थे।

प्रयास आंकड़ों से अधिक महत्वपूर्ण

इस अवसर पर सीसीएल के सीएमडी ने कहा कि प्रयास आंकड़ों से अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। हमें सुरक्षा के क्षेत्र में अपने प्रयासों को और अधिक सशक्त करने की जरूरत है। डीजीएमएस से हमें निरंतर सुरक्षा संबंधी मार्गदर्शन प्राप्त होता रहता है, जिससे हम अपनी सुरक्षा रणनीतियों को और प्रभावी बना सकते हैं। सीसीएल सुरक्षा के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। हम

'सुरक्षा प्रथम' के सिद्धांत के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार स्तंभ

मुख्य अतिथि उज्ज्वल ताह ने कहा कि विकसित भारत के लिए खनन क्षेत्र का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार स्तंभ है। सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कल्याण डीजीएमएस की सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं। उन्होंने इस उत्कृष्ट आयोजन के लिए सीसीएल को बधाई दी। खनन क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भूमिका प्रशंसा की

नुक्कड़ नाटक एवं लेजर शो

सुरक्षा जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से खान सुरक्षा पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। इसमें कर्मचारियों को सुरक्षा के महत्व से अवगत कराया गया। इस नाटक के माध्यम से खदानों में सुरक्षा नियमों के पालन एवं सतर्कता की आवश्यकता पर बल दिया गया। खान सुरक्षा विषय पर लेजर शो का आयोजन भी किया गया। शो ने सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं को रोचक तरीके से प्रस्तुत किया।

शून्य दुर्घटना मिशन पर विचार-विमर्श

अतिथियों एवं सुरक्षा बोर्ड के सदस्यों ने शून्य दुर्घटना मिशन एवं खदानों में सुरक्षा से संबंधित अपने विचार एवं दृष्टिकोण साझा किए। कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से सुरक्षा शपथ ली, जिसमें उन्होंने कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन करने एवं अपने सहकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।

सुरक्षा पुरस्कार वितरण

सुरक्षा मानकों के आधार पर खदानों के विभिन्न पहलुओं के आकलन के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली खदानों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

ओवरऑल पुरस्कार विजेता खदानें

ग्रुप ए (ओपन कास्ट खदानें)

प्रथम स्थान : एनटीपीसी की पकरी बरवाडीह ओपन कास्ट खदान

द्वितीय स्थान : सीसीएल की आम्रपाली ओपन कास्ट खदान

तृतीय स्थान : टाटा स्टील की टाटा एस.ई. ओपन कास्ट खदान

ग्रुप बी (ओपन कास्ट खदानें)

प्रथम स्थान : डीवीसी की तुबिद ओपन कास्ट खदान

द्वितीय स्थान : सीसीएल की गिद्दी-ए ओपन कास्ट खदान

तृतीय स्थान : सीसीएल की सायल-डी ओपन कास्ट खदान

भूमिगत खदानें

प्रथम स्थान : सीसीएल की ढोरी खास भूमिगत खदान

द्वितीय स्थान : सीसीएल की चूरी भूमिगत खदान

तृतीय स्थान : सीसीएल की गोविंदपुर भूमिगत खदान

सुरक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया

सीसीएल के महाप्रबंधक (मगध-संघमित्रा क्षेत्र) नृपेन्द नाथ ने स्वागत किया। महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं बचाव) बिनोद कुमार ने सुरक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सुरक्षा स्मारिका का विमोचन किया गया।

कार्यक्रम का इनकी मौजूदगी

इस कार्यक्रम में खान सुरक्षा महानिदेशालय, एनटीपीसी, टाटा स्टील, डीवीसी, सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रीय प्रतिनिधि एवं मुख्यालय के अधिकारी उपस्थित थे। सीसीएल सुरक्षा समिति, कल्याण समिति, जेसीएससी एवं कोल माइंस ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि भी इस आयोजन का हिस्सा बने।

संक्षिप्त

इस सप्ताह 'कॉफी विद एसडीएम' में दिव्यांगजन' होंगे मेहमान

गढ़वा। एसडीएम संजय कुमार ने अपने नियमित साप्ताहिक कार्यक्रम 'कॉफी विद एसडीएम' में इस सप्ताह दिव्यांगजनों को आमंत्रित किया है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम 5 मार्च को 11 से 12 के बीच होगा। क्षेत्र के दिव्यांग जनों के साथ उनके सहयोगी परिजन/अभिभावक भी कार्यक्रम में आ सकते हैं। कार्यक्रम में संबंधित पदाधिकारियों द्वारा दिव्यांगजनों के लिए केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चल रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया जाएगा। इस बात की जानकारी ली जाएगी कि उक्त कल्याणकारी योजनाओं का नियमानुसार लाभ/सहायता लेने से कोई पात्र दिव्यांग छूट तो नहीं रहे हैं। दिव्यांगजनों से सहज वातार्लाप कर यह जानने का प्रयास किया जाएगा कि उनकी कोई परेशानी या शिकायत तो नहीं है। उनकी परेशानी को हल करने की दिशा में उन्हें प्रशासन से क्या अपेक्षाएं हैं। एसडीओ ने बताया कि कार्यक्रम में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है, ताकि दिव्यांग कल्याण एवं उनसे जुड़े सेवाओं व योजनाओं के बारे में आमंत्रित समूह को विस्तार से बताया जा सके। लाभ दिलाया जा सके।

अवैध संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर छापेमारी

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय के निदेर्शानुसार अवैध रूप से संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर कड़ी कारवाई को लेकर आज चौपारण प्रखंड में अंचलाधिकारी संजय कुमार के नेतृत्व में सघन जांच अभियान चलाया गया। अंचल स्तर पर गठित टीम ने संयुक्त रूप से चौपारण के विभिन्न क्षेत्रों में जांच अभियान के दौरान दो अवैध रूप से चल रहे अल्ट्रासाउंड सेंटर मंगलम अल्ट्रासाउंड सेंटर और डॉ कश्यप क्लिनिक पर छापा मारा। गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने शनिवार को यह कार्रवाई की। अंचल अधिकारी ने बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर उन्होंने यह कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि सूचना मिली थी कि चौपारण में अवैध रूप से कुछ अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालित हों रहे है। यहां मिले उपकरणों तथा दोनों केंद्रों के संचालकों के मोबाइल पर हुए चैटिंग से यह अंदाजा लगाया कि यहां अवैध रूप से लिंग जांच की जा रही है। जांच दल ने मौके पर मशीन को सील कर आरोपित के खिलाफ पीसीपीएनडीटी एक्ट के मामला दर्ज कर लिया गया है। चौपारण प्रखण्ड अन्तर्गत संचालित अल्ट्रासाउण्ड केन्द्रों में अवैध तरीके से भ्रूण लिंग जांच किये जाने की सूचना के निमित जिला/प्रखण्ड स्तरीय निरीक्षण दल द्वारा अवैध/वैध रूप से संचालित एवं गैरपंजीकृत केंद्रों निरीक्षण किया गया। गठित टीम अंचलाधिकारी, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी, थाना प्रभारी मौजूद रहे एवं प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी के आवेदन पर प्राथमिक दर्ज की गई।

खाई में गिरने से युवक की मौत, जांच में जुटी पुलिस

लातेहार। जिले के छिपादोहर थाना क्षेत्र में एक युवक की गहरी खाई में गिर कर मौत हो गयी। मृतक की पहचान सैलरियाटांड़ निवासी अरविंद सिंह के रूप में हुई है। घटना के सम्बन्ध में बताया गया कि अरविंद अपने भाई राहुल सिंह के साथ मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। रास्ते में कोने गांव के पास उनकी मोटरसाइकिल एक लड़की से टकरा गयी, जिससे लड़की घायल हो गयी। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर इकट्ठा हो गई और दोनों भाइयों को पकड़ने की कोशिश करने लगी। डर के कारण अरविंद और राहुल वहां से भाग निकले और जंगल की ओर चले गए। अंधेरे के कारण अरविंद सिंह गहरी खाई में गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। राहुल वहां से भागकर अपनी जान बचाई और अगले दिन अपने घर पहुंचकर परिवार को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद अरविंद की तलाश शुरू हुई। रविवार को जब पुलिस और परिजन घटनास्थल पर पहुंचे, तो अरविंद का शव खाई में पड़ा मिला।

विधायक से मिलकर शिक्षकों ने एमएसीपी की लगाई गुहार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। हुसैनाबाद के अजाप्टियन शिक्षकों ने विधायक संजय कुमार सिंह यादव से पुरंदर बिगहा स्थित आवास पर 2 मार्च को मुलाकात की। शिक्षकों ने चल रहे बजट सत्र में वृत्ति उन्नयन 'एमएसीपी' के लिए पुनः गुहार लगाई। इस संबंध में 19 फरवरी को ज्ञापन सौंपा गया था।

प्रखंड अध्यक्ष जुबैर अंसारी व सचिव निर्मल कुमार ने कहा कि एकीकृत बिहार में 1994 में सभी नियुक्त हुए हैं। दीर्घसूत्रता विभागीय नियमों के आलोक ससमय प्रोन्नति नहीं मिल पा रही है। मिलती भी है तो मात्र दस प्रतिशत शिक्षक ही लाभान्वित होते हैं। अधिकांश शिक्षक वंचित रह जाते हैं। अभी तक बिहार की नियमावली ही झारखंड मे लागू है।

संघ के पदधारियों ने कहा कि लगभग दो तीन वर्षों पूर्व बिहार में सभी कोटि के शिक्षकों को एमएसीपी मिल गया है। झारखंड में भी सभी विभागों व कल्याण विभाग पोषित विद्यालयों में शिक्षकों को एमएसीपी मिल रहा है।

अजप्टा के प्रदेश इकाई के आवाह्न पर कई चरणों का आंदोलन भी किया गया है। अगस्त '24 में

आमरण अनशन तक किया गया था। इस प्रखंड के पांच शिक्षक राजभवन के समक्ष अनशन पर बैठे थे। आंदोलन के दरम्यान आपका भी सहयोग मिला है। एमएसीपी पर 16 अगस्त को अंतर्विभागीय बैठक भी हुई। बजट आकलन भी हो गया है, लेकिन मंत्रिमंडल में नहीं आ सका है।

शिक्षक नेताओं ने कहा कि इंडी गठबंधन के मजबूत फोल्डर 'राजद' है। आप प्रदेश अध्यक्ष भी है। अतः आपसे शिक्षकों की काफी उम्मीदें हैं। विधायक ने कहा कि बजट सत्र में प्रश्न रखा गया है। निरसा विधायक अरुप चटर्जी का भी सहयोग मिला है। अन्य विधायकों के सहयोग से ध्यानाकर्षण द्वारा अति महत्वपूर्ण प्रश्न को पूरजोर तरीके से उठायेंगे। मुलाकात करने वालो में प्रखंड अध्यक्ष जुबैर अंसारी, सचिव निर्मल कुमार, कोषाध्यक्ष जितेंद्र राम, हैदरनगर अध्यक्ष अरुण कुमार चौधरी, मुहम्मदगंज अध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार, रविंद्र कुमार चौधरी, प्रमोद पासवान, मनोज कुमार चौधरी, महेंद्र बैठा, अबू सलाम, इकबाल अहमद, कृष्ण कांत सिंह सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल में दीक्षांत समारोह का हुआ आयोजन

58 विद्यार्थियों को मिली डिग्री

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेस एंड होस्पिटल में दिन रविवार को दीक्षांत समारोह- 2025 कॉलेज परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, विशिष्ट अतिथि विनोबा भावे विश्वविद्यालय के परिक्षा नियंत्रक सुनील कुमार दुबे, डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास, परी फाउंडेशन के निदेशक रोली गुप्ता, डेंटल कॉलेज के प्राचार्य के श्रीकृष्ण एवं उप प्राचार्य डॉ अंकुर भार्गव सहित कई गणमान्य लोग हुए।

- मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल एवं विशिष्ट अतिथि विभावि परीक्षा नियंत्रक सुनील कुमार दुबे ने शामिल होकर किया संबोधन
- सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने सभी स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्रों को दी बधाई एवं उनके जीवन में सफलता की कामना की

अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर दीक्षांत समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिसमें बीडीएस में ग्रेजुएट 49 विद्यार्थियों एवं एमडीएस में पोस्ट ग्रेजुएट 09 विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट वितरण किया गया। कुल 58 विद्यार्थियों को डिग्री को मिली। स्टोपी फेंकनेस्र एवं सामुहिक फोटो सेशन सहित पारंपरिक समारोहों में भी भाग लिया। अतिथियों ने डिग्री प्राप्त स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को हौसला बढाया एवं उनकी उज्जवल भविष्य की कामना की। इस दौरान संस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मन मोहक संस्कृतिक कार्यक्रम से दर्शकों का मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर की शोभा बढ़ाते हुए मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल ने भीड़ को संबोधित किया। अपने भाषण में उन्होंने करियर निर्माण में तीन करुणा, चरित्र और योग्यता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अपना उदाहरण दिया जिसने दर्शकों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की परिस्थिति का सामना करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए और जिंदगी कभी भी हमारी परीक्षा ले सकती है।

विशिष्ट अतिथि विभावि के परीक्षा नियंत्रक सुनील कुमार दुबे ने छात्रों से नैतिक बने रहने और अपने काम के प्रति प्रतिबद्ध रहने और समाज की सेवा करने के लिए कहा। उन्होंने प्रत्येक छात्र को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दी। डेंटल कॉलेज के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने सभी स्नातकों और स्नातकोत्तरों को बधाई दी और उनके जीवन में सफलता की कामना की। उन्होंने चिकित्सा को एक महान पेशे के रूप में बताया और उनसे चिकित्सा बैज की मांगों और सम्मान पर खरा उतरने को कहा। प्राचार्य डॉ के श्रीकृष्ण ने पढ़ने के महत्व पर बात की और इसे जीवन भर एक छात्र के रूप में पढ़ाना चाहिए ताकि कोई भी उत्कृष्टता हासिल कर सके। उप प्राचार्य डॉ अंकुर भार्गव ने छात्रों से समाज में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया। सभी स्नातकों, उनके माता-पिता और परिवारों, एचसीडीएसएच के संकाय और कर्मचारियों सहित कई लोग उपस्थित रहे।

बेटा को नहर में बचाने कूदी मां, हुई मौत, बाल बाल बचा 4 वर्षीय बेटा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चांडिल। थाना क्षेत्र के दालग्राम के नहर में डूबने से एक महिला की मौत हो गई। जबकि उसका चार वर्षीय बेटा बाल बाल बच गया। जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह साढ़े 9 बजे कदमडीह निवासी 24 वर्षीय सची प्रमाणिक अपने 4 वर्षीय पुत्र मितांश प्रमाणिक के साथ नहर में नहा रही थी। नहर में नहाने के दौरान उसका चार वर्षीय बेटा बहने लगा।

जिसे बचाने के लिए उसका मां नहर में कूद गई। उसी दौरान पानी की तेज बहाव में बहते हुए नहर पर बने सुरंग में जा घुसी। लेकिन पानी का बहाव काफी तेज होने के कारण थोड़ी देर बाद सुरंग से निकल गई। तब तक वह अचेत हो गई थी, वहीं उसके बेटा को नहर में नहा रहे अन्य लोगो ने बचा लिया। थोड़ी देर बाद वहीं सुरंग के अगले छोर पर महिला को बचाने के लिए काफी लोग एकत्रित हो गए, स्थानीय लोगों ने उसे पानी से उठाकर आनन-फानन में चांडिल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भेजवाया और परिजनों को खबर कर दिया। खबर पाकर परिजन चांडिल अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने जांच उपरांत सची प्रमाणिक को मृत घोषित कर दिया। बता दें कि मृतक के परिजनों द्वारा शव का देर शाम बामनी नदी के किनारे मोक्ष धाम पर दाह संस्कार किया गया।

जानकारी के अनुसार मृतक के पति मेघनाथ प्रमाणिक ओ.एम.पी.एस चांडिल में शिक्षक के रूप में कार्यरत है। वहीं मृतक का 10 महीने का एक और पुत्र भी है।

टोटेमिक किड़मि समाज के रक्तदान शिविर में 69 यूनिट रक्त संग्रहित

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

चक्रधरपुर। टोटेमिक किड़मि समाज ने चंद्री पंचायत के बोड़दा गांव स्थित संस्कार भवन में 15वें रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन रविवार को किया। ग्रामीण मुंडा बसंत महतो ने दीप प्रज्वलित कर और शहीद निर्मल महतो व सुनील महतो की तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित कर शिविर का उद्घाटन किया।

शिविर में युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया, जिससे कुल 69 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ। अतिथियों ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

टोटेमिक किड़मि समाज के कारण महतो ने बताया कि उनका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि समाज ने ओटार, मनोहरपुर, बड़ाबंबू सहित कई गांवों में रक्तदान शिविर आयोजित किए हैं। उन्होंने रक्तदान को 'महादान' और 'जीवनदान' बताते हुए कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है और रक्त संग्रह केंद्र में कोई आरक्षण नहीं होता।

शिविर में राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक षाड़ंगी, बलराज हिन्दुवार, गौरी शंकर महतो, भाजपा जिला महामंत्री प्रताप कटिहार महतो, खिरोद महतो, बनिया महतो, कोकिल महतो, बकलेश महतो, धर्म सिंह महतो, संजीव महतो, अनवर हुसैन, सतेन महतो, नकुल महतो, रमित सिंह, धीरज महतो, यथार्थ महतो, अजय महतो, रवि महतो, गणेश महतो, सूरज महतो, दिनेश महतो, राजेंद्र महतो, गोविंद महतो, दीपक महतो, मुकुंद महतो, पिंटू महतो सहित कई लोग उपस्थित थे।

उपकरण के लिए दिव्यांगों का हुआ पंजीकरण

हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के प्रयास से भारत सरकार की एपिड योजना के तहत एलिम्को द्वारा रविवार को हजारीबाग नगर प्रेक्षागृह सभागार में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क सहायक यंत्र/उपकरण उपलब्ध कराने हेतु पंजीकरण सह परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें हजारीबाग जिले के विभिन्न क्षेत्रों से कुल 588 दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों का अनुभवी और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने दिव्यांगता का परीक्षण किया और सभी का पंजीकरण कर आवश्यक सहायक यंत्र/ उपकरण के लिए सूची तैयार की गई तथा उनसे जरूरत के दस्तावेज यथा आधार कार्ड, दिव्यांग प्रमाण पत्र, यूडीआईडी कार्ड/ऑनलाइन कार्ड, राशन कार्ड/ आय प्रमाण पत्र की छायाप्रति और एक फोटो जमा कराया गया।

शैक्षणिक भ्रमण कर लौटे छात्र - छात्राएं, बोटिंग का लिया आनंद

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

देवघर। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान एवं नवाचार अभियान के तहत प्रारंभिक कक्षाओं के बच्चों का अंतरप्रमंडलीय कार्यक्रम के तहत सारठ प्रखंड के छात्र वापस लौट आए हैं। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् के तत्वावधान में दो दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम में देवघर जिले के सभी दस प्रखंडों से लगभग 200 छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के लिए गिरिडीह जिले के खंडोली डैम, पारसनाथ, मधुवन एवं धनबाद जिले के मैथन डैम समेत अन्य स्थानों पर भेजा गया था।

जिला शिक्षा पदाधिकारी विनोद कुमार एवं जिला शिक्षा अधीक्षक मधुकर कुमार द्वारा हरी झंडी दिखाकर सभी बच्चों को रवाना किया गया था। इस दल में जिला स्तरीय पर्यवेक्षक आभा मंडल, बीपीओ मनोज कुमार मंडल समेत गाईड शिक्षकों को भेजा गया था।

सारठ प्रखंड के गाईड शिक्षक दिलीप कुमार राय ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों को बहुत लाभ होता है। नई जगह पर भ्रमण कर नई-नई चीजें देखने का मौका मिलता है जिससे बच्चों में नई सोच का विकास होता है। शैक्षणिक भ्रमण कर लौटने के बाद सभी बच्चों को सुरक्षित उनके घर एवं विद्यालयों तक पहुंचाया गया।

दिलीप कुमार राय के अलावा शिक्षक संतोष कुमार झा, राजेश रंजन, संजय कुमार, विष्णु यादव, ओमप्रकाश सिंह, मुकेश मिश्रा, किशोर कुमार समेत अन्य शिक्षक शामिल थे।

वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन ने लगाया थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर

हजारीबाग। रविवार को थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों एवं रक्त की कमी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन द्वारा शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन ने किया।

शिविर का शुभारंभ रुपेश बिहारी लाल ने 32वीं बार रक्तदान करके किया तत्पश्चात अंकुर कुमार राय (सुधा सिविल सर्विस), सूरज कुमार वर्मा (सुधा सिविल सर्विस) एवं आशीष कुमार हजारी (पूनम जांच घर), आदित्य कुमार, शुभम जैन, एम आलम, विक्की चौहान, आर गुप्ता, टिंकू कुमार, संदीप सोनी, विपिन बिहारी और राजेंद्र कुमार आदि रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया रक्तदान के पश्चात वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन ने समस्त रक्त दाताओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनके इस नेक कार्य के लिए बहुत-बहुत साधुवाद किया साथ ही रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

एनटीपीसी केरेडारी ने वार्षिक खदान सुरक्षा सप्ताह में जीता प्रथम पुरस्कार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। एनटीपीसी केरेडारी कोयला खनन परियोजना (केडीसीएमपी) ने 67वें वार्षिक खदान सुरक्षा सप्ताह 2024 के तहत डम्पर/टिपर श्रेणी में प्रथम पुरस्कार जीता। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की घोषणा कार्यक्रम के भव्य समापन समारोह में की गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुख्य खान निरीक्षक (सीआईएम) एवं डीजीएमएस के महानिदेशक उज्ज्वल ताह उपस्थित थे। उनके साथ खनन सुरक्षा निदेशालय (डीएमएस) के विशिष्ट अधिकारी और खनन, यांत्रिक एवं विद्युत विभाग के डीएमएस भी मौजूद रहे। समारोह में सीसीएल के सीएमडी और निदेशक, एनटीपीसी के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (कोयला खनन), डीवीसी के कार्यकारी निदेशक (कोयला खनन) सहित हिंदाल्को और टाटा स्टील माइंस के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इसे और गरिमा प्रदान की।

एनटीपीसी केरेडारी के कर्मचारियों को एक विशेष संदेश में परियोजना प्रमुख शिव प्रसाद ने कहा कि यह उपलब्धि परियोजना की सुरक्षा, उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ती है। यह पुरस्कार खदान संचालन में सर्वोच्च सुरक्षा मानकों को बनाए रखने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों का प्रमाण है, जिससे केरेडारी में सभी कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित और उत्पादक कार्य वातावरण सुनिश्चित हो सके।

संगठनात्मक चुनाव को लेकर बीजेपी हुई रेस, हजारीबाग जिले में हुई महत्वपूर्ण बैठक

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

हजारीबाग। संघटनात्मक चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी, झारखंड प्रदेश रस होता है। मंडल स्तर के चुनाव को लेकर सभी मंडलों के कार्यकताओं को टास्क दिया जा रहा है। इसी निमित्त रविवार को हजारीबाग जिला भाजपा कमिटी का एक महत्वपूर्ण बैठक सांसद मनीष जायसवाल के सेवा कार्यालय सभागार में आयोजित हुई।

जिसमें विशेषरूप से पूर्व राज्यसभा सांसद सह जिला पर्यवेक्षक समीर उरांव, जिला प्रभारी विनोद सिंह, जिला सह प्रभारी टुन्नु गोप सहित अन्य कई गणमान्य लोग शामिल हुए और जिले के उपस्थित बीजेपी के प्रमुख मंडल कार्यकताओं को संबोधित कर कई टास्क दिया। मौके पर संगठन चुनाव के जिला पर्यवेक्षक सह पूर्व

राज्यसभा सांसद समीर उरांव ने कहा कि आगामी 17 मार्च से 19 मार्च तक बीजेपी मंडल अध्यक्षों का चुनाव किया जाना है तत्पश्चात 19- 25 मार्च तक जिला अध्यक्षों का चुनाव किया जाना है। जिसे लेकर आप सभी कार्यकर्ता बूथ कमिटी का गठन कर लें अगर 12 नहीं होता है तो कम से कम पांच सदस्यीय कमिटी का गठन कर लें और बाद में बूथ कमिटी का विस्तार करें। हजारीबाग जिला जनसंघ काल से संगठन के मामले में अग्रणी भूमिका में रहा है और मुझे विश्वास है कि आप अपने प्रदर्शन को अव्वल बनाए रखेंगे।

जिला प्रभारी विनोद सिंह ने कहा कि जिला में सभी बूथों का गठन कर ले ताकि जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव संपन्न हो सके। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि समयसीमा के अनुरूप हजारीबाग जिले में संगठन का चुनाव संपन्न कर लिया जाएगा। मंडल अध्यक्षों के रिपोर्ट के आधार पर लगभग सभी बूथों पर बूथ कमिटी का गठन हो गया है।निर्धारित समय पर हजारीबाग जिले में चुनाव संपन्न हो जाने से राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में हजारीबाग का सहभागिता सुनिश्चित हो सकेगा। कार्यकताओं को विशेषरूप से के. पी ओझा और भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने भी संबोधित किया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने और धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री सुनील मेहता द्वारा की गई। मौके पर विशेषरूप से जिला सह प्रभारी टुन्नू गोप, के.पी.ओझा, दामोदर सिंह, रेणुका साहू , सुनील मेहता, सुमन कुमार, जय नारायण प्रसाद, नंदकुमार नंदू, कुंवर मनोज सिंह, खोखा सिंह ,अंबिका सिंह, गणेश यादव, सरवेश सिंह, रमेश ठाकुर , शेफाली गुप्ता, अशोक यादव, विवेक बैरियर, रणधीर पांडे, प्रकाश कुशवाहा, अशोक कुशवाहा, अरुण राना, कृष्णा मेहता, कैलाश यादव, विजय गिरी, टुकेश्वर महतो, श्वेता राणा, विजय वर्मा उपस्थित थे।

संक्षिप्त

अधेड़ का पेड़ से लटकता शव बरामद

बोकारो। जिले की पिंड्राजोरा पुलिस ने रविवार सुबह बरटांड़ में पेड़ के डाल से रस्सी के सहारे लटकते एक वृद्ध का शव बरामद किया। शव की पहचान उसी गांव के रहनेवाले 65 वर्षीय किशुन बाउरी के रूप में की गई। थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर अभिषेक कुमार ने कहा कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक ने दो शादी कर रखी थी, जिनसे बाल बच्चे है। परिजनों के अनुसार मृतक की दिमागी हालत ठीक नहीं थी। संभवतः इसी अवसाद में उन्होंने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस जांच में जुट गई है।

डालसा अधिकारी से कार्रवाई की मांग

चंद्रपुरा (बोकारो)। चंद्रपुरा प्रखंड अंतर्गत घटियारी पंचायत के भुरसाबाद गांव निवासी रैयत लालचंद मांझी ने बोकारो जिला विधिक सेवा प्राधिकार को एक पत्र लिखकर जमीन पर अवैध कब्जे के मामले में कार्रवाई की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि डीवीसी द्वारा वर्ष 1958-59 में उनकी करीब साढे आठ एकड़ रैयती खतियानी जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया। उसके एवज में पांच एकड़ 85 डिसमिल भूमि का मुआवजा-भुगतान किया गया। शेष दो एकड़ 62 डिसमिल पर डीवीसी ने वर्षों से जबरन कब्जा कर रखा है। रैयत लालचंद मांझी ने बताया कि भूमि अधिग्रहण के बाद विस्थापन नीति के तहत न तो उसे नियोजन मिला और न कोई मूलभूत सुविधा। खतियानी रैयती भूमि का लगान संबंधित विभाग में वह अब तक जमा कर रहे हैं। रैयत ने डालसा अधिकारी से इस मामले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है।

बाबा बुड्ढा जी निवास का उद्घाटन

जमशेदपुर। गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी, साकची ने एक बड़ी धार्मिक और सेवा की पहल करते हुए गुरु ग्रंथ साहिब की अमर बाणी लख खुशियाँ पातसाहियां, जे सतगुर नदर करे.. के अनुसार, बाबा बुड्ढा जी निवास का उद्घाटन किया। यह रिहायश विशेष रूप से ग्रंथी सिंहों और रागियों के लिए बनाई गई है। रविवार को साकची गुरुद्वारा के दरबार हॉल में संगत की बड़ी संख्या में मौजूदगी के बीच यह ऐतिहासिक कार्य संपन्न हुआ। उद्घाटन के बाद, मुख्य ग्रंथी अमृतपाल सिंह मन्नन, ग्रंथी सिंह जरनैल सिंह और रागी संदीप सिंह जवद्दी को बाबा बुड्ढा जी निवास की तीनों रिहायशों की चाबी सौंपी गई। इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी, साकची के प्रधान निशान सिंह ने संगत का धन्यवाद करते हुए कहा कि कमिटी न केवल धार्मिक समागमों का आयोजन करती है, बल्कि सेवादारों की सुविधाओं को भी सर्वोपरि मानती है। गुरुद्वारा साहिब के महामंत्री परमजीत सिंह काले ने इस रिहायश को कमिटी की एक बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि संगत के सहयोग से यह कार्य संभव हो पाया। उन्होंने बताया कि कमिटी ने हमेशा से अपने वादों को पूरा किया है और आज बाबा बुड्ढा जी निवास के रूप में एक नई पहल की शुरूआत हुई है।

जेएन टाटा ने दी भारत के औद्योगिक और सामाजिक परिदृश्य को नई दिशा

> परंपरागत सीमाओं को तोड़ते हुए भारत के सबसे प्रभावशाली समूहों में से एक की रखी नींव

प्रातःनागपुरी संवाददाता

जमशेदपुर। हर साल 3 मार्च को टाटा समूह उस दूरदर्शी व्यक्तित्व की विरासत का सम्मान करता है, जिसने भारत के औद्योगिक और सामाजिक परिदृश्य को नई दिशा दी। गुजरात के नवसारी में 1839 में जन्मे जमशेतजी नसरवानजी टाटा ने परंपरागत सीमाओं को तोड़ते हुए भारत के सबसे प्रभावशाली समूहों में से एक की नींव रखी।

उनकी प्रगतिशील सोच उनके पूरे जीवन में झलकती रही। भारत के स्वतंत्र होने और एक राष्ट्र के रूप में स्थापित होने से बहुत पहले, उन्होंने आधुनिक उद्योग और बुनियादी अवसंरचना की कल्पना की, जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सके। टाटा की गहरी व्यावसायिक समझ केवल लाभ तक सीमित नहीं थी, बल्कि उसमें समाज की प्रगति और समृद्धि की मजबूत प्रतिबद्धता भी शामिल थी। उनके लिए लाभ केवल व्यापार का उद्देश्य नहीं था, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक साधन था। टाटा की दूरदर्शी सोच ने उद्योग, सामाजिक कल्याण और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को एक साथ जोड़ा, जिससे उनका हर प्रयास सिर्फ आर्थिक विकास तक सीमित न रहकर देश और समाज की समग्र प्रगति में योगदान देने वाला बना। उनकी विरासत का सबसे प्रभावशाली प्रतीक 1907 में टाटा आयरन एंड स्टील कंपनी (टिस्को) की स्थापना है, जो आज टाटा स्टील के नाम से जानी जाती है। यह उनकी दूरदृष्टि का प्रमाण है, जो उनके निधन के सिर्फ तीन साल बाद साकार हुआ। एक छोटा सा गांव साकची विकसित होकर जमशेदपुर बना, जहां आज भी हर सड़क, हरियाली, मनोरंजन सुविधाएं और शहर का हर कोना उनकी सोच और सपनों की गवाही देता है। आज टाटा स्टील दुनिया की सबसे बड़ी और भूगोलिक रूप से विविधीकृत एकीकृत इस्पात कंपनियों में से एक है, जिसकी उपस्थिति एशिया, यूरोप और उत्तर अमेरिका तक फैली हुई है। टाटा स्टील न केवल भारत की आर्थिक प्रगति में योगदान देने पर गर्व करती है, बल्कि समाज के हर वर्ग के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने के अपने दायित्व को भी निभाती है। भारत में अपनी इस्पात उत्पादन क्षमता का विस्तार करते हुए और यूरोप में कम उत्सर्जन वाली इस्पात निर्माण तकनीक अपनाते हुए, टाटा स्टील संस्थापक की दूरदृष्टि से प्रेरित रहती है और समाज को अपने हर प्रयास के केंद्र में रखती है। आज सोशल मीडिया पर कर्मचारी कल्याण और वर्क-लाइफ बैलेंस जैसे शब्दों की गूंज सुनाई देती है, लेकिन यह जानकर आश्चर्य होता है कि जमशेदजी टाटा इन मूल्यों को एक सभ्य जीवन के लिए अनिवार्य मानते थे। 1860 के दशक में, जब उन्होंने नागपुर में सेंट्रल इंडिया स्पिनिंग, वीविंग एंड मैन्युफैक्चरिंग कंपनी की स्थापना की, तब उन्होंने केवल एक उद्योग स्थापित नहीं किया, बल्कि एक समावेशी कार्यसंस्कृति की नींव रखी। जमशेतजी ने न केवल उचित कार्य समय निर्धारित किया, बल्कि भविष्य निधि योजना शुरू की, चिकित्सा बीमा की सुविधा दी और डिस्पेंसरी की स्थापना की–ताकि कर्मचारी न केवल कार्यस्थल पर स्वस्थ और सुरक्षित रहें, बल्कि सेवानिवृत्ति के बाद भी एक सम्मानजनक जीवन जी सकें। टाटा की विरासत का सबसे प्रेरणादायक पहलू उनकी परोपकारी सोच है, जो उदारता और व्यापकता में अद्वितीय है। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को केंद्र में रखते हुए, उन्होंने लगभग 102 अरब डॉलर का दान दिया, जिससे उन्हें सदी के सबसे महान दानवीरों में स्थान मिला। समाज के उत्थान के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता आज भी टाटा ट्रस्ट्स के प्रभावशाली कार्यों के रूप में जीवंत है, जो न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में लाखों जीवन को संवार रहा है। जमशेतजी टाटा की दूरदृष्टि और अमर विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रही है। उनका जीवन इस बात की मिसाल है कि सच्ची सफलता केवल संपत्ति और उपलब्धियों से नहीं, बल्कि समाज में लाए गए सकारात्मक बदलाव से परिभाषित होती है। टाटा समूह लाभ से परे एक व्यापक उद्देश्य का प्रतीक है–सतत प्रगति और सामाजिक समरसता का संकल्प, जो अनगिनत समुदायों के लिए एक उज्ज्वल और समान भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

स्वदेशी जागरण मंच की दिवंगत महिला प्रमुख को दी गई श्रद्धांजलि

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। स्वदेशी स्वदेशी जागरण मंच बोकारो की ओर से सेक्टर तीन स्थित पूज्य तपस्वी जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इसमें मंच के राष्ट्रीय मेल प्रमुख सचिन्द्र कुमार बरियार की धर्मपत्नी स्व. मंजू सिन्हा जी के चित्र पर सभी ने बहुत ही नम आंखों से पुष्पांजलि अर्पित की।

राष्ट्रीय संगठक, स्वदेशी जागरण मंच सतीश कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे। सचिन्द्र बरियार ने भी अपने धर्मपत्नी की चित्र पर पुष्प अर्पित किए और श्रद्धांजलि में अपने संस्मरणों को याद करते हुए कहा कि संगठन को विस्तार देने में स्वर्गीय मंजू सिन्हा को नारी सशक्तिकरण की मिसाल बताया। मौके पर क्षेत्र संयोजक अमरेन्द्र सिंह, अजय उपाध्याय, पूर्व विधायक बिरंची नारायण, अजय कुमार चौधरी, जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा, सुजीत कुमार, डॉ. अनिन्दो मंडल, जयशंकर, नवीन सिन्हा, अजय कुमार सिंह, अमरजी सिन्हा, कुमार संजय प्रेम प्रकाश, विकास वर्मा, अशोक रंजन, अवधेश कुमार, ददन प्रसाद भारतीय मजदूर संघ के विनोद कुमार, प्रशांत कुमार, सुशील कुमार, कौशल किशोर, पूनम सिन्हा, रीता श्रीवास्तव, अनुजा सिंह, आशा सिंह, राधा सिंह, मनोरमा चौधरी, सिद्धेश नारायण दास आदि मौजूद रहे।

विधायक की मौजूदगी में मुआवजे पर बनी सहमति

24 घंटे बाद हटा मृत श्रमिक का शव

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल के नूरीनगर स्थित डीवीसी के ऐश पौंड में छाई उठानेवाली कंपनी लार्डस के अंतर्गत चलनेवाले हाइवा नंबर-जेएच05डीयू- 9986 के मृत चालक का शव 24 घंटे बाद बेरमो विधायक कुमार जयमंगल एवं बेरमो सीओ संजीत कुमार की मौजूदगी में सकारात्मक वार्ता के बाद रविवार की शाम को पांच बजे उठाया गया।

इसके पूर्व भी कुरपनिया निवासी मृतक चालक 40 वर्षीय मनोज नायक का शव नूरी नगर स्थित डीवीसी के ऐश पौंड में रखकर आंदोलनकारियों के द्वारा मुआवजा की मांग छाई का उठाव करनेवाली कंपनी लॉर्ड्स से किया जाता रहा। शाम को बेरमो विधायक कुमार जयमंगल एवं बेरमो सीओ संजीत कुमार मामले की गंभीरता को देखते हुए डीवीसी के ऐश पौंड पहुंचे। बेरमो विधायक के साथ मुखिया विकास सिंह, चंद्रदेव घांसी, महबूब आलम, कुरपनिया के मुखिया प्रतिनिधि आनंद सिंह, पम्मी सिंह, मंजूर आलम आदि भी थे। सूचना पाकर छाई का उठाव करनेवाली कंपनी के सुपरवाइजर मो. हसमुद्दीन भी पहुंचे। वार्ता में बेरमो विधायक ने मृत चालक के आश्रित को कंपनी द्वारा मुआवजा एवं प्रत्येक माह वेतन का भुगतान करने की बात रखी गई और कहा कि मांग कहीं से नाजायज नहीं है। बाद में सहमति बनी कि मृतक के आश्रित को पांच लाख रुपया बतौर मुआवजा, जब तक कंपनी का कार्य चलेगा तब तक प्रत्येक माह भरण पोषण के लिए 15 हजार रुपये का भुगतान कंपनी के द्वारा किया जाएगा। साथ ही दुर्घटना बीमा का लाभ भी दिया जाएगा। बेरमो विधायक ने मृतक के अंतिम संस्कार के लिए अपने पास से 50 हजार रुपया का भुगतान किया।

वार्ता के बाद विधायक के निर्देश पर मृतक चालक के आश्रितों द्वारा शव ऐश पौंड से अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया। पौंड से शव का उठाव के 24 घंटे बाद डीवीसी के ऐश पौंड से छाई का उठाव शुरू कर दिया गया।

विदित हो कि हाइवा चालक मनोज नायक की मौत हाईवा एवं टेलर के बीच टक्कर में जैनामोड़ के कोचागोड़ा के समीप शुक्रवार की शाम को हो गई थी। घटना के बाद शनिवार को अपराहन चार बजे कांग्रेस नेत्री पम्मी सिंह, गोविंदपुर सी पंचायत के मुखिया विकास सिंह के नेतृत्व में कुरपनिया के लोगों एवं अन्य हाईवा चालकों ने मृत चालक का शव डीवीसी के ऐश पौंड में लाकर रख दिया और 50 लाख रुपया मुआवजा, मृतक के आश्रित को नौकरी तथा बच्चों की पढ़ाई का खर्च की मांग करने लगे। सभी आंदोलनकारियों ने ऐश पौंड को बंद करवा दिया जिससे पौंड से छाई ट्रांसपोर्टिंग का कार्य भी बंद हो गया था।

गोनियाटो की टीम ने जीती स्व. शिवनारायण कुमार महतो मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो थर्मल। नावाडीह प्रखंड अंतर्गत ऊपरघाट के गोनियाटो स्थित ग्रामीण स्टेडियम में युवा विकास क्लब एवं ग्राम विकास समिति गोनियाटो के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 16वां स्व शिवनारायण कुमार महतो मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मैच रविवार को मां मनसा क्लब पोखरिया एवं युवा विकास क्लब गोनियाटो के बीच खेला गया।

इसके पूर्व फाइनल मैच का उद्घाटन युवा आजसू के राज्य संयोजक टिकैत कुमार महतो, पूर्व विधायक प्रतिनिधि टेकलाल चैधरी, मुखिया प्रतिनिधि रामकुमार मरांडी, झामुमो नेता गंगाराम महतो, समाजसेवी सीताराम सोरेन ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। फाइनल मैच में पहले टॉस जीतकर गोनियाटो की टीम ने फील्डिंग का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करते हुए पोखरिया की टीम ने 8 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 64 रन बनाए। जवाबी पारी खेलते हुए गोनियाटो की टीम ने 6 विकेट खोकर 58 रन बनाकर मैच हार गई। मैच में विजेता का खिताब पोखरिया एवं उपविजेता का खिताब गोनियाटो की टीम रही। मौके पर आयोजन समिति के काजल उर्फ तुलसी कुमार महतो, शैलेश कुमार, बिरेंद्र कुमार महतो, अशोक तुरी, होरिल महतो, टिंकू कुमार, अजय नायक, दिनेश कुमार महतो, दिलीप मरांडी, संजीत कुमार, विजय कुमार दास, कृष्णा कुमार, गणपत महतो, जितेंद्र मुर्मू, दशरथ मुर्मू, मिथुन कुमार, महेंद्र महतो, कपिल तुरी, जितेंद्र महतो, राजाबाबू आदि लोग उपस्थित थे।

विज्ञान दिवस पर बीएड छात्रों का अटल टिंकरिंग लैब दौरा

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

जमशेदपुर। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर डीबीएमएस कॉलेज ऑफ एजुकेशन की प्रबंधन समिति ने बी.एड. के छात्रों के लिए एक विशेष शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया। इस अवसर पर तीन शिक्षकों कंचन तिवारी, अर्चना कुमारी और गायत्री कुमारी के नेतृत्व में बी.एड. छात्र-छात्राओं ने डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल और डीबीएमएस कदमा स्कूल में स्थित अटल टिंकरिंग लैब का दौरा किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नवीनतम नवाचारों से अवगत कराना था। इस शैक्षिक दौरे के दौरान छात्रों ने विभिन्न वैज्ञानिक मॉडल देखे और रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक), तथा 3ऊप्रिंटिंग जैसी तकनीकों से संबंधित व्यावहारिक सत्रों में भाग लिया। अटल नवाचार मिशन के तहत भारत सरकार द्वारा स्थापित यह लैब विद्यार्थियों में तार्किक और रचनात्मक सोच को बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करती है। दौरे के दौरान, डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल के शिक्षकों ने विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और नवाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही, छात्रों को एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा के महत्व को समझाया. भ्रमण के दौरान उपस्थित शिक्षकों ने स्कूल द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और इसे अपने भविष्य के शिक्षण कार्य में अपनाने की इच्छा जताई।

तालाब में अज्ञात युवक का शव बरामद

बोकारो। जिले के पेटरवार थाना क्षेत्र अंतर्गत खेतको-दांतू बाईपास मुख्य रोड व पेट्रोल पंप के समीप स्थित बड़का तालाब (बड़का अहिरा) में रविवार की शाम लगभग 4 बजे एक अज्ञात व्यक्ति का शव देखने से हड़कंप मच गया। जानकारी मिलने पर पेटरवार थाना प्रभारी राजू कुमार मुंडा ने खेतको के स्थानीय गोताखोरों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया। उन्होंने कहा कि सोमवार को तेनुघाट स्थित अनुमंडलीय अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया जाएगा। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो सकी है। जानकारी के अनुसार खेतको के कुछ ग्रामीण तालाब के पास शौच के लिए गए हुए थे। इसी क्रम में तालाब में अज्ञात व्यक्ति के शव पर नजर पड़ी और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी राजू कुमार मुंडा ने कहा कि सोमवार को शव का पोस्टमार्टम करने के बाद पार्थिव शरीर को 36 घंटे तक मोर्चरी में रखा जाएगा। कहा, उक्त व्यक्ति की मौत कैसे हुई है यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। उसकी पहचान का प्रयास किया जा रहा है। मृतक के प्राइवेट पार्ट सहित कमर के नीचे चोट के निशान हैं। इसे देखते हुए स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है।

सीसीएल प्रबंधन और विस्थापितों के बीच वार्ता के बाद आज का चक्का जाम स्थगित

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल के गोविंदपुर एफ पंचायत अंतर्गत लहरियाटांड़ के सीसीएल विस्थापितों की मांगों को लेकर 3 मार्च से कथारा एरिया के गोविंदपुर-स्वांग परियोजना का चक्का जाम आंदोलन प्रबंधन एवं विस्थापितों के बीच सकारात्मक वार्ता के बाद स्थगित कर दिया गया। लहरियांटांड़ के विस्थापितों द्वारा विस्थापित प्रमाणपत्र सहित सड़क, पानी की सभी समस्याओं का जल्द समाधान को लेकर 15 फरवरी को सीसीएल कथारा के जीएम, बेरमो एसडीएम को लिखित पत्र देकर मांगों को पूरा करने और नहीं करने के एवज में 3 मार्च से गोविंदपुर परियोजना का कोयला ट्रांसपोर्टिंग कार्य को बंद कर चक्का जाम आंदोलन करने की घोषणा की थी। आंदोलन के आलोक में रविवार को कथारा जीएम ऑफिस में वार्ता हुई, जिसमें जीएम संजय कुमार, गोविंदपुर के पीओ एके तिवारी, नोडल अधिकारी आकाश कुमार, रोहित प्रजापति, चंदन कुमार प्रबंधन की लहरियाटांड़ गांव के ग्राम विकास समिति के प्रतिनिधियों के साथ वार्ता हुई। वार्ता में जीएम के द्वारा आश्वासन दिया गया कि एक माह के अंदर लहरियाटांड़ गांव की समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। जिस पर ग्रामीणों के तरफ से कहा गया कि एक माह के अंदर ग्रामीण समस्या का समाधान नहीं होता है तो 1 अप्रैल से आंदोलन आरंभ किया जाएगा।

बड़ी बीमारियों का इलाज अब होगा शहर में ही, 10 मार्च से शुरू होगी ओपीडी

जमशेदपुर। जमशेदपुर के निवासियों के लिए एक खुशखबरी आई है। अब उन्हें बड़ी बीमारियों के इलाज के लिए दूर-दराज के अस्पतालों में जाने की जरूरत नहीं होगी। शहर में ही कैंसर, दय रोग और अन्य गंभीर बीमारियों का इलाज संभव हो सकेगा। दरअसल, जमशेदपुर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज परिसर में एक नया अस्पताल बन रहा है, जिसमें जल्द ही इन बीमारियों का इलाज शुरू होगा। शनिवार को एमजीएम मेडिकल कॉलेज में एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 10 मार्च को विशेषज्ञ चिकित्सकों के चयन के लिए एक विशेष टीम गठित की जाएगी। डॉक्टरों की नियुक्ति इंटरव्यू के माध्यम से की जाएगी। पहले चरण में ओपीडी (आउट पेशेंट डिपार्टमेंट) सेवाएं शुरू की जाएंगी, जिसमें कैंसर विशेषज्ञ, न्यूरो फिजिशियन, न्यूरो सर्जन, किडनी और दय रोग विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाएगी। ओपीडी शुरू होने के बाद, इनडोर और सर्जरी की सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाएंगी।

इस नए अस्पताल का संचालन मुख्यमंत्री अबुआ स्वाथ्य योजना और आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री आरोग्य योजना के तहत किया जाएगा। अस्पताल के विकास के लिए मिलने वाली राशि का 75% हिस्सा अस्पताल संचालन में और 25% डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों के प्रोत्साहन में खर्च किया जाएगा। स्पेशलिस्ट डॉक्टरों को प्रति मरीज 200 रुपये और सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों को प्रति मरीज 300 रुपये का भुगतान किया जाएगा।

बोकारो में भामसं के कार्यकर्ता सम्मेलन में बाबूलाल समेत कई दिग्गज हुए शामिल

भारत को परम वैभव पर ले जाने की दिशा में प्रयासरत है भारतीय मजदूर संघ : शुक्ला

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। भारतीय मजदूर संघ, बोकारो जिला का एकदिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन रविवार को जिला अध्यक्ष जितेंद्र तिवारी की अध्यक्षता तथा कार्यकारी अध्यक्ष अवधेश राय के संचालन में सेक्टर 9 स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में संपन्न हुआ। इसमें कई दिग्गज शामिल हुए।

सर्वप्रथम सभी अतिथियों ने भारत माता, बाबा विश्वकर्मा एवं भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक दत्तोपंत ठेंगड़ीजी के चित्र के सामने मंगलदीप प्रज्जवलित कर तथा पुष्प अर्पित कर सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ किया। उपस्थित कार्यकताओं को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए क्षेत्रीय संगठन मंत्री धर्मदास शुक्ला ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ ने 70 वर्ष की यात्रा पूरी की है और इन 70 वर्षों में हमने न सिर्फ मजदूरों के शोषण के खिलाफ संघर्ष किया, अपितु पूरे समाज को साथ लेकर समाज सुधार तथा राष्ट्र को परम वैभव तक ले जाने के लिए भी काम कर रहे हैं। मुख्य अतिथि के रूप में विश्व हिंदू परिषद के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जगन्नाथ शाही ने कहा कि राष्ट्रऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी ने भारतीय मजदूर संघ की स्थापना करते वक्त राष्ट्र जीवन में जो परिवर्तन का सपना देखा था, वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पांच परिवर्तन-पर्यावरण की रक्षा, नागरिक कर्तव्य, कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता तथा स्वदेशी, के रूप में अभियान के साथ आने वाला है। विशिष्ट अतिथि के रूप में विशेष रूप से उपस्थित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने भी संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय मजदूर संघ एक राष्ट्रवादी मजदूर संगठन है एवं आगे संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए तथा भारतीय मजदूर संघ को हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। झारखंड प्रदेश भारतीय मजदूर संघ के उपाध्यक्ष कृष्णा राय ने कहा कि आने वाले समय में बोकारो जिले की सभी यूनियनों जैसे कोयला, स्टील, डीवीसी, बियाड़ा, संगठित एवं असंगठित क्षेत्र में आंदोलन तेज किया जाएगा। राष्ट्रहित, उद्योगहित एवं मजदूरहित में काम करते हुए मजदूरों के वेतन की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा तथा सेफ्टी मानकों की स्थापना हेतु और आंदोलन तेज किया जाएगा। सभा को भारतीय मजदूर संघ झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष बलिराम यादव, प्रदेश महामंत्री राजीव रंजन सिंह, संगठन मंत्री बृजेश कुमार ने भी संबोधित किया। सम्मेलन में विशेष रूप से उपस्थित बोकारो जिला के सहायक श्रम आयुक्त एवं श्रम अधीक्षक रंजीत कुमार ने भी सरकार द्वारा प्रदत्त योजनाओं को समूह की जानकारी दी तथा मजदूरों को हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। सम्मेलन में इस्पात उद्योग, स्टॉक यार्ड, ठेका मजदूर, डीवीसी, सीसीएल, बीसीसीएल, ओएनजीसी बैंक, पोस्ट ऑफिस से सैकड़ों कार्यकताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मनोज कुमार सिंह, उमेशचंद्र दुबे, रामपत महतो, राजेश बिहारी चौबे, उमेश प्रसाद सिंह, संत चौहान, अनिमेष गिरि, महेश राय, एसके वर्मा, रणधीर सिंह, संदीप मंडल, रामनारायण लाल, पृथ्वीराज साहू, कृष्ण केवट आदि मौजूद रहे।

वन्य प्राणी जीवों के संरक्षण की आवश्यकता

विश्व वन्यजीव दिवस

संजय गोस्वामी

वर्तमान में भारत में 98 राष्ट्रीय उद्याान एवं 510 अभ्यारण्य हैं। यही संरक्षित क्षेत्र है जो पूरे देष में फैला हुआ है। वन्य प्राणी केवल संरक्षित क्षेत्रें में ही नही है, वरन संरक्षित क्षेत्रें के बाहर भी बहुत बड़ा भूभाग है जिसमें वन क्षेत्र व अन्य क्षेत्र आता हैं।वन्य प्राणियों की समष्टि का बहुत से कारणों से ह्रास होने के कारण तत्कालीन समय में प्रवृत्त कानूनों में प्रभावी व कठोर प्रावधान न होने के कारण वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 अधिनियमित किया गया जिसमें अभ्यारण्य एवं राष्ट्रीय उद्यान बनाये जाने के प्रावधान किये गये। फलस्वरुप संरक्षित क्षेत्र का निर्माण व विकास हुआ।

वन्य जीव-जन्तुओं पर्यावरण व इकोसिस्टम को सुरक्षित बनाये रखने के लिए प्रयुक्त होता है जो प्राकृतिक आवास में निवास करते हैं, जैसे हाथी शेर, गैंडा, हिरण इत्यादि। वन्य जीवों की पूर्ण सुरक्षा तथा विलुप्त होने वाले जन्तुओं को संरक्षण प्रदान करना इसका मुख्य उद्देश्य है व्यापक रूप से .वन्य जीव. प्रकृति में पाये जाने वाले सभी जीव -जन्तुओं एवं पेड़ -पौधों की जातियों हेतु प्रयुक्त किया जाता है । वर्तमान में मानव के द्वारा ऐसे कारण उत्पन्न कर दिये गये हैं, जिससे वन्य जीवों का अस्तित्व समाप्त हो रहा है । इसलिए वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए 1972 में वन्य जीवन सुरक्षा अधिनियम बनाया गया है। वन्य जीवों की पूर्ण सुरक्षा तथा विलुप्त होने वाले जन्तुओं को संरक्षण प्रदान करना इसका मुख्य उद्देश्य है। भारत कई प्रकार के जंगलों जीवों और पशु-पक्षियों का घर है। जीवों और पशु-पक्षियों का संरक्षण पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहाँ के पशु पक्षियों को अपने प्राकृतिक निवास स्थान में देखना आनन्दायक है व जंगली जीवों को देखने पर्यटक आते हैं। यहाँ जंगली जीवों की बहुत बड़ी संख्या है।भारत के वन्य जीव संरक्षण कार्यक्रम की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक मजबूत संस्थागत ढांचे की रचना की गयी है। जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया, बोटेनिकल सर्वे आफ इण्डिया जैसी प्रमुख संस्थाओं तथा भारतीय वन्य जीवन संस्थान, भारतीय वन्य अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी तथा सलीम अली स्कूल ऑफ आरिन्थोलॉजी जैसे संस्थान वन्य जीवन संबंधी शिक्षा और अनुसंधान कार्य में लगे हैं।इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य जंगली जानवरों, पक्षियों और पौधों को प्रमाणित सुरक्षा प्रदान करना है। अपितु वन्य जीवन तथा वन - वृक्षों को सुरक्षित रखना है संभवतः विष्व में सर्वप्रथम, लगभग 300 वर्ष ईसा पूर्व सम्राट अशोक ने वन्य प्राणियों के संरक्षण में अभयारण्यों की स्थापना की।बनारस के पास सारनाथ में एक मृग उद्यान में भगवान बुद्ध के प्रवचनों का उल्लेख भी मिलता है हिन्दू धर्म का तो मूल आधार ही यह है कि आत्मा समस्त प्राणियों में विचरण करते हुए मानव-योनि, और फिर मोक्ष-योनि में जाती है। सिन्धु-घाटी की सभ्यता (2500 ईसा पूर्व) में हाथी, शेर, गेंडा, नीलगाय, बंदर, कालाहिरण,गरूण तथा बाज पक्षियों की मूर्तिया पाई गई है। वन्यप्राणि इतनी विविधता एवं चमत्कारिक रूपों में पाये जाते है कि उनके देखने मात्र से ही सौंदर्य सुख प्राप्त होता है।। अंग्रेजी शासन काल में भी यद्यपि वन्य प्राणी संरक्षण को कुछ अधिकारियों और राजा महाराजाओं ने महत्व तो दिया लेकिन फिर भी वन्य प्राणियों के विकास में वे सफल नहीं हुए। बल्कि इसके विपरीत द्वितीय विष्व युद्ध के आसपास का समय तो वन और वन्य प्राणियों के विनाष का सर्वाधिक काला समय सिद्ध हुआ। धीरे-धीरे वैज्ञानिकों और जनसाधारण ने वनों

और वन्य प्राणियों के महत्व को समझना प्रारम्भ किया और जन आकांक्षाओं के परिणामस्वरुप विष्व के अनेक देषों में राष्ट्रीय उद्यान एवं अभयारण्यों की स्थापना होने लगी।देष के संरक्षित क्षेत्र जिसमें राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण्य आते हैं। अनेक वन्य प्राणियों का उपयोग पशुधन के रूप में किया जाता है। भारतवर्ष में लगभग 20 मिलियन लोगों का जीवनयापन पशुधन पर निर्भर करता है। पशुधन से छोटे किसानों का लगभग 16 प्रतिशत और मझोले किसानों का 14 प्रतिशत आय प्राप्त होती है। पशुधन 2/3 गॉव की आबादी का जीवन यापन का सहारा बनती है। यह भारत वर्ष में 8.8 प्रतिशत लोगों को रोजगार प्रदान करती है। पशुधन 4.11 प्रतिशत जी.डी.पी. तथा 25.60 प्रतिशत कृषि के जी.डी.पी. में योगदान करती है। भारत वर्ष में कुल पशुधन 512 मिलयन है जिसमें कि भैंस 105.3 मिलयन है जो कि भारतीय किसानों के आमदनी का नायाब श्रोत है। केवल मत्सयोद्योग से ही विष्वभर में लगभग 1100 लाख टन भोजन प्रतिवर्ष प्राप्त होता है। इस भोजन में प्रोटिन की प्रतिषत भी अधिक होती है।भारत जैसे देश में शेरों की तादाद दिनोंदिन घटती जा रही है। लाख प्रयासों के बाद भी इनकी तादाद बढ़ाने के मामले में सरकार दावे कुछ भी करे, लेकिन नाकामी ही हाथ लगी है।नतीजतन हमारा पर्यावरण भयंकर से प्रभावित हुआ और स्तनधारी ही नहीं, पक्षियों की हजारों प्रजातियां विलुप्त हो गईं और सैकड़ों विलुप्ति के कगार पर हैं। संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान एवं विकास संस्थान के विशेषज्ञों व वैज्ञानिकों का अध्ययन खुलासा करता है कि पूरी दुनिया में मानवीय गतिविधियां व्यापक स्तर पर पर्यावरण विनाश कर रही हैं और धरती में जीवन का आधार समझी जाने वाली जैव विविधता खतरनाक दर से नष्ट हो रही है। यह सबसे अधिक चिंतनीय है। इससे धरती के पारिस्थितिकी तंत्र की क्षमता पर ही सवाल खड़े हो गए हैं। हालत यह है कि स्तनधारियों, पक्षियों और सरीसृप परिवार की 10 से 30 फीसदी प्रजातियों के ऊपर विलुप्ति की तलवार लटक रही है। मिलेनियम ईको-सिस्टम एसेसमेंट के अनुसार बीते 50 सालों में आदमी ने अपनी जरूरतों की पूर्ति और लालच की खारित पारिस्थितिकी तंत्र का इतनी तेजी से विनाश किया है, जिसकी प्राचीन इतिहास में कहीं कोई मिसाल नहीं मिलती। 1945 के बाद धरती का जितना हिस्सा खेती के समतल किया गया, वनों का कटान किया गया उतना 18वीं और 19वीं शताब्दी में मिलकर भी नहीं हुआ। इसका परिणाम जैव विविधता के भारी अपरिवर्तनीय नुकसान के रूप में सामने आया। ऐसे उदाहरण भी सामने आए जब प्रकृति पर लगे घावों के परिणामस्वरूप पारिस्थितिकी तंत्र में अभतपूर्व बदलाव आए और भयावह स्थिति का सामना करना पड़ा।असल में वन्य जीवों की प्रजातियों को सबसे ज्यादा यदि किसी ने नुकसान पहुँचाया है तो वह है वन्य जीवों की तस्करी और उससे होने वाला भारी मुनाफा। असलियत यह भी है कि आज विश्व में वन्य जीव तस्करी का अवैध कारोबार 25 से 30 हजार करोड़ डालर से अधिक है। यह कारोबार अब मादक पदार्थों के कारोबार से कुछ कम और हथियारों के कारोबार के करीब पहुँच चुका है।

सौंदर्य प्रसाधनों, औषधि निर्माण तो कहीं घरों की सजावट के लिए वन्य जीव अंगों की बेतहाशा मांग और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मिलता मुँहमांगा दाम इसके प्रमुख कारण हैं। सरकार चाहे प्रोजेक्ट टाइगर चलाए, प्रोजेक्ट एलीफेंट या आने वाले समय में प्रोजेक्ट गैंडा चलाए, जब तक देश का हर नागरिक वन्य प्राणियों के अंग, उनकी खाल का उपयोग न करने का संकल्प नहीं लेगा और लोगों में जागृति पैदा करने का अभियान नहीं चलाया जाएगा, भारत जैसे देश में तब तक कानूनों के जरिए वन्य प्राणी संरक्षण एक सपना ही रहेगा।इसके लिए गठित टास्क फोर्स कहां तक अपने उद्देश्य में कामयाब हो पाएगी, यह तो भविष्य ही बताएगा। इन्हें कौन बचाएगा? विश्व वन्य जीव कोश के अनुसार साइबेरियाई सारस, भालू, काले हिरण, बाघ और गैंडे को यदि तत्काल संरक्षण नहीं दिया गया तो ये जीव दुनिया से ही खत्म हो जाएंगे।आज देश में अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की रेड डाटा बुक के अनुसार स्तनधारियों की 16, पक्षियों की 5 और सपीसृप वर्ग की 3 प्रजातियों का अस्तित्व खतरे में है। 81 स्तनधारी जीवों तथा 38 पक्षी व 18 सरीसृप स्थल चर-जलचरों को तत्काल संरक्षण प्रदान किए जाने की जरूरत है।सौंस को तो लम्बे इंतजार के बाद वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची एक में जगह मिली। उसके संरक्षण के लिए मात्र एक संरक्षित अभ्यारण्य है, जो विक्रमशिला के नाम से जाना जाता है और गंगा नदी में लगभग 50 किलोमीटर के इलाके में सुल्तानगंज से लेकर कहलगांव तक फैला है।

वर्तमान में भारत में 98 राष्ट्रीय उद्याान एवं 510 अभ्यारण्य हैं। यही संरक्षित क्षेत्र है जो पूरे देष में फैला हुआ है। वन्य प्राणी केवल संरक्षित क्षेत्रें में ही नही है, वरन संरक्षित क्षेत्रें के बाहर भी बहुत बड़ा भूभाग है जिसमें वन क्षेत्र व अन्य क्षेत्र आता हैं।वन्य प्राणियों की समष्टि का बहुत से कारणों से ह्रास होने के कारण तत्कालीन समय में प्रवृत्त कानूनों में प्रभावी व कठोर प्रावधान न होने के कारण वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 अधिनियमित किया गया जिसमें अभ्यारण्य एवं राष्ट्रीय उद्यान बनाये जाने के प्रावधान किये गये। फलस्वरुप संरक्षित क्षेत्र का निर्माण व विकास हुआ।यह संरक्षित क्षेत्र वन्य प्राणियों की नर्सरी के रुप में संधारित किये है, जिससे नर्सरी में उत्पन्न वन्य प्राणी अपनी संख्या में वृद्धि करके संरक्षित क्षेत्रें से लगे हुए क्षेत्रें के माध्यम से अन्य वन क्षेत्रें में फौलें व उनका विकास करे व प्रजनन द्वारा संख्या में वृद्धि करें। इन संरक्षित क्षेत्रें में बाघ परियोजनायें प्रचलित हैं। बाघ वन्य जीवों के पारिस्थितिकीय पिरामिड के षिखर पर स्थापित वन्य प्राणी है यदि षिखर का वन्य प्राणी स्वस्थ एवं प्राकृतिक विकास कर रहा है जो अच्छे इको सिस्टम का संकेत देता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

आस्था का जयकारा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में सपन्न हुए महाकुंभ को युग परिवर्तन की आहट बताया और विकसित भारत का संदेश बताया। उन्होंने महाकुंभ समागम की तुलना गुलामी की मानसिकता की बेड़ियों को तोड़कर आजादी से संस ले रहे राष्ट्र की नवजागृत चेतना से की। समापन के एक दिन बाद मोदी ने ब्लाग में लिखा, महाकुंभ संपन्न हो गया। एकता का महायज्ञ संपन्न हो गया। भारत अब नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। यह युग परिवर्तन का संकेत है। जो भारत के लिए नया भविष्य लिखेगा। उप्र सरकार के अनुसार 13 जनवरी को शुरू हुए महाकुंभ में 65 करोड़. लोगों ने संगम में डुबकी लगाई। उधर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर निशाना लगाते हुए कहा, दुनिया में कहीं भी इतना विशाल समागम नहीं हुआ। स्वच्छता व स्वास्थ्य कर्मियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा लूटपाट, अपहरण, छेड़छाड़.व दुष्कर्म की ऐसी कोई घटना नहीं हुई, जो विरोधियों को दूरबीन या माइक्रोस्कोप से देखने को मिलती। इसमें कोई संदेह नहीं कि सरकार के अनुमान से कहीं अधिक संख्या में लोग प्रयागराज पहुंचे। जितना जन सैलाब था, उसके अनुपात में असुविधाओं या समस्याओं का खड़ा न होना, अपने आपमें बड़ा आश्चर्य है। हालांकि भगदड़.की मौतों के आंकड़े. छिपाने और अपनों की तलाश में भटकने वालों की जानते-बूझते अनदेखी की गई। सीमित साधनों के चलते स्थानीय नागरिकों को रोजाना की चीजों व नियमित कार्यों/पढ़ाई व नौकरीपेशा लोगों को हुई दिक्कतों की किसी ने फिक्र ही नहीं की। हालांकि इस विशाल आयोजन में उत्साहपूर्वक शामिल होने वाले श्रद्धालुओं ने कई-कई किलोमीटर पैदल चलने, ट्रैफिक जाम में फंसे रहने और पीने के पानी व भोजन को लेकर हुई अव्यवस्था पर भरपूर सहयोगात्मक भाव बनाये रखा। मोदी ने उसे समझा और उस पर माफी मांग कर अपना बड़प्पन भी दिखाया, जबकि योगी की बातों से ऐसा नजर नहीं आता, परंतु सफाईकर्मियों को प्रात्साहन राशि देने व उनकी तारीफ करके उन्होंने परंपरा से हटकर अपना अंदाज दिखाया। आस्था, विश्वास व उत्साह

भरे इस आयोजन के लिए सभी की सराहना की जानी चाहिए।

चिंतन-मनन

न देने वाला मन

एक भिखारी सुबह-सुबह भीख मांगने निकला। चलते समय उसने अपनी झोली में जौ के मुट्ठी भर दाने डाल लिए। टोटके या अंधविश्वास के कारण भिक्षाटन के लिए निकलते समय भिखारी अपनी झोली खाली नहीं रखते। थैली देख कर दूसरों को लगता है कि इसे पहले से किसी ने दे रखा है। पूर्णिमा का दिन था, भिखारी सोच रहा था कि आज ईश्वर की कृपा होगी तो मेरी यह झोली शाम से पहले ही भर जाएगी।

अचानक सामने से राजपथ पर उसी देश के राजा की सवारी आती दिखाई दी। भिखारी खुश हो गया। उसने सोचा, राजा के दर्शन और उनसे मिलने वाले दान से सारे दरिद्र दूर हो जाएंगे, जीवन संवर जाएगा। जैसे-जैसे राजा की सवारी निकट आती गई, भिखारी की कल्पना और उत्तेजना भी बढ़ती गई। जैसे ही राजा का रथ भिखारी के निकट आया, राजा ने अपना रथ रुकवाया, उतर कर उसके निकट पहुंचे। भिखारी की तो मानो सांसें ही रुकने लगीं। लेकिन राजा ने उसे कुछ देने के बदले उलटे अपनी बहुमूल्य चादर उसके सामने फैला दी और भीख की याचना करने लगे।

भिखारी को समझ नहीं आ रहा था कि क्या करे। अभी वह सोच ही रहा था कि राजा ने पुन? याचना की। भिखारी ने अपनी झोली में हाथ डाला, मगर हमेशा दूसरों से लेने वाला मन देने को राजी नहीं हो रहा था। जैसे-तैसे कर उसने दो दाने जौ के निकाले और उन्हें राजा की चादर पर डाल दिया। उस दिन भिखारी को रोज से अधिक भीख मिली, मगर वे दो दाने देने का मलाल उसे सारे दिन रहा। शाम को जब उसने झोली पलटी तो उसके आश्चर्य की सीमा न रही। जो जौ वह ले गया था, उसके दो दाने सोने के हो गए थे। उसे समझ में आया कि यह दान की ही महिमा के कारण हुआ है। वह पछताया कि काश! उस समय राजा को और अधिक जौ दी होती, लेकिन नहीं दे सका, क्योंकि देने की आदत जो नहीं थी।

न्यायालयों में अनसुलझे मामलों की बढ़ती हुई संख्या

प्रियंका सौरभ

देश की न्याय व्यवस्था कई महत्त्वपूर्ण मुद्दों से जूझ रही है, जिसका मुख्य कारण भारतीय अदालतों में अभी भी 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। यह लंबित मामले न केवल न्याय में देरी करते हैं, बल्कि कानूनी व्यवस्था में लोगों का भरोसा भी कम करते हैं। इनमें से कई मामले एक दशक से अधिक समय से लंबित हैं, जिनमें से लगभग 50 लाख मामले दस साल से भी अधिक समय पहले शुरू किए गए थे। नीति आयोग ने सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है, चेतावनी दी है कि मामले के समाधान की वर्तमान गति से, केवल निचली अदालतों में लंबित मामलों को हल करने में 300 साल से अधिक लग सकते हैं। भारत में, 'लंबित मामलों' का अर्थ कानूनी ढांचे के भीतर अनसुलझे मामलों की भारी संख्या है। स्थिति विशेष रूप से निचले न्यायिक स्तरों पर गंभीर है, जहाँ अधिकांश मामले दायर किए जाते हैं और न्यायाधीशों की कमी से निपटान नहीं होता है। लंबित मामलों की बढ़ती संख्या भारतीय न्याय वितरण प्रणाली के लिए एक बड़ी चुनौती है। लंबी कानूनी प्रक्रियाएँ 'न्याय में देरी न्याय से वंचित होने के समान है' कहावत को चरितार्थ करती हैं, क्योंकि वे जनता के विश्वास को खत्म करती हैं और व्यक्तियों को समय पर न्याय से वंचित करती हैं। बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि विवाद जैसे मामलों के लंबे समाधान ने सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ दिया है, जिसमें लगभग 70 साल लग गए। अदालतों में मामलों की विशाल मात्रा अदालती दक्षता में बाधा डालती है और लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि करती है, जिससे त्वरित न्याय लगभग असंभव हो जाता है। सर्वोच्च न्यायालय में 82, 000 से अधिक और उच्च न्यायालयों में 62 लाख से अधिक मामले लंबित होने के कारण, निर्णयों में बड़ी देरी आम बात है। मुकदमेबाजी का वित्तीय बोझ आर्थिक विकास को भी बाधित करता है, क्योंकि यह संसाधनों को खत्म करता है और व्यक्तियों और व्यवसायों को कानूनी कार्यवाही करने से हतोत्साहित करता है। भारत में न्यायिक देरी की अनुमानित लागत दो मिलियन डॉलर से अधिक है। न्याय प्रणाली पर लंबित मामलों का प्रभाव गहरा और दूरगामी है। लंबे समय तक चलने वाले मामले कानूनी प्रणाली में जनता के विश्वास को खत्म कर सकते हैं, जिससे इसकी प्रभावशीलता के बारे में निराशा और संदेह पैदा होता है, जिससे कुछ लोग वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की तलाश करने लगते हैं। देरी का यह चक्र समस्या को और बढ़ाता है। न्यायिक देरी में योगदान देने वाला एक महत्त्वपूर्ण कारक जनसंख्या के लिए न्यायाधीशों का अपर्याप्त अनुपात है। भारत में, विकसित देशों की तुलना में कानूनी प्रणाली बहुत धीमी गति से काम करती है, जहाँ हर दस लाख निवासियों के लिए केवल 21 न्यायाधीश उपलब्ध हैं। सरकार सबसे बड़ी वादी है, जो सभी लंबित मामलों में से लगभग आधे मामलों के लिए ज़िम्मेदार है, जिनमें से कई तुच्छ मुद्दों पर अपील में बंधे हैं। सीमित कोर्ट रूम स्पेस और पुरानी केस मैनेजमेंट प्रथाओं जैसी चुनौतियों से लंबी अदालती कार्यवाही और भी जटिल हो जाती है। दिल्ली उच्च न्यायालय मध्यस्थता केंद्र ने 15 वर्षों में 200, 000 से अधिक मामलों को सफलतापूर्वक हल किया है, जो वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की प्रभावशीलता को उजागर करता है। दुर्भाग्य से, वकील और वादी दोनों अक्सर स्थगन का दुरुपयोग करते हैं, जिसके कारण मामले सालों या दशकों तक टल जाते हैं। मैन्युअल दस्तावेजीकरण और पुरानी कानूनी प्रक्रियाओं पर निर्भरता मामलों के समय पर समाधान में बाधा डालती है, जिससे अनावश्यक नौकरशाही बाधाएँ पैदा होती हैं। लंबित मामलों के बैकलॉग को कम करने के लिए, यह सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण है कि कार्यवाही निरंतर हो। इसमें बढ़ती आबादी को समायोजित करने के लिए न्यायालय स्टाफिंग और बुनियादी ढांचे में निवेश करना शामिल है। न्यायालयों की संख्या बढ़ाने और पर्याप्त सहायक कर्मचारियों को नियुक्त करने से प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिल सकती है। मामलों को अधिक तेजी से ट्रैक करने और आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी केस प्रबंधन रणनीतियों को लागू करना भी महत्त्वपूर्ण है। उचित रूप से प्रबंधित मामलों के समय पर समाधान तक पहुँचने की अधिक संभावना होती है। कानूनी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कानूनों की नियमित समीक्षा और संशोधन अनिश्चितता को कम करने और कानूनी कार्यवाही में तेजी लाने के लिए आवश्यक है। वाणिज्यिक विवादों के त्वरित समाधान की सुविधा के लिए, वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम 2015 स्थगन पर सख्त नियम लागू करता है। मुकदमेबाजी से पहले मध्यस्थता को अनिवार्य करके वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देने से अदालतों पर बोझ कम करने में मदद मिल सकती है। मध्यस्थता अधिनियम (2023) वाणिज्यिक और नागरिक विवादों में मध्यस्थता को अनिवार्य बनाकर इसका समर्थन करता है, जिसका उद्देश्य अदालती लंबित मामलों को कम करना है। एक मजबूत लोकतंत्र न्याय के त्वरित और प्रभावी वितरण पर निर्भर करता है। न्यायिक देरी से निपटने के लिए, न्यायिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाना, मौजूदा रिक्तियों को भरना, ऐआई-संचालित केस प्रबंधन को अपनाना और वैकल्पिक विवाद समाधान को बढ़ावा देना आवश्यक है। न्यायिक जवाबदेही को दूरदर्शी नीति ढांचे के साथ जोड़कर, भारत की न्याय प्रणाली अधिक निष्पक्ष, सुलभ और समय पर बन सकती है। यह आशा की जाती है कि सभी हितधारक-न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, सरकारें और कानूनी पेशेवर-न्याय वितरण प्रणाली को मजबूत करने और कानून के शासन को बनाए रखने के लिए अपनी भूमिका निभाएंगे। भारतीय अदालतों में लंबित मामलों से निपटने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें तकनीकी प्रगति के साथ-साथ प्रशासनिक, कानूनी और बुनियादी ढाँचे में सुधार शामिल हो। हालाँकि प्रगति हुई है, लेकिन कानूनी प्रणाली में विश्वास बहाल करने और विवादों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास महत्त्वपूर्ण हैं। भारतीय न्यायपालिका मूल कारणों से निपट सकती है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अभिनव समाधान लागू कर सकती है।

व्हाइट हाउस में महाभारत

डॉ. दिलीप चौबे

व्हाइट हाउस में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच वाक युद्ध अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के इतिहास में दर्ज हो गया है। दुनिया में शायद ही कभी ऐसा हुआ हो जब एक बड़े युद्ध को लेकर प्रमुख विश्व नेताओं के बीच आपस में ही घमासान मचा हो। व्हाइट हाउस में जो आग लगी है वह दुनिया भर में फैल सकती है। इसे बुझाना आसान नहीं होगा। खासकर ऐसे समय जब आग बुझाने वालों की संख्या से अधिक आग भड़काने वाले नेताओं की है। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में करीब 45 मिनट चली बैठक में शुरू का आधा घंटा सामान्य कूटनीतिक विचार विमर्श का था। राष्ट्रपति ट्रंप ने यूक्रेन की जनता और सेना की बहादुरी की चर्चा की। उन्होंने यथाशीघ्र युद्ध विराम पर जोर दिया ताकि रक्तपात और तबाही को रोका जा सके। शुरू से ही जेलेंस्की आवेश में थे और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ अभद्र शब्दों का प्रयोग कर रहे थे। उन्होंने पुतिन को 'हत्यारा' और 'आतंकवादी' करार दिया। इस पर ट्रंप कुछ असहज हो गए, लेकिन उन्होंने जेलेंस्की को रोका नहीं। उन्होंने केवल इतना कहा कि दोनों दोनों पक्षों रूस और यूक्रेन के बीच घृणा का माहौल है। ऐसे में कूटनीति आगे बढ़ना मुश्किल होता है। ओवल ऑफिस में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री माकाक्र रूबियो सहित दोनों देशों के मंत्री और अधिकारी भी मौजूद थे। उपराष्ट्रपति वेंस ने जेलेंस्की को समझने की कोशिश की कि राष्ट्रपति ट्रंप यूक्रेन को और तबाही से बचाने के लिए कूटनीति पहल कर रहे हैं।

यह प्रयास पिछले बाइड़न प्रशासन से अलग है। इन प्रयासों के बारे में सकारात्मक रवैया अपनाने की बजाय जेलेंस्की यूक्रेन युद्ध का पूरा इतिहास बयान करने लगे। इसका निष्कर्ष यह था कि रूस और राष्ट्रपति पुतिन के साथ कूटनीति का रास्ता अपनाना बेमानी है। यह कथन अमेरिकी सरकार की यूक्रेन नीति की सीधी आलोचना थी। यहीं से व्हाइट हाउस में घमासान शुरू हुआ। जेलेंस्की ने राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति वेंस के कथनों पर टीका-टिप्पणी जारी रखी। उन्होंने जब वेंस से कहा कि तेज आवाज में मत बोलिए। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने रौद्र रूप अख्तियार कर लिया। उन्होंने तीखी भाषा का प्रयोग करते हुए कहा कि 'आप लाखों लोगों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। आप तीसरा विभ युद्ध शुरू करना चाहते हैं।' ट्रंप इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा कि यूक्रेन यदि आज कायम है तो इसका कारण यह है कि अमेरिका उसे आधुनिक हथियार दे रहा है। यदि हथियारों की आपूर्ति नहीं हो तो यूक्रेन कुछ ही दिनों में निपट जाएगा। वाक युद्ध के इस चरण में भी जेलेंस्की ने माहौल सामान्य बनाने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। पूरे प्रकरण में वेंस ने जेलेंस्की पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रंप का अपमान कर रहे हैं। कूटनीति में ऐसे अवसर आते हैं जब नेताओं में आपस में नोक-झोंक होती है, लेकिन ऐसा बंद कमरे की बातचीत में होता है। व्हाइट हाउस में यह सब कुछ दुनिया की मीडिया के सामने हुआ। अंत में ट्रंप ने मजाक में टिप्पणी की कि टेलीविजन के लिए अच्छी खबर बनी। लेकिन उसके बाद ट्रंप प्रशासन ने जेलेंस्की को सबक सिखाया। दुर्लभ खनिज के खनन के लिए होने वाले समझौते के कार्यक्रम और अगली प्रेस कॉन्फ्रेंस को रद्द कर दिया गया। राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ संदेश दिया कि जेलेंस्की से आगे बातचीत नहीं हो सकती। जेलेंस्की अगले कार्यक्रम के इंतजार में व्हाइट हाउस में बैठे रहे। इस पर प्रोटोकॉल अधिकारी ने उनसे कहा कि आप यहां से जा सकते हैं। दुनिया के सामने 'बड़े बेआबरू होकर तेरे कूचे से हम निकले' कि युक्ति चरितार्थ हो गई। लेकिन बात जेलेंस्की को फटकार सुनाये जाने पर ही नहीं रुकती। यह यूक्रेन युद्ध को जारी रखने पर आमादा खंस, ब्रिटेन और यूरोपीय देशों पर भी ट्रंप का प्रहार है। अमेरिका के तटस्थ होने पर यूरोपीय देशों के लिए संभव नहीं है कि वह युद्ध को लंबे समय तक जारी रख सकें।

जहां तक अमेरिका यूक्रेन के संबंधों का सवाल है जेलेंस्की के सत्ता से हटने और नये राष्ट्रपति की नियुक्ति के बाद ही रिश्ते पटरी पर आ सकते हैं।

टूटे हुए कांच के टुकड़ों का कुछ इस तरह से करें रियूज

अक्सर हम सभी टूटे हुए कांच के टुकड़ों को फेंक देते हैं। लेकिन अब जब भी आपको टूटे हुआ कांच मिले तो उसे फेंकने की बजाय उसका नए तरीके से इस्तेमाल करें। आप कांच के टुकड़ों से कई चीजें बना सकती हैं और पुरानी चीजों को नया लुक भी दे सकती हैं। जी हां, यह एक दम सच है। आज हम आपको बताएंगे कि आप टूटे हुए कांच के टुकड़ों से आप क्या-क्या बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इसके बारे में।

फ्रेम बनाएं

अगर आप टूटे कांच को फेंक देती हैं तो अगली बार ऐसा न करें क्योंकि आप टूटे हुए कांच से घर की दीवारों को सजा सकती हैं। जी हां, आप कांच के टूटे हुए टुकड़ों से एक बेहद ही सुंदर फ्रेम बना सकती हैं। यह फ्रेम आपके घर की दीवारों की खूबसूरती बढ़ाएगा। साथ ही कुछ सावधानियां बरतते हुए आप आसानी से कांच से फ्रेम बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इसे बनाने का तरीका।

आवश्यक सामान

◗ कैनवास ◗ कांच के टूटे हुए टुकड़ें ◗ फैब्रिक पेंट ◗ ग्लू

बनाने का तरीका

- कांच के टूटे हुए टुकड़ों से फ्रेम बनाने के लिए सबसे पहले आपको एक कैनवास चाहिए होगा। आप कैनवास का साइज अपने घर की दीवार के हिसाब से चुन सकती हैं।
- इसके बाद फ्रेम को अट्रैक्टिव लुक देने के लिए आपको कांच के टुकड़ों को पेंट करना होगा।
- कांच के टुकड़ों को अलग-अलग कलर्स से पेंट कर लें।
- पेंट करने के बाद उन्हें सूखने के लिए कुछ देर हल्की धूप में रख दें।
- जब कांच पर पेंट सूख जाएं इसके बाद व्हाइट कैनवास पर इन्हें ग्लू की मदद से चिपका लें।
- आप चाहें तो कांच के टुकड़ों को किसी पैटर्न में भी चिपका सकती हैं। इससे आपका फ्रेम मीनिंगफुल लगेगा
- लीजिए तैयार है आपका कांच के टुकड़ों से बना फ्रेम।

टेबल टॉप सजाएं

अगर आप फर्नीचर पुराना हो गया है तो आप अपने टेबल की टॉप को कांच के टुकड़ों से सजा सकती हैं। इससे आपके टेबल टॉप को नया लुक मिल जाएगा और अब आप दोबारा इसका इस्तेमाल कर पाएंगी। चलिए जानते हैं कैसे सजाएं कांच के टुकड़ों से टेबल टॉप को।

आवश्यक सामान

◗ कांच के टुकड़े ◗ ग्लू ◗ टेबल

बनाने का तरीका

- अगर आपका टेबल पुराना हो गया है तो उसे नया लुक देने के लिए आप कांच के टुकड़ों से टेबल के टॉप को सजा सकती हैं।
- इससे आपके टेबल को एक नया लुक मिलेगा।
- टेबल टॉप को सजाने के लिए सबसे पहले लकड़ी के टेबल पर ग्लू की मदद से कांच के टुकड़ों को चिपका लें।
- आप कांच के टुकड़ों को किसी भी तरीके से चिपका सकती हैं।
- लीजिए तैयार है आपका नया टेबल टॉप।

गमला सजाएं

अब आपको बाजार से मंहगे और सजावटी गमले खरीदने की जरूरत नहीं होगी क्योंकि अब आप बेहद ही कम पैसे खर्च करके आसानी से घर पर गमले को सजा सकती हैं। आप कांच के टुकड़ों से गमला भी सजा सकती हैं। इसके लिए बस आपको कोई पुराना गमला चाहिए होगा। चलिए जानते हैं इसे कैसे बनाया जाता है।

आवश्यक सामान

◗ गमला ◗ कांच के टुकड़े ◗ फ्रैबिक कलर्स ◗ ग्लू

बनाने का तरीका

- गमले को नया लुक देने के लिए सबसे पहले उसे अच्छे से साफ कर लें।
- इस बात का ध्यान रखें कि गमले के बाहरी हिस्से पर किसी भी प्रकार की गंदगी जमी नहीं होनी चाहिए।
- इसके बाद कांच के टुकड़ों को एक ही कलर से पेंट कर लें।
- एक ही रंग आपके गमले को और भी सुंदर बनाएंगे।
- पेंट करने और सूखने के बाद ग्लू की मदद से एक-एक करके कांच के टुकड़ों को गमले पर चिपका लें।
- इस प्रकिया को तब तक दोहराएं जब कि आप पूरे गमले पर कांच के टुकड़े नहीं चिपका लेती हैं।
- लीजिए तैयार है आपका खूबसूरत गमला।

इन बातों का रखें खास ध्यान

- आपको कांच के टुकड़ों को पकड़ने के लिए गलव्स का इस्तेमाल करना चाहिए।
- इन कांच से बनी चीजों को अपने बच्चों की पहुंच से दूर रखें।
- इस बात का ध्यान रखें कि जब आप कांच के टुकड़ों से चीजें बना रही हों तो आपके आस- पास लोग न हों।

आपके पसंदीदा रंग में छिपा है आपके व्यक्तित्व का राज

हर व्यक्ति का अपना पसंदीदा रंग होता है। पसंदीदा न होने पर भी, हर किसी की रंगों के लिए कुछ प्राथमिकताएं जरूर होती हैं। आमतौर पर हर कोई अपनी पसंद के रंग के हिसाब से ही कपड़े पहनता है। रंग का चुनाव ऐसा होता है जो आपके बारे में बहुत कुछ बताता है कि आप कैसे कार्य करते हैं, आपका व्यक्तित्व कैसा है, आपका स्वभाव कैसा है और दूसरे आपको कैसे देखते हैं। वैसे जरूरी नहीं है कि आपके व्यक्तित्व का रंग वही हो जो आप हमेशा पहनते हैं, यह आमतौर पर वह रंग होता है जो आपको सबसे ज्यादा उत्साहित करता है। लेकिन ये वास्तविकता है कि किसी भी व्यक्ति का पसंदीदा रंग उसके बारे में बहुत कुछ बयां करता है।

काला रंग

यदि आपको काला रंग पसंद है, तो इस बात की तरफ इशारा करता है कि आप स्वभाव से शर्मीले हैं लेकिन जब भी स्थिति की आवश्यकता हो, अपने मन की बात कहने में विश्वास करें। आप आसानी से निराश नहीं होते हैं और जीवन की हर बाधा को दूर करने का प्रयास करते हैं। आप शक्ति और नियंत्रण के लिए प्रयास करते हैं, आप अपनी बातों को गोपनीय रखने पर जोर देते हैं और किसी के सामने खुली किताब की तरह नहीं आते हैं। केवल करीबी दोस्त और रिश्तेदार ही जानते हैं कि आपके जीवन में क्या महत्वपूर्ण है। आप अपने आस-पास और अपने द्वारा की जाने वाली चीजों में भी निर्मलता बनाए रखना पसंद करते हैं।

लाल रंग

लाल रंग आमतौर पर खतरे का संकेत देता है। हालांकि, रंगों का अर्थ विभिन्न पहलुओं में अलग-अलग होता है। अगर आपको लाल रंग पसंद है तो बताता है कि आप बाहरी दुनिया को पसंद करने वाले स्वभाव के हैं। आप आसानी से दोस्त बना सकते हैं और अजनबियों से बात कर सकते हैं। आप अपना जीवन एक राजा या रानी की तरह जीने में विश्वास रखते हैं। आप बिना किसी डर के अपने सपनों (जानें सपनों का मतलब) को समर्पित रहते हैं और उनके पीछे भागते हैं। इतना ही नहीं आप हर हाल में अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करते हैं।

गुलाबी रंग

आपका व्यक्तित्व आकर्षक है और आप अपने आस-पास के लोगों को सहज महसूस कराते हैं। आप स्वभाव से भावुक हैं और अपनी भावनाओं का सामना करने से नफरत करते हैं। आप अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन को संतुलित बनाए रखना पसंद करते हैं क्योंकि आप दोनों को समान रूप से महत्व देते हैं। आप सपने देखने वाले स्वतंत्र उत्साही स्वभाव के व्यक्ति हैं।

नीला रंग

आपकी पसंद के रंग के हिसाब से ऐसा हो सकता है कि जब आप बहुत ही मधुर और मृदुभाषी दिखने की कोशिश करते हैं, तो लोगों को यह नहीं पता होता है कि आपके पास एक और पक्ष है जहां आप कठिन परिस्थितियों में अपने लिए खड़े हो सकते हैं। आप वफादार हैं और दोस्तों और परिवार के बहुत करीब हैं। आप स्वभाव से बहुत अधिक संवेदनशील भी हैं और नाटकीय परिस्थितियों को प्रोत्साहित नहीं करते हैं।

हरा रंग

यदि आपका पसंदीदा रंग हरा है तो आप एक स्वतंत्र उत्साही व्यक्ति हैं और जीवन में रोमांच का आनंद लेते हैं। आप एक अत्यंत सामाजिक, अविश्वसनीय, स्नेही और वफादार व्यक्ति हैं। हालांकि, आप अक्सर बेचैन रहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप एक चतुर व्यक्ति हैं, जो व्यापार प्रवृत्तियों के बारे में सहज समझ रखते हैं।

सफेद रंग

आप हर चीज में अच्छाई देखना पसंद करते हैं। आप एक ऐसे व्यक्ति हैं जो लोगों को शांत कर सकते हैं और स्वयं शांत रहने में विश्वास करते हैं। आप अक्सर अपने शब्दों को सावधानी से चुनते हैं और हर कोई आपके बारे में बहुत कुछ नहीं जानता है। आप एक दयालु आत्मा हैं और लोगों की मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं, भले ही वे अजनबी क्यों न हों।

पीला रंग

यह परिभाषित करता है कि आप एक बहुत ही दिलकश स्वभाव के व्यक्ति हैं। आप आशावादी हैं और गलत होने वाली चीजों को छोड़ने से इंकार करते हैं। आप बहुत ज्यादा भरोसेमंद हैं और हमेशा जीवन के उज्जवल पक्ष को देखते हैं। आप गौरवशाली हैं और किसी भी जगह पर अपनी राय देने से डरते नहीं हैं। आपके व्यक्तित्व की वजह से लोग आपकी कंपनी पसंद करते हैं।

पर्पल कलर

आप एक कहानीकार हैं और दूसरे लोगों के विचार और राय सुनना पसंद करते हैं। आप स्वभाव से होशियार और मजाकिया हैं। आपको लोगों को सलाह देना पसंद है और आप इसे अपने दिल से पसंद करते हैं। आप स्वभाव से स्वतंत्र हैं और अपने आप में ऐसी क्षमता रखते हैं जो आपको दूसरों से अलग बनाती है।
इस तरह आपके पसंद के रंगों से आपके व्यक्तित्व का पता लगाया जा सकता है। हालांकि ये एक सामान्य अवधारणा है और हर एक व्यक्ति के हिसाब से अलग प्रभाव डालती है।

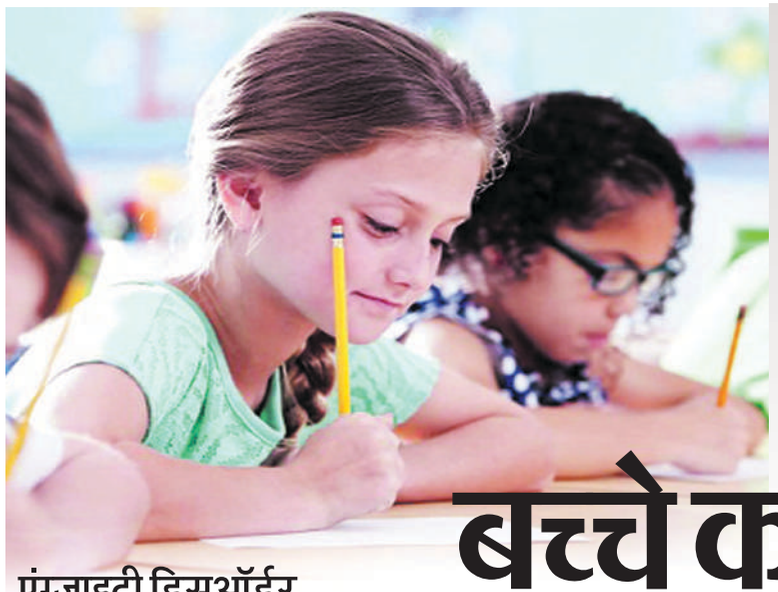

बच्चे का हौसला बनें

सारा साल पढ़ाई स्कूल जाने के बाद बच्चों में जहां फाइनल एग्जाम का डर बना रहता है, वहीं इस बात की खुशी भी होती है कि वह नई क्लास में जाने वाले हैं। इसी के साथ पेरेंट्स को यह परेशानी सताती है कि कहीं इस बार पढ़ाई में उनके बच्चे के आगे कोई और स्टूडेंट न निकल जाए। अव्वल आने की इस होड़ में पेरेंट्स द्वारा बनाया गया दवाब उनके लिए मानसिक परेशानी बन जाता है। ऐसे में बच्चो को डांट-फटकार कर पढ़ाने की बजाए उनकी प्रॉब्लम को समझने की जरूरत है। कई बार तो कुछ पेरेंटस बच्चों को न पढ़ने पर सजा भी देते हैं, जो कि बिल्कुल गलत बात है। मनोविज्ञानिक भाषा में इस समस्या को एंग्जाइटी डिसऑर्डर कहते हैं। बच्चे को इसमें धकेलने की बजाए इससे निकालने की कोशिश करें।

एंग्जाइटी डिसऑर्डर

बहुत से बच्चों में यह समस्या देखने को मिलती है। इस समस्या के कारण उनका स्वभाव बहुत ही चिड़चिड़ा हो जाता है, जिसके कारण वह जो कुछ भी परीक्षा के लिए याद करते है वह सब कुछ भूल जाते हैं। फेल होने का डर, आत्मविश्वास में कमी भी इसी समस्या की निशानी है। कई बार तो तनाव से ग्रसित बच्चे घर से स्कूल के लिए निकल जाते हैं लेकिन स्कूल पहुंचते ही नहीं। इसी वजह से कुछ बच्चे गलत संगत में भी फंस जाते हैं। ऐसे में माता-पिता को उसे डांट कर पढ़ाने की बजाए प्यार से समझाने की जरूरत है। पढ़ाई में आने वाली मुश्किलों के लिए डांटें नहीं बल्कि उनकी मदद करें। इन तरीकों से तनाव रहित कर सकते हैं।

टाइम-टेबल को दें अहमियत

अगर आप चाहते है कि आपके बच्चे परीक्षा के दिनों में घबराएं नहीं तो आप शुरू में ही उनकी पढ़ाई का टाईम-टेबल बनाएं ताकि समय रहते उनका पाठ्यक्रम पूरा कर सकें। जिससे बाद में उन्हें स्लेबस दोहराने का भी टाईम मिल जाए। इसे अपनाने से उन्हें परीक्षा के दिनों में किसी तरह का डर नहीं रहेगा और वह जो भी याद करेंगे, उसे कभी भी भूलगा नहीं।

पेपर पैटर्न को समझना जरूरी

एग्जाम में बैठने से पहले बच्चों को पेपर का तरीका समझने की बहुत जरूरत होती है। इससे बच्चे को किसी तरह की कंफ्यूजन नहीं रहेगी। ऐसे में आप बच्चे को पिछली बार का पैटर्न पेपर हल करने को दें। इस से भी उनका तनाव बहुत कम होगा। फाइनल परीक्षा में उसे किसी तरह की घबराहट नहीं होगी।

परीक्षा में जाने से पहले

डेट शीट आ जाने पर खुद भी बच्चे के साथ कमर कस लें। उसे पौष्टिक आहार खिलाएं ताकि किसी तरह की कमजोरी उसके प्रदर्शन में बाधा न बने। दूध, ड्राई फ्रूट, दहीं, सूप, सलाद आदि बैस्ट हैं। उस पर किसी तरह का दवाब न डालें, कुछ भी नया पढ़ाने की कोशिश न करें। ऐसा करने से वह पहला पढ़ा भी भूल सकता है। पढ़ाई के अलावा थोड़ा हंसी-मजाक, गेम्स या फिर उसका फेवरेट प्रोग्राम भी देखने को दें लेकिन इसका समय सीमित होना बहुत जरूरी है। इससे वह परीक्षा अच्छे से दे पाएगा।

परीक्षा शुरू होने पर

सबसे पहले परीक्षा में वहीं प्रश्न का जबाव देने की सलाह दें जो उन्हें अच्छी तरह से आता हो। बच्चें प्रश्न पत्र को पढ़ने में हड़बड़ी न करें। अगर आपको किसी प्रश्न का जबाव नहीं आता। उस पर उलझे रहने की बजाए अगले सवाल को हल करें। सारा पेपर हल करने पर इसे जमा करने से पहले एक बार जांच लें। समय सीमा के बारे में बच्चे को बताना भी बहुत जरूरी है।

साड़ी के साथ स्टाइल की जा सकती है यह डिफरेंट स्टाइल बेल्ट

अगर आप एक सिंपल तरीके से साड़ी को पहन रही हैं और उसमें भी अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसके साथ बेल्ट को स्टाइल करें। साड़ी के साथ बेल्ट का चलन पिछले कुछ समय से काफी बढ़ गया है। जिसके कारण आप कई तरह की बेल्ट्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं।

साड़ी हमेशा ही भारतीय महिलाओं के स्टाइल का एक अहम हिस्सा रही है। चाहे घर हो या ऑफिस, महिलाएं इसे हर जगह पहनना पसंद करती हैं। साड़ी आउटफिट के साथ सबसे अच्छी बात यह है कि आप इसे कई अलग-अलग तरीकों से बेहद आसानी से स्टाइल कर सकती हैं और इस तरह आपको हर बार एक न्यू लुक मिलता है। हालांकि, अगर आप एक सिंपल तरीके से साड़ी को पहन रही हैं और उसमें भी अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसके साथ बेल्ट को स्टाइल करें। साड़ी के साथ बेल्ट का चलन पिछले कुछ समय से काफी बढ़ गया है। जिसके कारण आप कई तरह की बेल्ट्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। तो आज हम आपको कुछ ऐसी बेल्ट्स के बारे में बता रहे हैं, जो साड़ी के साथ बेहद अच्छी लगती हैं और आप भी उसे आसानी से कैरी कर सकती हैं।

लेदर बेल्ट

अगर आप एक स्टाइल एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं तो ऐसे में आप लेदर बेल्ट को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं। आमतौर पर, लेदर बेल्ट को जींस या पैंट सूट के साथ पेयर किया जाता है। लेकिन अगर आप साड़ी में अपने स्टाइल को यूनिक बनाना चाहती हैं तो लेदर बेल्ट को स्टाइल करें। हालांकि, लेदर बेल्ट को साड़ी के साथ पहनते समय ध्यान दें कि आपकी साड़ी का कलर भी थोड़ा लाइट ही हो।

वाइड बेल्ट

अगर आप अपनी बेल्ट को ही अपने ओवर ऑल लुक में सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आप एक वाइड बेल्ट को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। साड़ी के साथ वाइड बेल्ट देखने में काफी अच्छी लगती हैं। इन वाइड बेल्ट में आप मैचिंग बेल्ट से लेकर एंब्रायडिड बेल्ट का ऑप्शन चुन सकती हैं।

मैचिंग बेल्ट

यह एक ऐसा लुक है, जो अमूमन महिलाओं को इन दिनों काफी पसंद आ रहा है। इस लुक में आप अपनी साड़ी से मैचिंग बेल्ट को स्टाइल करें। आमतौर पर, इस लुक में आपकी साड़ी से मैचिंग ब्लाउज होता है और उसी मैचिंग फैब्रिक व कलर की बेल्ट को आप साथ में स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह आपको बेल्ट में एक सटल लुक मिलता है, जो देखने में काफी अच्छा लगता है।

एंब्रायडिड बेल्ट

अगर आप किसी पार्टी के लिए रेडी हो रही हैं तो ऐसे में आप एंब्रायडिड बेल्ट के ऑप्शन को चुन सकती हैं। यह बेल्ट आपके लुक को बेहद स्टनिंग बनाता है। इस बेल्ट की मदद से एक सिंपल साड़ी को भी डिजाइनर लुक दे सकती हैं। आप चाहें तो फ्रिल साड़ी के साथ भी एंब्रायडिड बेल्ट को स्टाइल कर सकती हैं।

थिन सिल्वर बेल्ट

यह आपको एक बेहद ही एलीगेंट लुक देता है। इस लुक में आप प्लेन साड़ी के साथ भी थिन सिल्वर बेल्ट को स्टाइल कर सकती हैं। इसे आप केजुअल्स से लेकर पार्टी तक में आसानी से कैरी कर सकती हैं। इस बेल्ट की खासियत यह है कि इसे किसी भी तरह की साड़ी के साथ आसानी से स्टाइल किया जा सकता है।

ब्लैक बेल्ट

अगर आप एक ऐसी बेल्ट की तलाश में हैं जो हर तरह की साड़ी के साथ जचे तो ऐसे में आप ब्लैक बेल्ट को अपनी साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती हैं। आप ब्लैक बेल्ट में भी डिफरेंट स्टाइल के ऑप्शन को चुन सकती हैं। खासतौर से, रेड कलर साड़ी के साथ ब्लैक बेल्ट बेहद ही स्टनिंग लुक देती है।

संक्षिप्त खबरें

हाइवा के धक्के से दो युवकों की गयी जान

जमुई। जमुई-लक्ष्मीपुर मुख्य मार्ग स्थित पाड़ो बिशनपुर गांव के समीप रविवार की दोपहर तेज रफ्तार हाइवा ट्रक के धक्के से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गयी। मृत युवकों की पहचान बरहट थाने के नुमर गांव के नारायण यादव के पुत्र कुसो यादव व नूमर गांव के ही प्रभु यादव के रूप में की गयी है। दोनों बाइक से जा रहे थे। जैसे ही दोनों पाड़ों के समीप पहुंचे कि तेज रफ्तार हाइवा की चपेट में आ गये। इस हादसे में कुसो यादव की मौत मौके पर ही हो गयी, जबकि प्रभु यादव गंभीर रूप से जख्मी हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घायल को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे पटना रेफर कर दिया गया, जहां रास्ते में ही उसकी भी मौत हो गयी।

बोलेरो लेकर फरार होने का आरोप

त्रिवेणीगंज (सुपौल)। थाना क्षेत्र के डपरखा स्थित पूर्व विधायक अमला सरदार के पुत्र पर एक वाहन लेकर फरार होने का आरोप लगा है। इस मामले में थाने में शिकायत दर्ज करायी गयी है। पीड़ित का आरोप है कि पूर्व विधायक के घर पर उनसे मिलने आये थे। बोलेरो एन फोर को पूर्व विधायक के पुत्र राजू सरदार लेकर फरार हो गये। पीड़ित राजेश्वरी थाना क्षेत्र के चरने वार्ड नंबर 07 निवासी विकास सरदार ने थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष रामसेवक रावत ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया है कि शनिवार की दोपहर वह पूर्व विधायक के घर गये थे। वहां चाय पीने के दौरान उन्होंने अपनी गाड़ी की चाबी टेबल पर रख दी और बाहर पेशाब करने गये। इसी दौरान पूर्व विधायक के पुत्र राजू सरदार उनकी बोलेरो लेकर फरार हो गये। जब पीड़ित ने पूर्व विधायक के परिजनों से इस बाबत पूछताछ की तो उन्होंने राजू सरदार के मोबाइल पर कॉल किया। पीड़ित और आरोपित के परिजनों ने कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन आरोपित ने किसी का भी कॉल रिसीव नहीं किया।

मंदिर में डकैतों का धावा, आठ मुकुट व एक लाख रुपये ले गये

- पुजारी को रॉड से पीटा, पत्नी के कान से बाली नोच ली

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लखनौर (मधुबनी)। थाना क्षेत्र के भेलवा टोल में राधाकृष्णन परनामी मंदिर सहित एक घर में शनिवार की देर रात करीब एक दर्जन अपराधियों ने डाका डाल कर लूटपाट की। इस दौरान अपराधियों ने मंदिर के पुजारी से पिस्टल के भय पर एक लाख नकद सहित चांदी के आठ मुकुट, मंदिर के मुख्य पुजारी की पत्नी के कान की बाली सहित अन्य सामान लूट लिये।

वहीं, बगल के एक घर में भी अपराधियों ने लूटपाट की। करीब 15 से 20 लाख रुपये के जेवरात की लूट की संभावना जतायी गयी है। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच जांच की। बताया जा रहा है कि करीब एक दर्जन नकाबपोश अपराधी राधाकृष्णन परनामी मंदिर में प्रवेश किया। बदमाशों ने पुजारी राज कुमार महतो को रूम में जगाकर छाती पर पिस्टल सटा दी। मंदिर का ताला खोलने को कहा। ताला खोलने में विलंब किया, तो अपराधियों ने लोहा के रॉड से पुजारी को पीटा। फिर सहायक पुजारी ने डरकर ताला खोल दिया। अपराधी मंदिर से चांदी के आठ मुकुट लूट लिये। इसके बाद मुख्य पुजारी बज्रकिशोर के कमरे का ताला तोड़कर घर में रखे एक लाख रुपये ले लिये। डकैतों ने पुजारी की पत्नी प्रमीला देवी के कान से बाली छीन ली। इससे उनका कान कट गया।

बगल के घर से 15 लाख से अधिक के जेवरात लूटे : मंदिर में लूटपाट के बाद डकैतों ने बगल में स्थित गणेश महतो के घर पर धावा बोला। दरवाजा तोड़ कर अंदर प्रवेश किया। गृहस्वामी को हथियार के बल पर कब्जे में ले लिया। घर से 15 लाख से अधिक के जेवर लूट लिये। मंदिर के पुजारी ने बताया कि सभी अपराधी भोजपुरी भाषा में बात कर रहे थे। सभी नकाबपोश और हाफ पेंट पहने थे। लूटपाट के बाद अपराधी भाग गये। इसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गयी। डीएसपी पवन कुमार ने बताया कि बदमाशों ने मंदिर से आभूषण लूट लिया। बगल के घर से जेवरात वगैरह लूटा है। जांच की जा रही है। जल्द अपराधी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

लखीसरायः दोहरे हत्याकांड में पुलिस ने चार आरोपितों को किया गिरफ्तार

चानन (लखीसराय)। बन्नू बगीचा थाने की पुलिस ने दोहरे हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में पूर्व में जहां एक किशोरी व एक युवती सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया था, वहीं शनिवार को चार अन्य युवकों को भी विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया है। बता दें कि 26 फरवरी को लाखोचक के पास ब्राह्मणी पहाड़ी पर से एक किशोर व एक युवक का क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया था, जिनकी पहचान विगत 18 फरवरी से लापता जानकीडीह गांव निवासी तनिक यादव के 19 वर्षीय पुत्र अभिषेक कुमार उर्फ गोलू कुमार तथा बतसपुर खिल्हा निवासी अनिल यादव के 14 वर्षीय पुत्र मिक्कू कुमार उर्फ विक्की के रूप में की गयी थी। 18 फरवरी से लापता होने के बाद मृतक की मां बबीता देवी ने 21 फरवरी को नक्सल थाना बन्नू बगीचा में मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने न्यू बरमसिया कोड़ासी निवासी स्व रंजीत कोड़ा की पत्नी क्रांति देवी एवं जमुई जिले के ताजपुर गांव निवासी संजय महतो के पुत्र सचिन कुमार सहित एक नाबालिग किशोरी को गिरफ्तार किया था। पूछताछ करने के बाद 25 फरवरी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था। पूछताछ के बाद से पुलिस बाकी अपराधियों की धरपकड़ के लिए छापेमारी करने लगी। इसी क्रम में शनिवार की रात विभिन्न स्थानों से मामले में संलिप्त चार अन्य अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

पलानीनुमा घर में आग लगने से सभी सामान जले

मढौरा (सारण)। गौरा थाना क्षेत्र के सलिमपुर गांव में एक पलानीनुमा धर में आग लगने से घर में रखे गए सभी सामान जलकर नष्ट हो गए। आग लगने के कारण घर में बांधी गई बकरी, स्वच्छता अभियान के तहत कचड़ा ढोने के लिए रखा गया रिक्शा भी जलकर राख हो गया। घटना को लेकर पीड़ित सलिमापुर निवासी उमेश मांझी के द्वारागौरा थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है जिसमें गाँव के ही सुरेन्द्र मांझी, मंगल मांझी सहित सात व्यक्तियों को आरोपित किया गया है।

पेज एक का शेष

जैक बोर्ड पेपर...

पिछले दिनों छह आरोपी हुए थे गिरफ्तार : पुलिस ने पिछले दिनों गिरिडीह के न्यू बरगंडा स्थित मकान से गिरफ्तार किये गये छह आरोपियों रोहित कुमार, मुकेश कुमार, लालमोहन कुमार, अंशु कुमार पांडेय, कृष्णा कुमार पांडेय व कमलेश कुमार को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया। पुलिस ने इन सभी को अदालत से तीन दिनों के रिमांड पर लिया था। रिमांड अवधि में इनसे प्रश्नपत्र कैसे लीक किया गया और इसमें किसकी भूमिका है इसे जानने का प्रयास पुलिस ने किया। हालांकि, पूछताछ में आरोपियों ने क्या राज उगला है? इसे पुलिस पदाधिकारी बताने से बच रहे हैं, पर शुरुआती पूछताछ में यह बात सामने आयी थी कि मास्टरमाइंड कमलेश ने अपने साथी मुकेश के साथ मिलकर प्रश्नपत्र को उस समय लीक किया था, जब उसे गिरिडीह में बनाये गये स्ट्रांग रूम में वाहन से अनलोड किया जाना था। कमलेश ने प्रश्नपत्र चोरी करने के बाद सबसे पहले अपनी कथित प्रेमिका को इसे भेजा था, जबकि बाद में कुछ लोगों से पैसे लेकर प्रश्नपत्र उपलब्ध कराया गया था। बाद में यही प्रश्नपत्र अन्य आरोपियों ने वायरल किया।

पेपर लीक मामले में दो और गिरफ्तार : कोडरमा के एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह ने कहा कि जैक का प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि गिरिडीह से गिरफ्तार किये गये छह आरोपियों की तीन दिन की रिमांड अवधि खत्म होने पर उन्हें भी जेल भेज दिया गया है। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर आगे की जांच की जा रही है।

जमशेदजी टाटा...

नए स्वास्थ्य सुविधाओं की शुरुआत : इस साल की जयंती पर कंपनी की ओर से शहरवासियों को स्वास्थ्य सेवाओं में नई सुविधाएं मिलेंगी। इनमें से सबसे प्रमुख हैं – मैहर बाई टाटा कैंसर अस्पताल में मॉडर्न ओटीटीएमएच की शुरुआत, स्पाइन क्लिनिक और स्ट्रोक यूनिट का उद्घाटन। इसके अतिरिक्त, शहर में पशुओं के लिए शमशान की शुरुआत की जाएगी।

शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक पैदल और रात 10 से 11 बजे तक वाहन से लाइटिंग देख सकेंगे लोग : जुबली पार्क में 3 से 5 मार्च तक रोशनी का विशेष आयोजन रहेगा, जहां लोग शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक पैदल और रात 10 से 11 बजे तक वाहन से लाइटिंग देख सकेंगे। वाहनों की एंट्री और निकासी सेंटर फॉर एक्सीलेंस गेट से होगी।

हेमंत सोरेन सरकार...

लोगों की सलाह से बना बजट : इस बार बजट में जनता की राय को जगह दी गई है। ऑनलाइन तरीके से सरकार को 1,123 सुझाव मिले हैं, जिन पर विचार चल रहा है। इनमें उद्योग बढ़ाने, हवाई अड्डों पर माल ढुलाई की सुविधा, फ्लाई ऐश ईंटों का इस्तेमाल, छोटे कारोबारियों को मदद और ₹एक जिला एक उत्पाद₹ योजना में जियो-टैगिंग जैसे बड़े सुझाव शामिल हैं।

विकास की मजबूत शुरुआत की तैयारी : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि यह बजट झारखंड के लंबे समय के विकास की नींव रखेगा और राज्य की बड़ी समस्याओं को हल करेगा। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बताया कि इस बार बजट बड़ा होगा, जिससे नई योजनाओं और सड़क-बिजली जैसे ढांचे में ज्यादा पैसा लगाया जा सकेगा। रोजगार बढ़ाने और खुद का काम शुरू करने के मौके देने पर भी जोर रहेगा, ताकि झारखंड तरक्की कर सके।

नई सोच और जोश के साथ आगे बढ़ने का प्लान हेमंत सोरेन की सरकार इस बजट से नई सोच और ताकत के साथ काम शुरू करना चाहती है। इसका मकसद विकास को तेज करना और हर वर्ग को फायदा पहुंचाना है। सरकार नई तकनीक, डिजिटल बदलाव और सबको साथ लेकर चलने पर ध्यान देगी, ताकि झारखंड मजबूत और आत्मनिर्भर बन सके।

सदन में अभी तक नहीं उठा 1932, नौकरी और सरना धर्म कोड का मुद्दाः झारखंड विधानसभा, बजट सत्र के चार दिन खत्म हो गए हैं। इन चार दिनों में झारखंड के निर्वाचित सभी विधायकों में से अगर एक-दो विधायकों को छोड़ दिया जाए, तो किसी भी विधायक ने राज्य के सबसे जरूरी और ज्वलंत मुद्दे पर अभी तक बात नहीं की। फिर चाहे वो खतियान आधारित स्थानीय नीति हो, नियोजन नीति हो, जेएसएससी कलेंडर की बात हो, युवाओं के नौकरी की बात हो, सरना धर्म कोर्ड हो, ओबीसी आरक्षण हो, राज्य की कानून व्यवस्था हो या पेसा कानून हो ऐसे कई और मुद्दे हैं, जो झारखंड और झारखंडियों के लिए जरूरी हैं, लेकिन इस चार दिनों के दौरान ना तो सदन के अंदर और ना सदन के बाहर इन विषयों पर चर्चा हुई।

बिना नेता प्रतिपक्ष...

कई नेताओं के नाम की चर्चा : प्रदेश भाजपा द्वारा नेता प्रतिपक्ष चुना नहीं गया है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में कुछ वरिष्ठ नेताओं के नाम की चर्चा चल रही है। सर्वप्रथम भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व में मंत्री और विधानसभा स्पीकर साथ ही वर्तमान रांची विधायक सीपी सिंह का नाम जोरों से चर्चा में है। कहा जा रहा है कि उनके अनुभव और पार्टी के प्रति कर्मठता को देखते हुए उन्हें नेता प्रतिपक्ष बनाया जा सकता है। नेता प्रतिपक्ष के लिए दूसरा नाम नीरा यादव है, जिनको लेकर कहा जा रहा है कि पार्टी अगर किसी महिला को नेता प्रतिपक्ष बनायेगी तो वह नीरा यादव होंगी।

नीरा यादव कोडरमा विधानसभा से विधायक हैं। वहीं, OBC समाज से आने वाले नवीन जायसवाल भाजपा के वरिष्ठ विधायकों में से एक माने जाते हैं। हटिया विधानसभा से जीत हासिल करने वाले नवीन जायसवाल OBC समाज का वोट भाजपा को दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए माना जा रहा भाजपा इनके नाम पर भी मोहर लगा सकती है।

ईपीआईसी नंबर एक...

आयोग का कहना है कि ईपीआईसी नंबर चाहे जो भी हो, कोई भी मतदाता अपने राज्य के अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में निर्धारित मतदान केंद्र पर ही वोट डाल सकता है, जहां उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज होता है, न कि कहीं और। चुनाव आयोग ने एक नई पहल करते हुए मतदाताओं को यूनीक ईपीआईसी नंबर आवंटित करने का निर्णय भी लिया है। आयोग का कहना है कि कुछ मतदाताओं के ईपीआईसी नंबर समान हो सकते हैं, लेकिन समान ईपीआईसी नंबर वाले मतदाताओं के लिए जनसांख्यिकीय विवरण, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र और मतदान केंद्र सहित अन्य विवरण अलग-अलग हैं।

चुनाव आयोग ने मतदाता सूची में हेराफेरी के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि डुप्लिकेट मतदाता पहचान पत्र नंबर होने का मतलब यह नहीं है कि मतदाता फर्जी है।

आयोग का यह स्पष्टीकरण विभिन्न सोशल मीडिया पोस्ट के जवाब में रविवार को सामने आया है। गौरतलब है कि कई विपक्षी दलों ने भी मतदाताओं को जारी किए गए एक समान ईपीआईसी नंबर को लेकर चिंता जाहिर की है।

चुनाव आयोग का कहना है कि किसी भी आशंका को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। आशंका दूर करने के लिए पंजीकृत मतदाताओं को यूनीक ईपीआईसी नंबर आवंटित करने का निर्णय भी लिया गया है। डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबर के किसी भी मामले को एक यूनीक ईपीआईसी नंबर आवंटित करके ठीक किया जाएगा। इस प्रक्रिया की सहायता के लिए ईआरओएनईटी 2.0 प्लेटफॉर्म को अपडेट किया जाएगा।

पूर्व सेबी प्रमुख...

शिकायतकर्ता ने क्या लगाए आरोप? : आरोप में कहा गया है कि एक कंपनी को 1992 के सेबी अधिनियम और उसके तहत नियमों और विनियमों के अनुपालन के बिना स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग की गई थी। आरोप में कहा गया है कि इस लिस्टिंग में नियामक एजेंसियां, खास तौर से सेबी की सक्रिय मिलीभगत रही है। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि सेबी के अधिकारियों अपनी वैधानिक जिम्मेदारी निभाने में नाकामयाब रहे हैं। आरोप लगाया गया कि सेबी ने बाजार में हेरफेर को शह दिया और एक ऐसे कंपनी को लिस्टिंग की इजाजत दिया जो तय मानदंडों को पूरा नहीं करती थी।

शिकायतकर्ता ने कहा कि पुलिस स्टेशन और संबंधित नियामक निकायों से कई बार संपर्क करने के बावजूद, उनके द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।

रेस्क्यू अभियान पूरा...

उसके बाद लापता चल रहे चार अन्य श्रमिकों की खोजबीन के लिए रविवार को फिर तीनों रेस्क्यू टीमों ने सर्च अभियान चलाया।

दोपहर करीब एक बजे पहले एक शव बरामद हुआ। उसके बाद दो अन्य श्रमिकों के शव भी बरामद हुए। अंतिम लापता व्यक्ति का शव दोपहर करीब चार बजे बरामद कर लिया गया। जिसके बाद हादसे में मृतकों की संख्या आठ हो गई। अंतिम व्यक्ति का शव मिलने के साथ ही रेस्क्यू अभियान भी समाप्त कर दिया गया।

ज्योतिर्मठ सेना अस्पताल में भर्ती हैं घायल : माणा से सभी श्रमिकों को हेलीकॉप्टर से ज्योतिर्मठ स्थिति सेना के अस्पताल में लाया गया है। सबसे बाद में मिले शव को भी लाने का प्रयास किया जा रहा है। स रेस्क्यू अभियान में सेना के सात और एक निजी हेलीकॉप्टर की मदद ली गई। जिनसे श्रमिकों को माणा से ज्योतिर्मठ लाया गया। दो श्रमिक एम्स ऋषिकेश भेजे गए। अन्य का आर्मी अस्पताल ज्योतिर्मठ में उपचार चल रहा है। इस बाबत चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने कहा कि हिमस्खलन की चपेट में 54 लोग आए थे, 46 को सुरक्षित निकाल लिया गया। आईटीबीपी और सेना से मिली जानकारी के अनुसार जो अंतिम व्यक्ति लापता था उसका शव भी बरामद हो गया है। हादसे में कुल आठ लोगों की जान गई है। सात शव आर्मी अस्पताल ज्योतिर्मठ पहुंच गए हैं, एक शव अभी माणा क्षेत्र में है, उसे भी हेलीकॉप्टर से लाने की कार्रवाई की जा रही है।

सरकारी नौकरी और...

झारखंड में 56 लाख से अधिक लाभुकों को दिसंबर तक की राशि मिली है।

ये महिलाएं नहीं ले सकती हैं मंईयां योजना का लाभ : मंईयां योजना का लाभ लेने के लिए निर्धारित शर्त के अनुरूप आवेदन करनेवाली महिला का पति या वह खुद केंद्र सरकार, राज्य सरकार का कर्मी नहीं हो। इसके अलावा राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, विधिक निकाय, शहरी निकाय या सरकार से सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थान में नियमित/स्थायी कर्मी/संविदा कर्मी/मानेदय कर्मी के रूप में नियोजित नहीं हो। सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन/पारिवारिक पेंशन प्राप्त नहीं करती हो। इसके अलावा वैसी कर्मी जो इपीएफ खाताधारी हैं, वह भी इस योजना का लाभ नहीं ले सकती है।

मानदेय और संविदा कर्मी के मामले सबसे अधिक : रांची जिले में आवेदन के सत्यापन के दौरान जो मामले सामने आये हैं, उनमें वैसे कर्मी जिन्हें मानदेय मिलता है या फिर संविदा पर कार्यरत कर्मी की पत्नी सबसे अधिक हैं। आंगनबाड़ी सेविका, पोषण सखी, जल सहिया, होमगार्ड ने भी इसका लाभ लिया है। कुछ महिला लाभुक ऐसी भी हैं, जिनके पति सरकारी नौकरी करते हैं या फिर इनकम टैक्स के दायरे में आते हैं।

झारखंड के 'ट्री मैन'...

इसी बीच रविवार की सुबह करीब चार बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। वह अपने पीछे एक पुत्री व पत्नी छोड़ गये हैं। उनके निधन से समूचे क्षेत्र में शोक की लहर है। अहले सुबह सोशल मीडिया में खबर फैलते ही अंतिम दर्शन करने वालों का तांता लग गया।

चार दशक तक वन सुरक्षा अभियान का किया नेतृत्व : दिवंगत महतो ने करीब चार दशक तक वन सुरक्षा अभियान का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्हें अनेक संघर्षों का सामना करना पड़ा, पर अपने अभियान से कभी पीछे नहीं हटे। उनके नेतृत्व एवं प्रयास से राज्य में लगभग साढ़े चार सौ ग्राम स्तरीय वन प्रबंधन समितियों का गठन हुआ है। सैकड़ों जंगल, जो आज से तीन चार दशक पहले पूरी तरह से कटकर वीरान हो गये थे, वे फिर से लहलहा उठे हैं। स्व। महतो झारखंड सरकार के अलावा कई जगहों पर सम्मानित हो चुके थे। वन विभाग में भी उनका नाम काफी आदर और सम्मान से लिया जाता है। 2015 के पंचायत चुनाव में कसमार दक्षिणी क्षेत्र से जिला परिषद सदस्य भी निर्वाचित हुए थे। उनके निधन पर जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों के अलावा वन विभाग के वरीय अधिकारियों ने भी गहरा शोक जताया है।

जंगल बचाने की चलायी थी मुहिम : 40 साल पुरानी बात है। बोकारो के हिसीम पहाड़ और इसकी तलहटी पर स्थित जंगल तेजी से साफ हो गये थे। अधिकतर जगहों पर तो जंगल के नाम पर केवल ठूंठ बचे थे। इन जंगलों के उजड़ने के पीछे इलाके में सक्रिय लकड़ी माफिया तो थे ही, ग्रामीण भी कम जिम्मेदार नहीं थे। रोजी-रोटी के लिए ग्रामीणों ने स्वयं भी लकड़ी काटकर बेचना शुरू किया। ग्रामीणों में जंगल के प्रति जागरूकता तब आयी, जब जंगल लगभग खत्म हो गये और ठूंठों को भी उखाड़ने की नौबत आने लगी। ठूंठ भी न बचेंगी तो क्या होगा? मूलतः इसी सोच और सवाल ने ग्रामीणों को चिंतित-परेशान करना शुरू किया और यही इनकी जागरूकता का कारण बना।

छह हजार कर्मियों का...

इस संबंध में दी गयी जानकारी जिला कोषागार पदाधिकारी सह - पेंशन एवं लेखा पदाधिकारी उज्जवल कुमार चौरसिया द्वारा हजारीबाग जिला अंतर्गत मुख्यालय से प्राप्त 48 सेवानिवृत्त कर्मी, के अलावा वैसे कर्मी जो सेवानिवृत्ति के पश्चात अपने-अपने घर चले गए थे तथा कार्यालय के पास उनके वर्तमान आवासीय पता एवं मोबाइल नंबर भी उपलब्ध नहीं था,से संपर्क स्थापित कर कार्यालय बुलाकर एनपीएस में जमा सरकारी अंशदान एवं लाभांश की राशि चालान के माध्यम से सरकारी खजाने में जमा कराया। उनके पेंशन प्रपत्र को भर कर महालेखागार कार्यालय, झारखंड, रांची को उपलब्ध करा दिया गया है। साथ ही साथ वैसे छुटे हुए सेवा निवृत कर्मी जो किसी कारण से अभी तक पुरानी पेंशन योजना का लाभ नहीं ले पाये है,उन्हें भी सरकार के इस सराहनीय कार्य (पुरानी पेंशन योजना) का लाभ पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे है। पेंशन कार्यालय द्वारा सेवानिवृत दिब्याँग पेंशनरों को पेंशन की सुविधा उपलब्ध कराने महालेखाकार द्वारा उपलब्ध कराये गये प्राधिकार पत्र के आधार पर उनके घर जाकर पेंशन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है ।

पलामू प्रमंडल में...

लातेहार में दिसंबर में एक लाख 46 हजार लाभुकों के खाते में राशि भेजी गयी थी, जबकि वर्तमान में एक लाख छह हजार लाभुकों का ऑनलाइन डाटा है, जबकि गढ़वा जिला में दिसंबर 2024 तक दो लाख 42 हजार लाभुकों के खाते में राशि प्राप्त हुई थी, लेकिन एक मार्च को मात्र एक लाख 65 हजार लाभुकों का डाटा अपलोड है।

ऑनलाइन डाटा में लाभुकों की संख्या हुई कमः राज्य स्तर पर सभी जिलों के साथ विभाग द्वारा ऑनलाइन बैठक पिछले दिनों की गयी थी। शनिवार को ऑनलाइन डाटा में लाभुकों की संख्या काफी कम थी। इस संबंध में सामाजिक सुरक्षा विभाग की निदेशक समीरा एस के मोबाइल नंबर 7061792769 पर बात करने की कोशिश की गयी, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। किसी भी जिले के अधिकारी ने इस संबंध में बोलने से परहेज किया।

रमजान में मुस्लिम...

बता दें आदेश में राज्यपाल और संयुक्त सचिव के हवाले से जारी किया गया है। इस आदेश को लेकर बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने सोरेन सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने कहा है कि "झारखंड राज्य को इस्लामिक राज्य घोषित करने का समय आ गया है। कांग्रेस का हाथ केवल मुसलमानों के साथ।"

बता दें 2 मार्च यानी आज से रमजान का पाक महीना शुरू हो गया है। रमजान साल का नौवां महीना होता है। इस्लाम धर्म में रमजान के महीने का खास महत्व होता है। इस महीने इस्लाम धर्म के लोग पूरी शिद्दत से खुदा की इबादत करते हैं और रोजा रखते हैं। प्रत्येक दिन रोजा रखने वाले मुसलमान रमजान के आखिरी दिन अल्ला का शक्रिया अदा करते हुए ईद-उल-फितर का त्योहार मनाते हैं।

ड्रग मुक्त भारत...

मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया और प्रत्येक को 2 लाख रुपये के जुर्माने के साथ 12 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। चंडीगढ़ जोन में एनसीबी के अधिकारियों ने लुधियाना के डीएचएल एक्सप्रेस में 438 ग्राम अफीम से भरे दो हॉकी स्टिक वाले पार्सल को रोका था। इसमें गिरफ्तार दो आरोपियों को अफीम को कनाडा ले जाने के प्रयास में उनकी भूमिका के लिए पंजाब की एक अदालत ने तीन साल कैद की सजा सुनाई थी।

विज्ञप्ति में कहा गया कि एनसीबी ने 2021 में चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पर 390 ग्राम चरस रखने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। जांच पूरी होने पर एक विशेष अदालत ने उसे छह महीने जेल की सजा सुनाई। जून 2021 में एनसीबी ने कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर जिम्बाब्वे की एक महिला को रोका। उसके पास से 2।910 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई और जब्त की गई। उसे एर्नाकुलम की अदालत ने 11 साल जेल की सजा सुनाई।

वहीं जनवरी 2018 में 450 ग्राम चरस के साथ देहरादून में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई। उसे एक साल जेल की सजा सुनाई गई। 2021 में दो आरोपियों के कब्जे से 1।950 किलोग्राम चरस जब्त की गई। मामले में जनवरी 2025 में अदालत ने आरोपी को 10 साल जेल की सजा सुनाई। फरवरी 2021 में एनसीबी ने तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में 681।8 किलोग्राम गांजा जब्त किया। आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उन्हें अदालत ने 10 साल की जेल की सजा सुनाई।

सितंबर 2021 में एनसीबी ने मध्य प्रदेश के सिवनी में 152।665 किलोग्राम गांजा जब्त किया। चार लोगों को गिरफ्तार किया गया और विशेष अदालत ने 15 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। जुलाई 2020 में पश्चिम बंगाल के प्लासी और कृष्णानगर के बीच एक ट्रक से 1,301 किलोग्राम गांजा जब्त किया। दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से एक को 15 साल के कारावास की सजा सुनाई गई।

चतराः धमकी...

चतरा, पलामू, लातेहार और हजारीबाग जिले के अलग-अलग थानों में उसके खिलाफ 75 केस दर्ज हैं। एसपी ने कहा है कि 15 लाख के इनामी टीएसपीसी उग्रवादी समेत 4 लोगों की 1 मार्च 2025 को हंटरगंज थाना क्षेत्र के पतसुगिया पुल के पास से गिरफ्तारी हुई है। सभी एक कार में पलामू की ओर जा रहे थे। पुलिस को इनसे पूछताछ में कई अहम जानकारी मिलने की उम्मीद है।

महाकुंभ से लौटते समय पुलिस के हत्थे चढ़ा था आक्रमण गंझू : पुलिस ने भले आज आक्रमण की गिरफ्तारी की पुष्टि की हो, उसकी मां और 2 भाईयों ने 24 फरवरी 2025 को ही दावा किया था कि आक्रमण गंझू को उसकी पत्नी और 2 ड्राइवर के साथ पुलिस ने उठा लिया है। मीडियाकर्मियों को फोन करके परिजनों ने यह जानकारी दी। आक्रमण की मां और दो भाइयों ने आशंका जतायी थी कि पुलिस उन चारों का एनकाउंटर कर सकती है।

टीएसपीसी ने पुलिस को दिया था अल्टीमेटम पुलिस ने आक्रमण की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की, तो टीएसपीसी ने परचा जारी कर पुलिस को अल्टीमेटम दे दिया। टीएसपीसी के उग्रवादियों ने चेतावनी दी कि आक्रमण गंझू समेत 4 लोगों को अगर 24 घंटे में कोर्ट में पेश नहीं किया गया, तो पुलिस-प्रशासन को भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है। टीएसपीसी के रीजनल कमांडर मंजीत ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दावा किया था कि आक्रमण समेत 4 लोगों को पुलिस कस्टडी में टॉर्चर किया गया जा रहा है।

टीएसपीसी की धमकी के बाद अलर्ट मोड में थी चतरा पुलिस : इस धमकी के बाद चतरा और आसपास के इलाकों में पुलिस ने सुरक्षा कड़ी कर दी थी। नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों को चौकस रहने के निर्देश दिये गये थे। संवेदनशील इलाकों की ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी शुरू कर दी गयी। चतरा एसपी ने पुलिस बल को अलर्ट रहने के निर्देश दिये थे। स्पष्ट निर्देश दे दिया था कि अगर कोई उग्रवादी या नक्सली गतिविधि होती है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने से पीछे न हटें।

मां और भाईयों ने चतरा के मीडियाकर्मियों को किया था फोन : टीएसपीसी से पहले आक्रमण की मां रुक्मिणी देवी और उसके दो भाईयों जगन्नाथ सिंह भोक्ता और हेमंत सिंह भोक्ता ने चतरा जिले के मीडियाकर्मियों को फोन किया और बताया कि महाकुंभ से लौटते समय आक्रमण, उसकी पत्नी नीलम देवी और उसके 2 ड्राइवरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पलामू, लातेहार, हजारीबाग और चतरा में सक्रिय आक्रमण गंझू की गिरफ्तारी पर झारखंड पुलिस ने 15 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। वहीं, नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआइए) ने भी उस पर 3 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

झारखंड

जोधपुर से 27 लाख रुपये लेकर रांची आये कारोबारी की सिर काटकर हत्या

- रांची से सटे खूंटी जिले में दो दिन पहले मिले शव की हुई शिनाख्त
- पुखराज के भाई ने पुलिस को बताया है कि वह 27 लाख रुपये लेकर जोधपुर से रांची गया था
- पुखराज इतनी बड़ी रकम लेकर रांची क्यों आया था, यह पता नहीं चल पाया है। पूरे मामले की जांच में जुटी पुलिस

रांची। राजस्थान के जोधपुर जिले से झारखंड की राजधानी रांची आए कोयला कारोबारी पुखराज कुमार की सिर काटकर हत्या कर दी गई।रांची से सटे खूंटी जिले में दो दिन पहले सड़क किनारे एक व्यक्ति का सिर कटा शव मिला था। रविवार को मृतक की शिनाख्त पुखराज कुमार के रूप में हुई। पुखराज के भाई ने पुलिस को बताया है कि वह 27 लाख रुपये लेकर जोधपुर से रांची गया था। गत 27 फरवरी को उससे फोन पर आखिरी बातचीत हुई थी। शव की शिनाख्त होने के बाद पुलिस इस वारदात को अंजाम देने वाले अपराधियों की तलाश में जुटी है।

खूंटी जिले के मारंगहादा थाना क्षेत्र के कुजराम-चुकरूमोड़ सड़क पर जानुमडीह मोड़ के पास शुक्रवार की सुबह सिर कटा शव बरामद होने की खबर सोशल मीडिया और विभिन्न न्यूज प्लेटफॉर्म पर चलने के बाद कारोबारी पुखराज कुमार के परिजनों ने आशंका के आधार पर यहां की पुलिस से संपर्क किया था। उन्होंने पुलिस को पुखराज कुमार का जो हुलिया बताया, उसके आधार पर यह आशंका सही निकली। इसके बाद उनके परिजन खूंटी पहुंचे। उनके द्वारा दिए गए दस्तावेज और तस्वीर के आधार पर शव की शिनाख्त हुई है। इसके बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस कटे हुए सिर की बरामदगी की कोशिश में जुटी है। पुखराज मूल रूप से राजस्थान के जोधपुर जिले के हिंम्बोली गांव का रहने वाला था। वह कोयले के कारोबार से जुड़ा था। उसके भाई के अनुसार, पुखराज के पास 27 लाख रुपये थे। उसने फोन पर बताया था कि उनकी मुलाकात यहां तबारक, लक्ष्मण और राज नामक युवकों से हुई थी। उसे इन्हीं लोगों ने घर पर रुकवाया था। इसके बाद उससे संपर्क नहीं हो पाया था। उनका मोबाइल लगातार बंद मिल रहा था। पुखराज इतनी बड़ी रकम लेकर रांची क्यों आया था, यह पता नहीं चल पाया है। पुलिस पूरे मामले की तहकीकात और अपराधियों की गिरफ्तारी में जुटी है। डीएसपी वरुण रजक ने दावा किया कि जल्द ही हत्याकांड में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

मुंबई हवाई अड्डे पर 11 करोड़ की कोकीन जब्त, महिला गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चेकिंग के दौरान राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने एक महिला को करोड़ों रूपये की कोकीन की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। महिला ब्राजील की निवासी है, जो भारत में कोकीन की तस्करी करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन चेकिंग के दौरान उसे पकड़ लिया गया। महिला शातिर तरीके से कोकीन के कैप्सूल निगलकर ब्राजील से भारत आई थी। बताया गया है कि महिला अपने पेट के अंदर करीब 11 करोड़ की कोकीन छिपाकर तस्करी कर ब्राजील से मुंबई ला रही थी, लेकिन तस्कर महिला को मुंबई एयरपोर्ट पर ही पकड़ लिया गया। डीआरआई के अधिकारियों ने उस ब्राज़ीलियाई महिला को साओ पाउलो से भारत में ड्रग्स की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। महिला ने भी तस्करी की बात कबूल भी की है। दरअसल चेकिंग के दौरान महिला ने खुद भी स्वीकार किया कि उसने कोकीन से भरे कैप्सूल्स निगले थे। इसके बाद उसे एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने 100 कैप्सूल्स बाहर निकाले। इनमें कुल 1,096 ग्राम कोकीन थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कीमत लगभग 10.96 करोड़ आंकी गई है।

महाकुंभ में स्नान करने वाले किसी को भी नहीं हुआ त्वचा रोग : पाठक

-संगम के पानी की शुद्धता को लेकर विपक्षी नेताओं ने उठाए थे सवाल

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संगम के पानी की शुद्धता को लेकर विपक्षी नेताओं द्वारा उठाई गई चिंताओं पर कहा कि महाकुंभ स्नान के बाद त्वचा रोग का कोई मामला सामने नहीं आया है। दरअसल विपक्षी नेताओं ने दावा किया था कि संगम में स्नान करने के बाद कई तीर्थ यात्री बीमार हो गए। पाठक ने कुंभ के दौरान की गई साफ-सफाई की तारीफ करते हुए कहा कि तीर्थयात्रियों की भारी संख्या के बावजूद त्वचा रोग का कोई मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि गंगा की शुद्धता और कार्यक्रम के दौरान लागू किए गए स्वच्छता उपायों की सफलता पर जोर दिया। पाठक ने कहा कि सनातन और भारतीय संस्कृति पर आज से हमले नहीं हो रहे हैं, यह हमले सदियों से हो रहे हैं। हमारे वेद, पुराणों, श्रुतियों और स्मृतियों पर कुठाराघात किया गया। उन्होंने कहा कि तक्षशिला और नालंदा जैसे शिक्षा के उत्कृष्ट केंद्रों को नष्ट किया गया लेकिन हमारी संस्कृति अक्षुण्ण रही और वह दुनिया को मार्ग दिखती रही। हमारी संस्कृति में मनुष्य श्रेष्ठ है, जीव जंतु और वृक्ष भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं। पूरी दुनिया हमारा परिवार है। यह सनातन के मूल में है। पाठक ने कहा कि महाकुंभ में हमने देखा 90 साल की सास को उसकी बहू कंधे पर उठाकर ले जा रही है। महाकुंभ में पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण से लोग आए, देश ही नहीं विदेशों से लोग आए। उन्होंने कहा कि यह वैश्विक उत्सव भारत और भारतीयता का परिचायक बना है। 2014 के बाद से पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में आमूल चूल परिवर्तन आया है। आज हम गर्व से कहने लगे हैं कि हम भारतीय हैं।

अवैध तरीके से भारत में रही बांग्लादेसी महिला को कोर्ट ने दी सजा, कहा वापस भेजा जाए

ठाणे(एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक कोर्ट ने बांग्लादेशी महिला को भारत में अवैध रूप से रहने का दोषी माना है। कोर्ट ने उसे 14 माह 28 दिन के कारावास की सजा सुनाई है। इस मामले में 27 फरवरी को फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने निर्देश दिया कि तानिया को देश से निर्वासित किया जाए। उन?हें वापस बांग्लादेश भेजा जाए। मुकदमे के दौरान अतिरिक्त लोक अभियोजक ने कोर्ट को बताया कि तानिया बिना वैध पासपोर्ट या वीजा के मुंबई के बाहरी इलाके में रह रही थी। कोर्ट ने कहा कि विदेशी अधिनियम के मुताबिक अपनी राष्ट्रीयता साबित करने का दायित्व आरोपी पर है। बता दें कि लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों ने अभी तक दर्जनों अवैध बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें वापस उनके देश भेज चुकी हैं। कुछ मामलों में कोर्ट ने भी तल्ख टिप्पणियां की है। सेशंस जज ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी का भारत में कोई स्थायी या अस्थायी पता नहीं है और वह भारतीय राष्ट्रीयता का कोई वैध प्रमाण देने में विफल रही है। अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष की दलीलों पर विचार करने के बाद कोर्ट ने तानिया को सजा सुनाई, जो उसने 9 दिसंबर 2023 को अपनी गिरफ्तारी के बाद से पूरी कर ली है। कोर्ट ने उसे निर्वासित करने का आदेश दिया है। इसके अलावा उसपर एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। कोर्ट ने कहा कि अगर वह जुर्माना नहीं भरती है तो उसे एक महीने की सश्रम कारावास की सजा काटनी होगी।

बगैर भारत के जिक्र किए पाकिस्तान में बच्चों को पढ़ाया जा रहा इतिहास

नई दिल्ली(एजेंसी)। पाकिस्तान की हिस्ट्री क्लास भारत से बहुत अलग है। पाकिस्तान के स्कूलों में इतिहास का सिलेबस मुख्य रूप से 'पाकिस्तान स्टडीज़' के अंतर्गत पढ़ाया जाता है। पाकिस्तान के ज्यादातर स्कूलों में इतिहास की पढ़ाई 711 ईस्वी में मुहम्मद बिन कासिम के सिंध पर आक्रमण से शुरू होती है। इसे पाकिस्तान में इस्लाम की एंट्री का प्रतीक माना जाता है। कुछ किताबों में हड़प्पा या सिंधु घाटी सभ्यता जैसी प्राचीन भारतीय सभ्यताओं का उल्लेख है, लेकिन वहां इन्हें विस्तार से नहीं पढ़ाया जाता है। इनका संबंध पाकिस्तानी पहचान से कम ही जोड़ा जाता है। वहीं, भारतीय स्कूलों में प्राचीन सभ्यताएं इतिहास का जरूरी हिस्सा हैं। पाकिस्तान स्कूल हिस्ट्री सिलेबस में मुगल काल, दिल्ली सल्तनत और अन्य मुस्लिम शासकों (जैसे गजनवी, गौरी) पर फोकस किया जाता है। इन कालखंडों को इस्लामी स्वर्ण युग के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इनमें हिंदू शासकों (जैसे मौर्य, गुप्त) या गैर-मुस्लिम इतिहास का जिक्र नहीं होता है। पाकिस्तान एक मुस्लिम बहुल देश है और वहां की इतिहास की किताबों में इस बात को समझा जा सकता है। भारत में हर काल का इतिहास पढ़ाया जाता है।

भाजपा अध्यक्ष के लिए हो रहा मंथन: महिला को मिल सकती है जिम्मेदारी, वनथी या दग्गुबाती की है चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के भीतर अध्यक्ष को लेकर विचार मंथन चल रहा है। इसमें किसके नाम पर सहमति बनेगी फिलहाल कुछ नहीं कहा जा सकता है। लेकिन भीतरखाने से जो निकलकर आ रहा है उसमें यही माना जा रहा है कि किसी महिला को भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसमें सुषमा स्वराज के नाम पहचान बना चुकी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कोयंबटूर विधायक वनथी श्रीनिवासन एवं आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दग्गुबाती पुरंदेश्वरी इस पद के लिए सबसे संभावित उम्मीदवार मानी जा रही हैं।

भाजपा मार्च के मध्य तक अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा करने वाली है। यह निर्णय पार्टी के संगठनात्मक चुनावों के बाद लिया जाएगा। भगवा पार्टी फिलहाल 13 से अधिक राज्यों में संगठनात्मक चुनाव में व्यस्त है। पार्टी के सूत्रों के अनुसार, पार्टी के नए अध्यक्ष का चुनाव आंतरिक सहमति से किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि भाजपा के इतिहास में पहली बार किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की संभावना है। इस बात की भी चर्चा है कि भाजपा दक्षिण भारत से किसी को यह जिम्मेदारी दे सकती है।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है कि भाजपा अगर किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चुनती है तो महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कोयंबटूर विधायक वनथी श्रीनिवासन या आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दग्गुबाती पुरंदेश्वरी इस पद के लिए सबसे संभावित उम्मीदवार मानी जा रही हैं। दग्गुबाती पुरंदेश्वरी की दावेदारी इस पद के लिए सबसे अधिक है। 66 साल की पुरंदेश्वरी ने 2014 में कांग्रेस छोड़कर बीजेपी जॉइन की थी और संगठनात्मक मामलों में उनका महत्वपूर्ण अनुभव है। वर्तमान में वह आंध्र प्रदेश में बीजेपी की अध्यक्ष हैं और एक तेज-तर्रार महिला नेता के रूप में जानी जाती हैं।

भाषण के कारण सुषमा से तुलना

पुरंदेश्वरी को दक्षिण की सुषमा स्वराज के नाम से भी जाना जाता है। उनकी शानदार भाषण क्षमता और पांच भाषाओं में प्रवीणता के कारण उन्हें बीजेपी के समर्थकों में व्यापक स्वीकृति प्राप्त है। वहीं, वनथी श्रीनिवासन पार्टी के रणनीतिकार और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हाल ही में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होते देखा गया था। एक वरिष्ठ बीजेपी नेता ने बताया, वह अपनी मोर्चा के तहत कई सफल कार्यक्रम आयोजन के लिए जानी जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा अमित शाह द्वारा उन पर भरोसा किया जाता है।

मछुआरों की परेशानी पर राज्यपाल रवि ने कहा, 1974 की 'गलती' के लिए द्रमुक भी जिम्मेदार

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने कहा कि मछुआरों के मुद्दे का राजनीतिकरण करने और इसके लिए केंद्र को दोषी ठहराने के बजाय राज्य सरकार का रचनात्मक दृष्टिकोण मछुआरों के आंसू पोंछने में काफी मददगार साबित होगा। श्रीलंका से गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नौकाओं की शीघ्र रिहाई की मांग करने वाले प्रदर्शनकारी मछुआरों से रामेश्वरम में मुलाकात के बाद रवि ने कहा कि मछुआरा समुदाय 1974 में (भारत और श्रीलंका के बीच) एक 'अन्यायपूर्ण समझौते' का शिकार है, जो राज्य के गरीब मछुआरों की आजीविका संबंधी चिंताओं के प्रति बेहद असंवेदनशील था। राज्यपाल ने कहा कि सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) 1974 की गलतियों के लिए समान रूप से जिम्मेदार है, क्योंकि वह उस समय सत्ता में थी। 'एक्स' पर एक पोस्ट में राज्यपाल रवि ने कहा, ''आज रामेश्वरम की अपनी यात्रा के दौरान मैंने मछुआरा समुदाय के हमारे परेशान भाइयों और बहनों से मुलाकात की। मैं उनके साथ गहरी सहानुभूति रखता हूं। वे 1974 के एक अन्यायपूर्ण समझौते के शिकार हैं, जो हमारे गरीब मछुआरों की आजीविका संबंधी चिंताओं के प्रति बेहद असंवेदनशील था।

सीएम फडणवीस ने शिंदे के फैसले पर लगाई रोक, सफाई के ठेके को किया रद्द

- संजय राउत ने ली चुटकी, भ्रष्टाचार रोकने के लिए सीएम के फैसले का किया स्वागत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सीएम देवेंद्र फडणवीस के रिश्तों में सबकुछ खटास नजर आ रही है या फिर दोनों के बीच सबकुछ ठीक होने का दिखावा किया जा रहा है? यह सवाल इसलिए उठ रहे हैं कि सीएम फडणवीस ने शिंदे के कार्यकाल में हुए एक और फैसले पर रोक लगा दी है। जब एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के सीएम थे, तब तानाजी सावंत के पास स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उस समय अधिकारियों के तबादले, एम्बुलेंस की खरीद में अनियमितता के आरोप लगे थे। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और उपकेंद्रों की सफाई का काम ठेके पर दिया था। इसके लिए हरसाल 638 करोड़ रुपए के हिसाब से तीन साल के लिए 3,190 करोड़ रुपए का ठेका पुणे की एक निजी कंपनी को दिया था, लेकिन अब इस ठेके को फडणवीस ने रद्द कर दिया है।

इस फैसले को लेकर सीएम देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच चल रहे गुप्त संघर्ष का संदेह विपक्ष जता रहा है, लेकिन शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता और सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने कहा इस फैसले के पीछे कोई पार्टीगत कारण नहीं है। सिर्फ स्वास्थ्य विभाग ही नहीं, बल्कि हर सरकारी विभाग को नियमों के मुताबिक काम करना चाहिए। हम जनता के प्रति उत्तरदायी हैं।

इस बीच शिवसेना (उद्धव गुट) पार्टी के नेता संजय राउत ने भी इस फैसला का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे के कार्यकाल में जो काम हुए, उनमें केवल भ्रष्टाचार ही हुआ था। शिंदे के समय स्वास्थ्य मंत्री कौन थे, यह सभी को पता है। बीजेपी ने भ्रष्ट मंत्रियों का विरोध किया था। उनमें से एक स्वास्थ्य मंत्री भी थे। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग सीधे जनता से जुड़ा होता है, लेकिन अगर उस विभाग में भ्रष्टाचार हो रहा है तो यह सही नहीं है। सीएम देवेंद्र फडणवीस अगर इस भ्रष्टाचार को रोक रहे हैं तो हम उनका स्वागत करते हैं।

उत्तर भारत में मौसम के बदलते मिजाज से लोग परेशान

पहाड़ों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश की वजह से तापमान में गिरावट आई

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर भारत में मार्च के पहले हफ्ते में मौसम का अंदाजा लगाना मुश्किल साबित हो रहा है। दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब में लगातार बदलते मौसम ने लोगों को परेशानी में डाल दिया है। पहाड़ों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश की वजह से तापमान में गिरावट आई है। मौसम विभाग के अनुसार, 2 से 4 मार्च के बीच जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश और बर्फबारी की संभावना है। दिल्ली में भी मौसम की उलझन जारी है, हालांकि रविवार को बादल छाए रह सकते हैं। उत्तर प्रदेश में भी मौसम में बदलाव लिया जा रहा है, जिसका असर प्रदेश के सभी जिलों में देखने को मिल सकता है। ग्रीन अलर्ट जारी कर दिया गया है और न्यूनतम तापमान में गिरावट की संभावना है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में तेज हवाएं और बारिश की संभावना है, जिससे मौसम और भी उलझनियों से भरा हो सकता है। लोगों से सावधान रहने की सलाह दी गई है। उत्तर प्रदेश में भी मौसम में बदलाव देखा जा रहा है। यहां बारिश और ओले गिरने से मौसम फिर से ठंडा हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करेगा जिसका असर उत्तर प्रदेश में भी देखने को मिलेगा। प्रदेश के सभी जिलों में मौसम साफ रहेगा और इसके लिए ग्रीन अलर्ट जारी किया गया है। अगले 5 दिनों तक मौसम में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है हालांकि न्यूनतम तापमान में गिरावट हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को लक्षद्वीप में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भी तेज हवाओं और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश, केरल और लक्षद्वीप में बिजली गिरने की संभावना बनी हुई है। तटीय कर्नाटक में लू चलने की संभावना है जबकि गोवा के विभिन्न इलाकों में गर्म और आर्द्र मौसम हो सकता है। इसके अलावा भूमध्यरेखीय हिंद महासागर और मालदीव के आसपास के इलाकों में तेज हवाएं

चल सकती हैं जिनकी रफ्तार 35 किमी प्रति घंटे से बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। मौसम विभाग ने इन इलाकों में मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी है।

पंजाब में नशा बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा: अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब की मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दावा किया कि राज्य मं नशे और नशा तस्करी के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी और नशा का कारोबार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

मान के इस दावे का आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पंजाब में नशे के खिलाफ हमारी सरकार ने महायुद्ध छेड़ दिया है। नशे ने हमारे युवाओं और बच्चों को बड़ी संख्या में बर्बाद कर दिया। नशा बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पंजाब से नशे को हमेशा के लिए खत्म किया जाएगा।' दरअसल, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हाल ही में दावा किया कि किसी भी स्थिति में नशे को पंजाब से समाप्त करने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। इस अभियान में पुलिस, स्थानीय प्रशासन और अन्य सरकारी विभागों का सहयोग लिया जा रहा है। इसी कड़ी में मंत्री और उच्च प्रशासनिक अधिकारी लगातार मुख्यमंत्री के साथ बैठकें कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री मान ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे नशे के खिलाफ अपनी कार्रवाई को तेज करें और इसे जड़ से खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाएं। पंजाब सरकार ने नशे के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज करते हुए शनिवार को वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में पांच मंत्रियों की बनी सब कमेटी की पहली बैठक आयोजित की। इस बैठक में नशे से जुड़ी सभी गंभीर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा, तरुणप्रीत सिंह सोंध, डॉ बलबीर सिंह और लालजीत सिंह भुल्लर भी मौजूद थे। इसमें पंजाब के डीजीपी गौरव यादव और राज्य के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा भी शामिल हुए। सभी ने नशे के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान को लेकर मंथन किया। मंत्रियों को कुछ जिले सुपुर्द किए गए हैं।

मंत्री हरपाल चीमा को पठानकोट, गुरदासपुर, नवांशहर, रोपड़, तरनतारन और होशियारपुर जिलों का प्रभार सौंपा गया है। वहीं, कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा को लुधियाना, पटियाला, कपूरथला, मोहाली, अमृतसर और जालंधर जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। मंत्री तरुणप्रीत सोंध को संगरूर, बरनाला, बठिंडा, फतेहगढ़ साहिब, मोगा और मलेरकोटला जिलों की निगरानी सौंपी गई है। वहीं, मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को फरीदकोट, मुक्तसर, मानसा, फाजिल्का और फिरोजपुर जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ बलबीर सिंह को पूरे पंजाब का हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर और हेल्थ डिपार्टमेंट की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े प्रशासनिक कामकाज की समीक्षा करेंगे और नशे की समस्या से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए कदम उठाएंगे।

बीजेपी पहले अपनी पार्टी को व्यवस्थित करे, कई नेता हमारे संपर्क में

-कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस में विभाजन की खबरों को किया खारिज

बंगलुरु(एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कांग्रेस सरकार में विभाजन की अफवाहों को खारिज कर दिया है। उन्होंने दावा किया है कि बीजेपी के कई विधायक उनके संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी को पहले अपनी पार्टी को व्यवस्थित करना चाहिए। शिवकुमार ने कहा कि बीजेपी को पहले अपना घर ठीक करना चाहिए। जैसा कि मेरे कुछ मंत्रियों ने कहा है, कई बीजेपी विधायक हमसे संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं इस बारे में ज्यादा चर्चा नहीं करना चाहता। बीजेपी टूटे हुए घर की तरह है, जबकि कांग्रेस एकजुट है।

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष ने 26 फरवरी को शिवरात्रि उत्सव के दौरान धर्मगुरु जग्गी वासुदेव और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मंच साझा करने के बाद विवाद पैदा हो गया था। कांग्रेस के कई नेताओं ने इस कदम पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि सद्गुरु और शाह ने कांग्रेस पर खुलेआम हमला किया था। इसके बाद पार्टी में आंतरिक कलह की

अफवाहें फैलने लगी थी। बीजेपी ने दावा किया कि शिवकुमार कांग्रेस छोड़ सकते हैं और बीजेपी की मदद से वैकल्पिक सरकार बना सकते हैं।

शिवकुमार ने अपने इस फैसले को धार्मिक यात्रा बताते हुए राजनीतिक नहीं होने की बात कही। उन्होंने कहा कि सद्गुरु कर्नाटक के हैं और वे कावेरी जल के मुद्दे पर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने मुझे व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया था। उनका बड़ा अनुयायी वर्ग है और वे महान काम कर रहे हैं। वहां कई राजनीतिक दलों के विधायक और नेता भी थे, इसलिए मैं वहां गया था।

सीएम पद को लेकर शिवकुमार ने बार-बार दिल्ली में पार्टी के नेताओं से यह मांग की है कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाए। विधानसभा चुनावों के बाद एक शक्ति-विभाजन समझौता हुआ था। हालांकि, सिद्धारमैया खेमे ने ऐसे समझौतों को नकारते हुए दावा किया है कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। सीएम के करीब दर्जनों मंत्रियों ने पिछले कुछ हफ्तों में शिवकुमार के दावों पर खुलकर सवाल उठाए हैं। शिवकुमार की तुलना एकनाथ शिंदे से कर्नाटक बीजेपी ने शिवकुमार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से तुलना करते हुए यह कयास लगाए कि वे कांग्रेस में विभाजन उत्पन्न कर सकते हैं।

विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि कांग्रेस में कई नेता एकनाथ शिंदे की तरह हो सकते हैं। डीके शिवकुमार उनमें से एक हो सकते हैं। कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने भी कांग्रेस पार्टी में आंतरिक कलह बढ़ने की बात कही है। हालांकि, शिवकुमार ने इन सभी राजनीतिक अफवाहों को निराधार और बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया है।

सड़क पर लावारिश पड़ा था सूटकेश खोला तो निकली कांग्रेस नेत्री की लाश

-हाथ में लगी थी मेंहदी, गले में थी चुनरी, मुंह से निकल रहा था खून

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के संपाला बस अड्डे पर रात एक नीले रंग का लावारिस सूटकेस मिला। इस सूटकेस को जब खोला गया तो सब हैरान रह गए। सूटकेस में एक लड़की की लाश थी, जब शिनाख्त की गई तो युवती कांग्रेस कार्यकर्ता निकली, जिसका नाम हिमानी नरवाल (30) है। हिमानी की मौत से हरियाणा में हड़कंप मच गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिमानी की हत्या गला घोंट कर की गई है। मारने से पहले उसे उसको खूब पीटा गया, जिस कारण उसके शरीर की कई हड्डियां टूट गईं थीं। फिर उसका गला घोंट दिया गया। इसके बाद हिमानी की लाश को सूटकेस में भरकर सूनसान जगह फेंक दिया था। अब पुलिस हिमानी की हत्या करने वाले का पता लगा रही है।

जानकारी के मुताबिक सूटकेस में लाश मिलने के बाद हिमानी की पहचान नहीं हो सकी थी। कुछ घंटों बाद परिजनों ने शव की पहचान की। पुलिस जब हिमानी

के घर विजयनगर पहुंची, तो घर पर ताला लगा था। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी खंगाल रही है, ताकि उस गाड़ी का पता चल सके, जिसने सूटकेस फेंका था। इसके अलावा हिमानी का फोन भी गायब था पुलिस फोन को भी ट्रैक कर रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक हिमानी के गले में काले रंग की चुन्नी थी उसी से गला घोंटा गया होगा क्योंकि वह चुन्नी सूटकेस में ही मिली है। हिमानी के हाथों में मेहंदी लगी थी और उसके होंठों से खून बह रहा था, जिससे साफ होता है कि हत्या से पहले वह बहुत दर्द में रही होगी। हिमानी कांग्रेस पार्टी की एक सक्रिय कार्यकर्ता थीं और सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय थीं। वह पिछले साल राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में भी शामिल हुई थीं। उसकी हत्या से कांग्रेस में भी शोक की लहर है। कांग्रेस ने इस मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग की है।

बताया जा रहा है कि हिमानी का परिवार पहले भी कई दुखद घटनाओं से गुजर चुका है। हिमानी से पहले उनके भाई की भी हत्या की गई थी। इसके अलावा उनके पिता ने आत्महत्या कर अपनी जान दे दी थी। अब हिमानी की हत्या ने पूरा परिवार सदमे में है।

नीतीश-ममता के बाद अब कौन संभालेगा इंडिया गठबंधन की कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनडीए को टक्कर देने के लिए भाजपा विरोधी कई दलों ने इंडिया गठबंधन बनाया था। इसके लिए बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने खूब भागदौड़ की थी। अंतत-रिजल्ट वहीं के वहीं रहा। इस गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए कई चेहरे सामने आए जिसमें खुद नीतीश कुमार, टीएमसी प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और राहुल गांधी के नाम की भी चर्चा हुई। चर्चा सिर्फ चर्चा रह गए और इसका कोई नतीजा नहीं निकला। अब एक बार फिर नेतृत्व को लेकर बात हो रही है, इसमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव की बात होने लगी है।

कई राज्यों में चुनावी हारों के बाद देश भर से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के भीतर से आवाज उठने लगी। अधिकतर सहयोगी दलों ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि यह गठबंधन अब अपना महत्व खो रहा है। ऐसा कांग्रेस पार्टी की वजह से हो रहा है। दिल्ली में गठबंधन के दो सहयोगी दलों कांग्रेस और आप के अलग-अलग चुनाव लड़ने के कारण राज्य में भाजपा को शानदार जीत मिली है। इसी तरह हरियाणा में भी कांग्रेस और आप ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था और वहां भी अनुमान के विपरीत भाजपा को शानदार जीत मिली थी।

इन दोनों राज्यों में कांग्रेस और आप के बीच तकरार का असर इंडिया गठबंधन के भविष्य पर पड़ने लगा। सहयोगी दलों से आवाज उठने लगी कि गठबंधन में कोई बड़ा नेता संयोजक पद पर होना चाहिए। इसमें सबसे बड़ा नाम पश्चिम बंगाल की सीएम और टीएमसी मुखिया ममता बनर्जी का था। ममता बनर्जी ने भी खुलेआम संयोजक की भूमिका निभाने की इच्छा जता चुकी है। फिर महाराष्ट्र में गठबंधन से सहयोगी दलों शिवसेना उद्धव गुट और शरद पवार की एनसीपी ने भी कांग्रेस के रवैये पर सवाल उठाए। जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने भी गठबंधन के भविष्य को लेकर सवाल पूछे। दिल्ली चुनाव के दौरान आप नेता अरविंद केजरीवाल ने तो इंडिया गठबंधन से ही कांग्रेस को बाहर करने की मांग कर डाली थी।

इन सबके बीच अब इंडिया के संयोजक पक्ष के लिए एक नए चेहरे के नाम की चर्चा हो रही है। वो हैं सपा मुखिया अखिलेश यादव। सपा के एक बड़े नेता रविदास मेहरोत्रा ने कहा है कि यूपी में अखिलेश यादव सबसे बड़े नेता बनकर उभरे हैं। लोकसभा में सपा दूसरी सबसे बड़ी विपक्ष पार्टी है। उसके पास 37 सांसद हैं। ऐसे में हम चाहते हैं अखिलेश यादव हो इंडिया गठबंधन के संयोजक का पद दिया जाए।

युकी भांबरी ने दुबई में पहला एटीपी 500 युगल खिताब जीता; बोल्लिपल्ली ने चिली ओपन युगल खिताब जीता

दुबई, एजेंसी। भारत के युकी भांबरी ने पहला एटीपी 500 पुरूष युगल खिताब जीत लिया जब उन्होंने आस्ट्रेलियाई जोड़ीदार एलेक्सेइ पोपिरिन के साथ दुनिया की 14वें नंबर की जोड़ी फिनलैंड के हारी हेलियोवारा और ब्रिटेन के हेनरी पाटेन को दुबई टेनिस चैम्पियनशिप में हराया। पहला सेट हारने के बाद दोनों ने शानदार वापसी करते हुए शनिवार को 51 मिनट तक चला मुकाबला 3-6, 7-6, 10-8 से जीता ।

इस जीत के साथ भांबरी सोमवार को एटीपी रैंकिंग में कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 40वीं रैंकिंग हासिल कर लेंगे। भांबरी और पोपिरिन ने खिताबी सफर में दुनिया की नंबर एक जोड़ी अल सल्वाडोर के मार्शेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मेट पेविच को 4-6, 7-6, 10-3 से मात दी। उन्होंने ब्रिटेन के जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल को 5-7, 7-6, 10-5 से मात दी। पुरूष एकल वर्ग में स्टेफानोस सिटसिपास ने कनाडा के फेलिक्स आगर एलियास्सिमे को हराकर खिताब जीता।

भारत के बोल्लिपल्ली ने चिली ओपन युगल खिताब जीता

भारत के रित्विक चौधरी बोल्लिपल्ली ने कोलंबिया के निकोलस बारियेंतोस के साथ मिलकर शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जेंटीना के आंद्रेस मोल्तेनी और मैक्सिमो गोंजालेस को सीधे सेटों में हराकर सैंटियागो में चिली ओपन टेनिस टूर्नामेंट जीता। रित्विक और निकोलस की गैर वरीय जोड़ी ने गोंजालेस और मोल्तेनी को एक घंटा चले फाइनल मुकाबले में 6-3, 6-2 से हराया। उन्होंने मैच में 11 ऐस लगाये जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी एक ही लगा सके।

इंजमाम उल हक़ ने भारत के खिलाफ उगला जहर! सभी देशों से कीआईपीएल बॉयकॉट की अपील!

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान सालों बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है. 19 फरवरी से शुरू हुआ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान है. लेकिन टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मैच दुबई में खेला जाएगा. यहां तक कि 9 मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मैच भी दुबई में होगा अगर भारतीय टीम अपना सेमीफाइनल मैच जीत जाती है तो. चैंपियंस ट्रॉफी में भारत अपने सभी मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेल रहा है. यही कारण है कि एक सेमीफाइनल मैच भी यहां आयोजित किया गया है. भारत के फाइनल में प्रवेश करते ही फाइनल भी दुबई में तय हो जाएगा. मेजबान पाकिस्तान पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है. वर्ल्ड क्रिकेट पर बीसीसीआई का दबदबा पाकिस्तानियों को बहुत चुभता है. पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक़ ने सभी देशों के क्रिकेट बोर्ड से अपील की है कि वह अपने प्लेयर्स को आईपीएल में ना भेजें.

इंजमाम उल हक ने एक टीवी शो पर कहा, चैंपियंस ट्रॉफी को आप एक साइड में कर दें फिर भी आप आईपीएल को देखें. आईपीएल में दुनिया के सारे टॉप प्लेयर्स आकर खेलते हैं. इंडियन प्लेयर्स किसी लीग में जाकर नहीं खेलते. सभी बोर्ड को ये करना चाहिए कि अपने जो प्लेयर्स हैं उन्हें आईपीएल में भेजना छोड़ दें. अगर आप किसी लीग के लिए अपने खिलाड़ियों को जाने नहीं देते तो दूसरे बोर्ड को भी स्टान्स तो लेना चाहिए ना. दुनिया के तमाम बड़े क्रिकेटर्स आईपीएल में खेलते हैं. कई बार तो विदेशी प्लेयर्स नेशनल की बजाय आईपीएल मैचों को तवज्जों देते हैं. आईपीएल के आलावा दुनिया भर में कई अन्य टी20 लीग खेली जाती है. लेकिन बीसीसीआई अपने प्लेयर्स को अनुमति नहीं देता कि वह उन लीग में जाकर खेल सके. कोई भारतीय खिलाड़ी रिटायरमेंट के बाद (आईपीएल से भी) ही किसी विदेशी लीग में खेल सकता है. पाकिस्तान की बात करें तो उनके प्लेयर्स का आईपीएल में खेलना प्रतिबंधित है. हालांकि टूर्नामेंट के पहले संस्करण में कई पाकिस्तानी प्लेयर्स खेले थे लेकिन मुंबई में हुए आतंकी हमले के बाद से आईपीएल में पाकिस्तानी प्लेयर्स के खेलने पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया.

विराट कोहली से पहले इन चार भारतीयों ने भी चैंपियंस ट्रॉफी में ही खेला 300वां वनडे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने रविवार (2 मार्च) को दुबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 मैच के दौरान बड़ी उपलब्धि हासिल की। यह उनका 300वां वनडे मैच है। कोहली ने 300 वनडे, 100 टेस्ट और 100 टी20 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बनने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया। पूर्व भारतीय कप्तान यह उपलब्धि हासिल करने वाले 22वें खिलाड़ी होंगे और क्रिस गेल के बाद छह साल में 300 वनडे खेलने वाले पहले खिलाड़ी होंगे। कोहली 300 वनडे मैच खेलने वाले सातवें भारतीय हैं। दिलचस्प बात यह है कि पिछले छह खिलाड़ियों में से चार ने चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान यह उपलब्धि हासिल की थी।

अजहरुद्दीन का 300वां वनडे

अजहरुद्दीन ने 300वां वनडे 1998 में पहले चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान खेला था। इसे तब आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी कहा जाता था। ढाका में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अजहरुद्दीन कुछ खास नहीं कर पाए थे। डेमियन फ्लेमिंग की तीन गेंदों का सामना करने के बाद शून्य पर आउट हो गए, लेकिन सचिन तेंदुलकर की 141 रनों की पारी की बदौलत भारत सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच गया। भारत ने क्वार्टर फाइनल में 44 रनों से जीत दर्ज की। इसमें तेंदुलकर ने भी चार विकेट चटकाए।

सचिन तेंदुलकर का 300वां वनडे

सचिन तेंदुलकर का 300वां वनडे कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ 2002 चैंपियंस ट्रॉफी के बारिश से प्रभावित फाइनल के दौरान हुआ। पिछले दिन बारिश के कारण फाइनल दोबारा खेले जाने के बाद तेंदुलकर ने 223 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 22 गेंदों में सात रन बनाए थे, लेकिन फिर बारिश आ गई और दोनों टीमों को 2002 चैंपियंस ट्रॉफी का संयुक्त विजेता घोषित कर दिया गया।

राहुल द्रविड़ का 300वां वनडे

2006 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की अगुआई करते हुए राहुल द्रविड़ ने मोहाली के पीसीए स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना 300वां वनडे मैच खेला था। इस मैच में भारत को जीतना जरूरी था। द्रविड़ ने अर्धशतक जमाया और भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 249 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट से आसान जीत दर्ज की।

सौरव गांगुली का 300वां वनडे

सौरव गांगुली ने 2007 में हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाकर अपने 300वें वनडे में भारत के लिए जीत की नींव रखी। तेंदुलकर के साथ 116 रनों की ओपनिंग साझेदारी करने के बाद गांगुली ने भारत को 325 रनों का लक्ष्य निर्धारित करने में मदद की। बारिश से प्रभावित मैच में जीत मिली। दादा ने 38 रनों की जीत के दौरान अपने सात ओवर के स्पेल में दो महत्वपूर्ण विकेट भी लिए।

युवराज सिंह का 300वां वनडे

युवराज सिंह ने बर्मिंघम में 2017 चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में बांग्लादेश के खिलाफ अपना 300वां वनडे खेला। रोहित शर्मा के शतक और विराट कोहली के नाबाद 96 रनों की बदौलत 9 विकेट से जीत हासिल करने वाली इस टीम में युवराज को बल्लेबाजी करने की जरूरत ही नहीं पड़ी।

एमएस धोनी का 300वां वनडे

भारत के सबसे सफल कप्तान और विकेटकीपर धोनी ने अपना 300वां वनडे अगस्त 2017 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। धोनी ने 42 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाए और भारत ने रोहित और कोहली के शतकों की मदद से 375/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया। धोनी ने बाद में तीन कैच पकड़े और भारत ने 168 रनों से जीत दर्ज की।

हैरान रह गई अनुष्का शर्मा, पकड़ लिया माथा, विराट कोहली ऐसे हुए आउट कि सोच भी नहीं सकते

इंडिया-न्यूजीलैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ विराट कोहली ऐसे हुए आउट कि अनुष्का शर्मा ने तो माथा ही पकड़ लिया. दुबई के मैदान पर विराट कोहली जब 300वां वनडे खेलने उतरे तो हर किसी को उनसे बेहतरीन पारी की उम्मीद थी. 2 चौके लगाकर उन्होंने इसकी उम्मीद भी जगाई. लेकिन, फिर अचानक ही नजारा बदल गया. न्यूजीलैंड के फील्डर ग्लेन फिलिप्स ने उनका एक इतना जबरदस्त कैच लपका कि हर कोई हैरान रह गया. अपने पति का 300वां वनडे मैच देखने स्टेडियम पहुंची, अनुष्का ने भी उसी कैच को देखकर अपना माथा पकड़ लिया.

विराट के विकेट के बाद हैरानी में अपना सिर पकड़ने का अनुष्का का फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है. उन तस्वीरों में वो हंसती दिख रही हैं, मगर साथ में चेहरे पर एक हैरानी भी है. बहरहाल, विराट कोहली अपने 300वें वनडे में 14 गेंदों का सामना करते हुए 11 रन बनाकर आउट हुए.

ग्लेन फिलिप्स के कैच ने सबको चौंकाया

विराट कोहली का विकेट मैट हेनरी को मिला. भारतीय पारी के 7वें ओवर में हेनरी ने जब अपनी चौथी गेंद फेंकी तो विराट ने उसे बैकवर्ड पॉइंट की दिशा में खेला. लेकिन, ग्लेन फिलिप्स उसे हैरतअंगेज तरीके से लपक लिया. गेंद के लपके जाने के बाद किसी को भी यकीन नहीं हुआ. यहां तक कि विराट कोहली भी कुछ पल के लिए थम से गए. उन्हें समझ नहीं आया कि हुआ क्या?विराट कोहली के आउट होने पर हैरानी स्टेडियम में बैठे दर्शकों में भी देखने को मिली, जिनमें से अनुष्का भी एक रहीं.

लगातार चौथी हार के बाद बेंगलुरु के लिए समाप्त हुआ सीजन, जानें लेटेस्ट प्वाइंट्स टेबल

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार को वीमेंस प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु को हरा दिया. यह दिल्ली कैपिटल्स की लगातार तीसरी जीत है. इस जीत के बाद दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ में पहुंचने वाली सीजन की पहली टीम बन गई है. वहीं, स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा. इस तरह अब आरसीबी के लिए प्लेऑफ में क्वॉलीफाई करना आसान नहीं होगा. बहरहाल, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स की जीत के बाद प्वॉइंट्स टेबल कितना बदला. अब प्वॉइंट्स टेबल में कौन सी टीमें कहां हैं?

दिल्ली कैपिटल्स का दबदबा बरकरार

दिल्ली कैपिटल्स प्वॉइंट्स टेबल में टॉप पर काबिज है. दिल्ली कैपिटल्स के 7 मैचों में 10 प्वॉइंट्स हैं. अब तक इस टीम को 5 जीत मिली है. इसके अलावा 2 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है. वहीं, हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस प्वॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर है. मुंबई इंडियंस के 5 मैचों में 6 प्वॉइंट्स हैं. मुंबई इंडियंस को 3 मैचों में जीत मिली है. साथ ही 2 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है. रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बाद तीसरे नंबर पर यूपी वॉरियर्ज है. यूपी वॉरियर्ज के 5 मैचों में 4 प्वॉइंट्स हैं.

प्वॉइंट्स टेबल में अन्य टीमें कहां हैं?

स्मृति मंधाना की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु प्वॉइंट्स टेबल में चौथे नंबर पर है. रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु के 6 मैचों में 4 प्वॉइंट्स हैं. दरअसल, आरसीबी ने सीजन की शुरूआत धमाकेदार अंदाज में की, लेकिन फॉर्म को बरकरार रखने में नाकाम रही. आरसीबी ने सीजन के पहले 2 मैच लगातार जीते, लेकिन इसके बाद लगातार 4 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है. इन टीमों के अलावा प्वॉइंट्स टेबल में गुजरात जायंट्स का नंबर है. गुजरात जायंट्स के 5 मैचों में 4 प्वॉइंट्स हैं.

विदर्भ ने तीसरी बार जीता रणजी ट्रॉफी का खिताब

नागपुर, एजेंसी। विदर्भ ने फाइनल मुकाबले में रनों का पहाड़ करते हुए केरल को हराकर रविवार को पहली पारी में मिली बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया है। केरल और विदर्भ के बीच नागपुर में खेला गया फाइनल मुकाबला पांचवें दिन ड्रॉ पर समाप्त हुआ। विदर्भ को पहली पारी में केरल पर बनाई गई बढ़त के आधार पर जीत मिली और इस घरेलू टूर्नामेंट में चैंपियन बन गया। विदर्भ ने तीसरी बार रणजी का खिताब जीता है। इससे पहले उसने 2017-18 और 2018-19 में खिताब जीता था। विदर्भ के दानिश मालेवार को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। वहीं विदर्भ के हर्ष दुबे को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार मिला। विदर्भ ने कल के चार विकेट पर 249 रनों से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में मैच के पांचवें दिन करूण नायर ने अभी अपने कल के स्कोर में तीन रन जो? थे कि आदित्य सरवटे ने उन्हें अजरुद्दीन ने स्टंप कर पवेलियन भेज दिया। नायर ने (295) में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (135) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। हर्ष दुबे (चार) रन बनाकर आउट हुए। कप्तान अक्षय व?कर(25) को सरवटे ने बोल्ड आउट किया। अक्षय कारनेवार (30) को एनपी बासिल ने बोल्ड किया। दोनों कप्तानों की मैच ड्रा करने की सहमिति के समय विदर्भ ने 143.5 ओवरों में नौ विकेट पर 375 रन बना लिए थे और दर्शन नालकंडे (51 अवजित) और यश ठाकुर (आठ) अविजित रहे। केरल की ओर से आदित्य सरवटे ने चार विकेट लिए। एम डी निधीष, जलज सक्सेना, ईडन ऐपल टॉम, एनपी बासिल और अक्षय चंद्रन ने एक-एक विकेट लिया।

बल्लेबाज के तौर पर आपको हर बार शून्य से शुरुआत करनी होती है: शेफाली

बेंगलुरु, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स ने घरेलू टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर शानदार जीत के साथ डब्ल्यूपीएल 2025 के प्लेऑफ में जगह बनाई, शेफाली वर्मा ने 43 गेंदों पर नाबाद 80 रन की मैच विजयी पारी पर विचार किया और कहा कि बल्लेबाज को हर बार शून्य से शुरुआत करनी होती है, भले ही वह लगातार दो दिन खेल रहा हो। मेग लैनिंग की डीसी डब्ल्यूपीएल 2025 में प्लेऑफ में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई, जिसने मैच 14 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। इस जीत ने 7 मैचों में 10 अंक और पांच शानदार जीत के साथ तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति को और मजबूत किया।डेब्यूटेंट एन. चरानी और शिखा पांडे ने दो-दो विकेट चटकाए और घरेलू टीम को 20 ओवर में 147/5 पर रोक दिया। दिल्ली कैपिटल्स ने इसके बाद केवल 15.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया, जिसमें शेफाली वर्मा (नाबाद 80) और जेस जोनासेन (38 गेंदों पर नाबाद 61) ने 146 रनों की मैच विजयी साझेदारी की और शानदार जीत दर्ज की। शेफाली ने कहा, बल्लेबाज के तौर पर आपको हर बार शून्य से शुरुआत करनी होती है, भले ही आप लगातार दो दिन खेल रहे हों। हमारे गेंदबाजों ने पहली पारी में शानदार प्रदर्शन किया और हमारी योजना अच्छी चल रही है। हम अपनी योजनाओं को पूरी तरह से लागू कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, पीछा करने के दौरान शुरुआत में उन्हें काफी सहायता मिल रही थी, लेकिन एक बार जब हम जम गए, तो हम आत्मविश्वास के साथ अपने शॉट खेलने में सक्षम थे। मैंने क्रीज पर बने रहने के लिए खुद पर भरोसा किया। मुझे पता था कि अगर मैं मैदान पर कुछ समय बिताऊंगी, तो मेरी दृष्टि समायोजित हो जाएगी और चीजें आसान हो जाएंगी। एक बार जब मैं और जेस जम गए, तो रन बनने लगे। अपनी मैच जीतने वाली साझेदारी और ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जोनासेन के साथ खेलने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, जिन्होंने 38 गेंदों पर नाबाद 61 रन बनाए, शेफाली ने कहा, ÷जेजे के साथ खेलना हमेशा मजेदार होता है। वह ऑस्ट्रेलिया से हैं और उनकी मानसिकता बहुत अच्छी है, जो चीजों को और भी बेहतर बनाती है। बाएं-दाएं संयोजन विपक्ष के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है।मुख्य बात संवाद करना और एक-दूसरे को अंत तक बने रहने की याद दिलाना था। उस समझ ने हमें एक मजबूत साझेदारी बनाने में मदद की। सबसे अच्छी बात यह थी कि हमने एक-दूसरे की बात सुनी और उन पर विश्वास किया, जिसने इतनी अच्छी पारी खेलने में बहुत अंतर पैदा किया। दिल्ली कैपिटल्स अपने आखिरी लीग चरण के मैच में 7 मार्च को लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में गुजरात जायंट्स से भिड़ेगी।

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ ने वर्क-लाइफ बैलेंस पर रखी अपनी बात, कहा

भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता

नई दिल्ली। भारत के जी20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा है कि भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, न कि वर्क-लाइफ बैलेंस की। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि कम काम करने की बातें करना फैशन बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत के लोगों को हफ्ते में 80 या 90 घंटे काम करना चाहिए। अमिताभ कांत के मुताबिक वर्क-लाइफ बैलेंस पर बहस युवाओं के लिए गलत उदाहरण पेश करती है। उन्होंने कहा कि लोग समय सीमा से पहले प्रोजेक्ट पूरे करें, के वालिटी से समझौता न करें और लागत को कंट्रोल में रखें। उन्होंने कोरिया और जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि इन देशों ने कड़ी मेहनत से आर्थिक सफलता हासिल की है। उन्होंने भारत में भी ऐसी ही मानसिकता अपनाने की अपील की है। कांत नीति आयोग के सीईओ रह चुके हैं। वह वर्क-लाइफ बैलेंस पर चल रही बहस पर अपनी राय रख रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर भारत को 4 ट्रिलियन डॉलर से 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है तो कड़ी मेहनत करनी होगी जो जरुरी है। कांत ने कहा कि मैं कड़ी मेहनत में विश्वास रखता हूं। भारतीयों को कड़ी मेहनत करनी चाहिए, चाहे वह 80 घंटे हो या 90 घंटे प्रति सप्ताह। आपकी महत्वाकांक्षा 4 ट्रिलियन डॉलर से 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की है तो आप इसे मनोरंजन या कुछ फिल्मी सितारों के विचारों का पालन करके नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि समय सीमा से पहले परियोजनाओं को पूरा करना, गुणवत्ता से समझौता न करना और लागत सीमा से ज्यादा न होना अहम है। कांत ने कहा कि लंबे समय तक काम करने के बावजूद वर्क-लाइफ बैलेंस बनाना संभव है। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि मैं हर दिन काम करता हूं, व्यायाम करता हूं, गोल्फ खेलता हूं और फिर भी कड़ी मेहनत करता हूं।

आयात शुल्क बढ़ने के बावजूद बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम टूटे

उपलब्धता में कमी और सस्ता होने से मांग बढ़ने के कारण बिनौला तेल सुधार के साथ बंद हुआ

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह केंद्र सरकार के द्वारा आयातित खाद्य तेलों के आयात शुल्क में बढ़ोतरी किए जाने के बावजूद पिछले सप्ताहांत में शिकॉगो एक्सचेंज में भारी गिरावट रहने के कारण करोबारी दवाब बढ़ने से ज्यादातर तेल-तिलहनों की कीमत गिरावट के साथ बंद हुई। उपलब्धता में कमी और सस्ता होने की वजह से मांग बढ़ने के कारण केवल बिनौला तेल सुधार के साथ बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह विदेशों में पाम, सूरजमुखी और सोयाबीन तेल के दाम टूटे हैं और हमारे देश में इस गिरावट का असर व्यापक तेल-तिलहनों पर भी देखा गया जिससे उनके दाम में गिरावट आई। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 6,250-6,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों दादरी तेल का थोक भाव 200 रुपये की गिरावट के साथ 13,600 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 15-15 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,350-2,450 रुपये और 2,350-2,475 रुपये टिन (15 किलो), सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 80-130 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,200-4,250 रुपये और 3,900-3,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 200 रुपये, 200 रुपये और 150 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 14,150 रुपये, 13,750 रुपये और 10,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 5,600-5,925 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 100 रुपये और 10 रुपये की गिरावट के साथ 14,300 रुपये और 2,200-2,500 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 250 रुपये की गिरावट के साथ 3,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 250 रुपये की गिरावट के साथ 14,700 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 200 रुपये की गिरावट के साथ 13,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

विदेशी निवेशकों ने पिछले माह भारतीय शेयर बाजार से 34,574 करोड़ निकाले

- एफपीआई की निकासी 1.12 लाख करोड़ रुपये पार

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी में भारतीय शेयर बाजारों से 34,574 करोड़ रुपये की निकासी की हैं। इस तरह 2025 के पहले दो माह में एफपीआई की कुल निकासी 1.12 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। वैश्विक व्यापार तथा कंपनियों की आय को लेकर चिंता के बीच एफपीआई लगातार बिकवाल बने हुए हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारतीय शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन और कॉरपोरेट आय में वृद्धि को लेकर चिंताओं के कारण एफपीआई लगातार निकासी कर रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने फरवरी में भारतीय शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले जनवरी में एफपीआई ने 78,027 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। इस तरह 2025 के पहले दो माह में एफपीआई 1,12,601 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि बाजार की हालिया बिकवाली की मुख्य वजह अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी, अमेरिकी डॉलर में मजबूती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं हैं। इससे निवेशकों का ध्यान अमेरिकी परिसंपत्तियों की ओर बढ़ रहा है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजे कमजोर रहे हैं जो अनिश्चितता के माहौल को दर्शाता है। जिंस कीमतों में गिरावट और उपभोक्ता खर्च में कमी से यह समस्या और बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि भारत में ऊंचे मूल्यांकन की वजह से एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। वे अपना पैसा चीन के शेयरों में लगा रहे हैं, जहां मूल्यांकन कम है। लेकिन इस प्रक्रिया में, वे आकर्षक मूल्यांकन वाले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों में बिक्री कर रहे हैं। एफपीआई की बिकवाली में एक महत्वपूर्ण विरोधाभास यह है कि वे वित्तीय सेवाओं में भारी मात्रा में बिकवाली कर रहे हैं, जबकि यह क्षेत्र अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और इसका मूल्यांकन आकर्षक है। इसके अलावा वे ऋण या बॉन्ड बाजार से भी पैसा निकाल रहे हैं।

जीएसटी कलेक्शन फरवरी में बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रहा

नई दिल्ली ।

भारत का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन फरवरी में सालाना आधार पर 9.1 प्रतिशत बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है। हाल ही में जारी हुए सरकारी डेटा से यह जानकारी मिली। यह लगातार 12वां महीना है, जब जीएसटी कलेक्शन 1.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। कलेक्शन में वृद्धि की वजह घरेलू स्तर पर जीएसटी राजस्व 10.2 प्रतिशत बढ़ना है, जो कि फरवरी में 1.42 लाख करोड़ रुपये रहा है। हालांकि, आयात पर लगने वाले से आय 5.4 प्रतिशत बढ़कर 41,702 करोड़ रुपये रही है। फरवरी में सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन 35,204 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी कलेक्शन 43,704 करोड़ रुपये और इंटीग्रेटेड जीएसटी कलेक्शन 90,870 करोड़ रुपये रहा है। वहीं बीते महीने 13,868 करोड़ रुपये का सेस एकत्रित किया गया है। रिफंड को निकाल दिया जाए तो फरवरी 2025 में शुद्ध जीएसटी कलेक्शन 8.1 प्रतिशत बढ़कर 1.63 लाख करोड़ रुपये रहा है। बीते महीने 20,889 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि से 17.3 प्रतिशत अधिक था। कलेक्शन में कमी की वजह फरवरी में 28 दिनों का होना था। भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी देखने को मिल रही है। देश की रियल जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में बढ़कर 6.2 प्रतिशत हो गई है, जो कि इससे पहले की तिमाही में 5.6

प्रतिशत (संशोधित अनुमान) थी। सरकार द्वारा जारी किए गए अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की रियल जीडीपी ग्रोथ 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इस दौरान चालू वित्त वर्ष के लिए नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 9.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 3.09 लाख करोड़ घटा

- सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज रही

मुंबई

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से आठ के बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 3,09,244.57 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई। शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। समीक्षाधीन सप्ताह में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार मूल्यांकन 1,09,211.97 करोड़ रुपये घटकर 12,60,505.51 करोड़ रुपये रह गया। इससे शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में टीसीएस दूसरे से तीसरे स्थान पर आ गई है। एचडीएफसी बैंक सूची में दूसरे स्थान पर है। सप्ताह के दौरान इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 52,697.93 करोड़ रुपये घटकर 7,01,002.22 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 39,230.1 करोड़ रुपये घटकर 8,94,993.67 करोड़ रुपये पर आ गई, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 38,025.97 करोड़ रुपये घटकर 16,23,343.45 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 29,718.99 करोड़ रुपये घटकर 6,14,236.97 करोड़ रुपये पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 20,775.78 करोड़ रुपये घटकर 8,49,803.90 करोड़ रुपये रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 11,700.97 करोड़ रुपये घटकर 5,14,983.41 करोड़ रुपये रह गई। आईटीसी का मूल्यांकन 7,882.86 करोड़ रुपये घटकर 4,93,867.57 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रुख के विपरीत एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 30,258.49 करोड़ रुपये बढ़कर 13,24,411.31 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

शेयर बाजार में गिरावट से निवेशकों के बिगड़ते जा रहे हालात

- सोशल मीडिया पर छाया मीम्स का तूफान

नई दिल्ली । शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार औंधे मुंह गिरा जब निफ्टी करीब 9 महीने के निचले स्तर पर बंद हुआ, साथ ही बीएसई के सभी सेक्टर इंडेक्स में बिकवाली देखने को मिली। भारत के शेयर बाजार में दरार की मार ने निवेशकों को तगड़े झटके दिए हैं। सिर्फ फरवरी में ही सेंसेक्स में 4000 अंक की गिरावट आने से निवेशकों के 40 लाख करोड़ रुपये उड़ गए हैं। इस दुखद स्थिति में सोशल मीडिया पर मीम्स का तुफान छाया हुआ है। निवेशकों के दुःख को दिखाने के लिए बनाए गए मीम्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर्स ने जोक के अंदाज में लिखा है- फिलहाल शेयर बाजार की स्थिति, 25 दिन में पैसा आधा। ये मीम्स लोगों के मनोरंजन के साथ-साथ शेयर बाजार की सच्चाई को भी उजागर कर रहे हैं। सिख लो, हंसो और जिए - इसी दुःखद समय में मीमर्स ने दिखाया है कि उनका कौन सा असली हौंसला है।

राज्यों के निवेश अनुकूलता सूचकांक के दूसरे चरण पर काम जारी : नीति आयोग

नई दिल्ली । नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी ने कहा है कि राज्यों के निवेश अनुकूलता सूचकांक के दूसरे चरण पर काम जारी है और इसके एक-दो महीने में जारी होने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में प्रतिस्पर्धी सहकारी संघवाद की भावना को आगे बढ़ाने के लिए 2025 में राज्यों का निवेश अनुकूलता सूचकांक लाने की घोषणा की गई है। यह सूचकांक राज्यों को नियमों की समीक्षा के लिए प्रेरित करेगा, ताकि यह पता लगाया जा सके कि निवेश को क्या बाधित कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य निजी निवेश को आकर्षित करने के लिए राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। वित्त मंत्रालय, नीति आयोग और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के परामर्श से राज्यों के निवेश अनुकूलता सूचकांक से संबंधित मानदंडों पर काम कर रहा है। विरमानी ने कहा, सूचकांक तैयार करने का पहला चरण पूरा हो गया है। दूसरे चरण पर काम जारी है। इसमें उद्योग से सुझाव लिये जा रहे हैं।

जहां से टेस्ला बिकेगी उस जगह का किराया होगा 35 लाख रुपए महीना

नई दिल्ली। एलन मस्क की कंपनी टेस्ला अपने कारें भारत में भी विक्रय करेगी। इसके लिए शो रुम कहां और कैसे होंगे इसका काम भी लगभग पूरा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला ने भारत में अपने शोरूम के लिए लोकेशन और एरिया फाइनल कर लिया है। अमेरिकी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में स्थित मेकर मैक्सिटी में अपने शोरूम के लिए जगह फाइनल कर ली है। इसके अलावा, दिल्ली के एयरोसिटी में भी एक नया शो रूम खोलने की कंपनी की योजना है। मेकर मैक्सिटी में कार शोरूम की जगह लगभग 3,000 वर्ग फुट में फैली हुई है और यह मेकर मैक्सिटी के कमर्शियल टॉवर के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित है। इस जगह का मंथली किराया लगभग 35 लाख रुपये है और इसमें कुछ कार पार्किंग भी शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि टेस्ला ने दिल्ली में लगभग 4000 वर्ग फुट का शोरूम स्पेस फाइनल किया है और इसका मंथली रेंट लगभग 25 लाख रुपये है। सूत्रों के मुताबिक, टेस्ला ने नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास ब्रुकफील्ड प्रॉपर्टी में स्थित एयरोसिटी एरिया में शोरूम स्पेस का लीज फाइनल किया है। टेस्ला की ओर से शोरूम खोलने के लिए यह समझौता उस मीटिंग के कुछ हफ्तों बाद किया गया है, जब टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में मुलाकात की थी।

अमेरिकी डॉलर में मजबूती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं से बाजार में बढ़ी बिकवाली

विदेशी निवेशकों ने फरवरी में भारतीय बाजारों से निकाले 34,574 करोड़

-इस साल अब तक 1.12 लाख करोड़ के शेयर्स बेचे, हाई वैल्यूएशन की वजह से लगातार पैसा निकाल रहे

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार खतरे के निशान के दौर से गुजर रहा है। इसकी एक वजह है विदेशी निवेशकों (फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स) का मोहभंग। ने फरवरी में भारतीय शेयर बाजारों से 34,574 करोड़ रुपए निकाले हैं। वहीं 2025 के पहले दो महीनों जनवरी और फरवरी में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने टोटल 1.12 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली की है। जनवरी में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने 78,027 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे थे।

विशेषज्ञों के मुताबिक, भारतीय शेयरों की हाई वैल्यूएशन और कॉरपोरेट इनकम में ग्रोथ को लेकर चिंताओं के कारण फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सलगातार पैसे निकाल रहे हैं। दिसंबर 2024 में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने भारतीय शेयर बाजारों में 15,446 करोड़ रुपए निवेश किए थे।

11,639.02 करोड़ के शेयर्स बेचे

वहीं पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भी फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सनेट सेलर्स बने रहे। वहीं डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स बायर्स बने रहे। प्रोविजनल डेटा के अनुसार, 28 फरवरी को फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 11,639.02 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे, जबकि डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 12,308.63 करोड़ रुपए के शेयर्स खरीदे हैं। ट्रेडिंग सेशन के दौरान, डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 28,065.55 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 15,756.92 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। वहीं फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने 39,239.44 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 50,878.46 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे।

निवेशकों का ध्यान अमेरिकी एसेट्स की ओर

बाजार की हालिया बिकवाली की मुख्य वजह अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी, अमेरिकी डॉलर में मजबूती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं हैं। इससे निवेशकों का ध्यान अमेरिकी एसेट्स की ओर बढ़ रहा है। वित्त-वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजे कमजोर रहे हैं, जो अनिश्चितता के माहौल को दर्शाता है। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, भारत में हाई वैल्यूएशन की वजह से फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सबिकवाली कर रहे हैं। वे अपना पैसा चीन के शेयरों में लगा रहे हैं, जहां वैल्यूएशन कम है। इतना ही नहीं फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सफाइनेंशियल सर्विसेज में बड़े पैमाने पर बिकवाली कर रहे हैं, जबकि यह सेक्टर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और इसकी वैल्यूएशन आकर्षक है।

डेट और बॉन्ड बाजार से भी पैसा निकाल रहे विदेशी

इसके अलावा फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सडेट या बॉन्ड बाजार से भी पैसा निकाल रहे हैं। फरवरी महीने में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने बॉन्ड बाजार से जनरल लिमिट के तहत 8,932 करोड़ रुपए और वॉलंटरी रिटेंशन रूट से 2,666 करोड़ रुपए निकाले। फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सका 2024 में भारतीय बाजार में निवेश 427 करोड़ रुपए रहा था। इससे पहले 2023 में फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्सने 1.71 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया था।

एसबीआई रिपोर्ट : वित्त वर्ष 25 में 6.5 फीसदी होगी भारत की जीडीपी विकास दर

नई दिल्ली । एसबीआई रिसर्च ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें वित्त वर्ष 25 के भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, जीडीपी विकास दर की 6.5 फीसदी से उम्मीद की जा रही है, जो कि एक स्थिर और सुखद वृद्धि को दर्शाता है। इसके साथ ही रिपोर्ट में उल्लेख था कि चौथी तिमाही में विकास दर 7.6 फीसदी तक पहुंच सकती है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के मंदिर स्थिति को दर्शाता है। इसमें मई 2025 के जीडीपी आंकड़ों में संशोधन की संभावना भी शामिल है। इस समय की अर्थव्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, रिपोर्ट ने वित्त वर्ष 2023-24 की रियल जीडीपी वृद्धि दर को 9.2 फीसदी बताया, जो लंबे समय के बाद सबसे अधिक है। इसमें कोरोना महामारी के पश्चात उठाई गई अर्थव्यवस्था की रिकवरी का भी महत्वपूर्ण योगदान है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 6.2 फीसदी की जीडीपी वृद्धि दर्ज की है, जो पिछली तिमाही की तुलना में अधिक है। चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मुख्य उद्यमिक गतिविधियों में भी वृद्धि देखी गई है, जो ग्रॉस वैल्यू एडेड में उछाल के रूप में प्रकट हुआ है। इस इसकी संक्षेप में, वित्त वर्ष 24 की रियल जीडीपी वृद्धि दर में संशोधन किया गया है, जो एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और स्थिरता की ओर एक चिंताजनक कदम है।

भारत में लगभग दोगुना हुआ निजी उपभोग

नई दिल्ली । भारत में निजी उपभोग 2013 के 1000 अरब डॉलर से करीब दोगुना होकर वर्ष 2024 में 2100 अरब डॉलर हो गया। यानी प्राइवेट कंजम्पशन सालाना 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जो अमरीका, चीन और जर्मनी से भी अधिक है। देश में निजी उपभोग में बंपर बढ़ोतरी हुई है। डेलॉयट इंडिया और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत 2026 तक दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बनने की राह पर अग्रसर है और जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। यह देश के मध्यम वर्ग की महत्वपूर्ण वृद्धि और खर्च में होने वाले मौलिक बदलाव को दर्शाता है। आय बढ़ने से ग्रामीण और शहर इलाकों में परिवारों का अपैरल, फुटवियर, ट्रैवल और वेलनेस पर खर्च बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का रिटेल मार्केट वर्ष 2034 तक 190 लाख करोड़ रुपए का होने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2030 तक 10,000 अमरीकी डॉलर से अधिक कमाने वाले भारतीयों की संख्या करीब तीन गुना बढ़ने की उम्मीद है। इससे अधिक आय वाले लोगों की संख्या वर्ष 2024 में 6 करोड़ है, जो 2030 तक बढ़कर 16.5 करोड़ होने की उम्मीद है।

अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक रुख से तय होगी घरेलू बाजार की दिशा : विश्लेषक

मुंबई । इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा अमेरिकी टैरिफ, वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से तय होगी। ऐसा बाजार के विश्लेषकों ने अनुमान लगाया है। विश्लेषकों ने कहा कि आने वाले दिनों में व्यापार शुल्क की चिंताओं तथा विदेशी कोषों की निकासी से निवेशकों की धारणा कमजोर हो सकती है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों की नजर शुल्क नीति और बेरोजगारी दावों सहित महत्वपूर्ण घटनाक्रमों पर रहेगी। आने वाले समय में बाजार की स्थिति कमजोर रह सकती है। हालांकि, अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनियों के नतीजों में सुधार तथा वैश्विक व्यापार मोर्चे पर अनिश्चितता कम होने के बाद स्थिति में धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है। वृहद आर्थिक मोर्चे पर सप्ताह के दौरान एचएसबीसी विनिर्माता और सेवा पीएमआई आंकड़े आएंगे, जिनपर निवेशकों की निगाह रहेगी। एक फायनें सियल कंपनी प्रमुख का मानना है कि कमजोर वैश्विक रुख और घरेलू मोर्चे पर संकेतकों की कमी की वजह से बाजार कमजोरी के रुख के साथ कारोबार करेगा। दिसंबर तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। यह क्रमिक आधार पर सात तिमाहियों के निचले स्तर से उबर रही है। हालांकि, दिसंबर तिमाही की वृद्धि दर इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में कम रही है। आर्थिक वृद्धि दर का यह आंकड़ा ऐसे समय आया है जबकि अमेरिका का शुल्क युद्ध चुनौती बना हुआ है। सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत रही है। यह जुलाई-सितंबर तिमाही के 5.6 प्रतिशत के संशोधित आंकड़े से अधिक है। हालांकि, यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 6.8 प्रतिशत के अनुमान से कम है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि अनिश्चितता अक्सर वास्तविक घटनाक्रम से अधिक महत्वपूर्ण होती है, और बाजार वर्तमान में संभावित व्यापार युद्ध की चिंता से जूझ रहा है। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली का दबाव लगातार बढ़ रहा है। फरवरी में कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 9.1 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो घरेलू खपत से बढ़ा है और संभावित आर्थिक पुनरुद्धार का संकेत है। शनिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, सकल आधार पर, केंद्रीय जीएसटी से संग्रह 35,204 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी से 43,704 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी से 90,870 करोड़ रुपये और मुआवजा उपकर से 13,868 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं।

भारत में कोयला उत्पादन में 5.73 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली । भारत में कोयला उत्पादन अप्रैल से फरवरी अवधि में 5.73 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है। इसके अनुसार, प्रतिवर्ष कोयला सेक्टर में मजबूत वृद्धि को दर्ज किया गया है। मंत्रालय ने बताया कि सालाना आधार पर कोयले का समुदायिक उत्पादन 929.41 मिलियन टन पर पहुंच गया है, जो पिछले साल के 880.92 मिलियन टन की तुलना में है। मंत्रालय के अनुसार यह सुनिश्चित करता है कि देश बढ़ती मांग को संतुलित रूप से पूरा करता है। सरकार इस सकारात्मक गति को बनाए रखने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास और परिचालन दक्षता को बढ़ा रही है। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बताया कि सरकार कोयला परियोजनाओं की मंजूरी में सुधार के लिए कदम उठा रही है। इसके अतिरिक्त कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने एक गृहणियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। यह पहल गृहणियों को प्राथमिक देखभाल के बारे में जागरूक करने का उद्देश्य रखती है। इस बाबत, एनसीएल की योजना है कि जून तक 8,000 गृहणियों को प्राथमिक देखभाल करेगा।

तस्बीर में देखू टाटा स्टील कर संस्थापक दिवस कर पूर्ब संध्या

जमशेदपुर।
टाटा स्टील 3 मार्च के आपन संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा कर 186वीं जयंती उत्साहपूर्बक मनावी। ई बछर कर संस्थापक दिवस कर थीम बाजार, तकनीक आउर लागत में नेतृत्व हयं, जे हमिन कर ग्राहक कर आवसकता के सर्वोपरि राखेक आउर बैश्विक लागत नेतृत्व हासिल करेक ले तकनीक कर प्रभावी उपयोग कर प्रति हमिन कर प्रतिबद्धता के दोहरायेला। संस्थापक दिवस कर पूर्ब संध्या चेयरमैन, सीईओ आउर एमडी श्रद्धांजलि अर्पित करलयं। जुबली पार्क में सजावट करल गेलक।

कुर्मी समाज पेसा कर बिरोधी नखे मकिल सउब बर्ग कर ख्याल राखल जाए

□ ट्राइबल स्टडी सेंटर विकास में पेसा कानून उपरे बैठकी होलक आयोजित

रांची। महाराजा मदरा मुंडा ब्याख्यानमाला कर अंतर्गत ट्राइबल स्टडी सेंटर विकास भारती बिशुनपुर में पेसा कानून 1996 उपरे बैठकी आयोजित करल गेलक। इकर में ढेइरे छेतर कर गनमान्य अदमीमन जे पेसा कानून इया पंचायत कर संगे काम करे लागल हयं, उनकर बिचार आमंत्रित करल गेलक। आदिवासी छात्र संघ कर मुध संयोजक डॉ जलेश्वर भगत पंचायत कर उपबंध उपरे तकनीकी रूप से प्रकास डाललयं।

पेसा कर संदर्भ में महाराष्ट्र कर नोटिफिकेसन कर हवाला देते डॉ भगत कहलयं कि पेसा सासित राइज में झारखंड सउबसे मुसकिल राइज आहे, काले कि हियां जुदा-जुदा समुदाय कर जुदा-जुदा निहितार्थ आहे। एहे चलते नियम कर नई होते भी झारखंड में स्मार्ट सिटी कर अवधारना उपरे काम होवे लाइग हे, जेकर में 281 गो अनुसूचित छेतर कर गांव के विलोपित करल जायेक हय।

डॉ भगत जोर देते कहलयं कि पेसा कानून कर धारा 4(एम) आउर 4(0) में जनजातीय बेबस्था स्पस्ट रूप से देवल हय। सेले उकरे अनुरूप उपबंध कर बिस्तार ले जे 22 सदस्यीय कमिटी बइन रहे जेकर अहम सदस्य शिबू सोरेन भी रहयं, उके माइन लेवेक चाही।

आईएसडीजी कर मुखिया देवाशीष मिश्रा कहलयं कि सरकार में बिभिन्न अस्तर में झारखंड राज्य पंचायत अधिनियम आउर पेसा कानून के लेइ के असमंजस कर इस्थिति बनल हेके। उनके कहलयं कि बर्तमान समय में जे प्रारूप चले लाइग हे, उकर में ग्राम सभा कर सक्ति सुन्य होए चुइक हे। ग्राम सभा में बैधानिक सक्ति तो आहे, मुदा सासकीय सक्ति नगन्य आहे। ऊ ई भी कहलयं कि पंचायती राज बेबस्था कर बर्तमान प्रारूप बिसेस ग्राम सभा कर बैधानिक बेबस्था बनेक में बाधक बनल हय।

आदिवासी कुर्मी समाज कर दन से बोलते मुकेश खंडरवार आउर विकास कुमार महतो कहलयं कि कुर्मी समाज पेसा कर बिरोधी नखे, मुदा पेसा कर बेबहारिक क्रियान्वयन में समाज कर सउब वर्ग कर ख्याल राखल जायेक चाही। संगे, झारखंड कर मूलवासी कुर्मी समाज के भी उतनेहे बैधानिक संरछन मिलेक चाही जतई कि जनजाति समाज के मिलते आय हे। काले कि आदिवासी मूलवासी जे अनुसूचित छेतर से बाहरे रहयंना, ऊ भी भूमि आउर खान अधिनियम भूमि अधिनियम इत्यादि कानून कर दोसपूर्न क्रियान्वयन कर सिकार होवत हयं। आपन गांव समाज कल्यान से बेदखल होवेक ले बिबस होवत हयं। जनजाति सुरक्षा मंच कर संयोजक संदीप उरांव जोर देइ के कहलयं कि पेसा कानून कर क्रियान्वयन में प्रथागत रूढ़िवादी कानून के सक्ति देवेक होवी। नई तो जनजातीय समाज आपन जल जंगल जमीन कर अधिकार आउर अन्य संबैधानिक प्रावधान कर संरछन खोय देबयं।

पेसा कानून उपरे सरकार कर रवैया के चुनौती देवेक वाला डॉ कुमार माल्टो कहलयं कि पेसा कानून के भारत कर राष्ट्रपति द्वारा मान्यता देवल जाय हे । इकर में अनुसूचित छेतर में रहेक वाला जनजाति कर समुदाय आउर मूलवासीमन के कानून कर सुरछा द्वल जाय हे। पेसा कर प्रावधान सउब जाति बर्ग कर अदमी ले हय, जे झारखंड में प्रथागत तरीका से रहते आवत हयं। ई कानून कर लागू होवेक से विधायिका अन्य संस्था के घबरायेक कर आवसकता नखे, काले कि ऊ पहिले कर लखे सरकार आउर समाज ले काम करते रहबयं।

पेसा कानून कर लागू होए जायेक से खली हियां कर रूढ़िवादी बेबस्था आउर समुदाय सरकार कर संगे कार्जकरम कर निरमान आउर उकर क्रियान्वयन में सीधा-सीधा भागीदार होए जाबयं, जेकर से सरकार आउर संसाधन कर सीधा लाभ झारखंड कर सउब बर्ग तक पहुंचे पारी। कार्जकरम कर अध्यछता करते ट्राइबल स्टडी सेंटर कर निदेसक डॉ प्रदीप मुंडा कहलयं कि बैठकी कर उद्देस पेसा कर इस्थिति के स्पस्ट करेक हय। ऊ कहलयं कि सरकार में सछम अदमीमन कर माध्यम से ई बात के राखल जाई। पेसा कानून कर लागू होवेक वाला देरी के ख़तम करेक कर प्रयास करल जाई।

झारखंड राज्य घासी समाज संघ कर बैठकी संपन्न, केन्द्रीय अध्यछ कहलयं

घासी समाज के सिछा उपरे धेयान देवेक कर आवसकता

सोनू सपवार

रांची। झारखंड राज्य घासी समाज संघ कर बैठकी ऑक्सीजन पार्क, मोरहाबादी में डॉ. रीझु नायक कर अध्यछता में आइज संपन्न होलक। बैठकी में संगठन के मजबूत बनायेक, सदस्यता अभियान चलायेक, जिला आउर परखंडावार अभियान चलायेक कर निरनय लेवल गेलक। मौका में सामाजिक, राजनितिक, सैछनिक, आर्थिक आउर सांस्कृतिक रूप से समाज कर अदमीमन के ससक्त बनायेक उपरे गहन बिचार मंथन करल गेलक।

सर्वसम्मति से 9 मार्च के संघ द्वारा फगुवा मिलन समारोह मनायेक कर निरनय लेवल गेलक। डॉ. रीझु नायक कहलयं कि घासी समाज के सिछा उपरे धेयान देवेक कर आवसकता हेके। सिछित बेक्ति ही समाज के बिकास कर मुख्यधारा में लाइन सकेला।

बिनिता पाठक नायक कहलयं कि आधा आबादी के बेसी से बेसी समाज में जोइड़ के संगठन के मजबूत बनायेक हय।

शांति देवी कहलयं कि सहर से गाँव कर प्रबुद्ध जन कर संगे मिइल के चलेक कर जरूरत आहे। संदीप टाइगर कहलयं कि जुवा ही इतिहास बनायंना, सेले जुवामन के आगे आवेक कर जरुरत आहे।

संचालन अधिवक्ता सोनी नायक आउर धन्यवाद डॉ. इन्द्रजीत नायक करलयं। बैठकी में मुध रूप से मनोज कुमार नायक, किरण नायक, नामक मुकुल नायक, विनिता पाठक नायक, मुकेश नायक आउर सुरेश नायक सामिल रहयं।

धूमधाम से संपन्न होलक 17 किमी कर खाटू श्री श्याम ध्वजा निसान पदयात्रा

□ श्री श्याम प्रभु कर जीवंत झांकी मुध आकरसन कर केंद्र

रांची। श्री श्याम ध्वजा पदयात्रा समिति कर तत्वावधान में नेवरी विकास से निजी मंदिर खाटू श्याम जी हरमू रोड ले श्री श्याम प्रभु कर ध्वजा निसान पदयात्रा धूमधाम से 2 मार्च के निकललक। नेवरी कर श्री दुर्गा मंदिर में बिहाने 8 बजे बिधिवत पूजा अर्चना कर संगे श्री श्याम निसान पदयात्रा कर सुभारंभ होलक। चाइरों दने श्री श्याम कर जयकारा आउर भक्त कर हाथ में श्री श्याम प्रभु कर ध्वज हवा कर संगे प्रवाहित होवत भक्ति रस आउर सुगंधित फूल से अलंकृत दिव्यरथ में बिराजमान श्री श्याम प्रभु कर मनोहरी छवि कर सुंदर झांकी कर अद्भुत नजारा सउबकर ध्यानाकरसित करत रहे।

251 निसान धारक महिला आउर पुरुसमन पारंपरिक बेसभूसा कर संगे श्री श्याम प्रभु कर अद्भुत सुंदरता आउर उनकर दिव्य आभा भक्तमन के आध्यात्मिक आनंद से भरत रहे। सोभायात्रा कर संगे झारखंड कर प्रसिद्ध ढाक पार्टी भक्तिमय बातावरन कर निरमान करलयं जीवंत झांकी के देइख के भक्त भाव-बिभोर होए गेलयं। निसान पदयात्रा कर मध्य में श्याम भक्त कर सुबिधा ले बूटी मोड़ कर जगन साहू परिवार कर दन से अल्पाहार करम टोली इस्थित शिवांश हाइट्स में भोजन प्रसादी आउर बिश्राम कर सुंदर बेबस्था हरिशंकर परशुराम पुरिया कर द्वारा करल जाए रहे।

श्याम भक्त बाबा कर ध्वजा आपन कंधा में उठाय के नाचते- झूमते 17 किलोमीटर ई जात्रा में सामिल होए के आपने आप में बाबा कर कृपा अनुभव करत रहयं। खाटू धाम कर परंपरा कर अनुसार 17 किलोमीटर कर ई अनुपम पदजात्रा मे चलेक वाला श्याम भक्तमन कर पूरा डहर में जगह-जगह रांची कर बिभिन्न सामाजिक आउर धार्मिक संस्था रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन, अग्रवाल सभा, अग्रवाल युवा सभा, मारवाड़ी युवा मंच,मारवाड़ी सहायक समिति, गौ सेवा समिति, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जीण माता सेवा संघ, संगे कतई संगठनमन बिसाल सोभा जात्रा कर सोवागत कइर के सेवा सिबिर कर आयोजन करलयं।

श्री श्याम का ध्वजा पदजात्रा नेवरी से सुरू होए नगर कर प्रमुख मार्ग बूटी मोड़, बरियातू रोड, सर्कुलर रोड, कचहरी रोड, मेन रोड, अप्पर बाजार भ्रमन करते श्री खाटू श्री श्याम मंदिर हरमू रोड में ध्वजा निसान अर्पित कर संगे सिरालक।

पदयात्रा में भजन गायकमन कर द्वारा श्री श्याम बाबा कर श्री चरन में समर्पित सुमधुर भजन- डोरी खींच के राखीजो यह तो है बाबा को निशान...,श्याम धनी को आयो रे बुलावो...,थारी धुन में बावला खाटू पहुंचा...,जब जब तुझे पुकारे,मेरे श्याम आ जाता मेरे सामने...,जो भी श्याम प्रभु का ध्वजा उठाता है एक जन्म क्या जन्म-जन्म मौज उड़ाता है..,ले ले के हाथों में निशान दीवाना चले खाटू श्याम जी.. का आदि मधुर भजन से पूरा बातावरन के भक्तिमय बनाय देलयं। श्याम भक्त मधुर भजन कर अमृत गंगा में सराबोर होए के 17 कि.मी. पदजात्रा पूरा करलयं।

समिति कर प्रवक्ता संजय सर्राफ बतालयं कि कार्जकरम के सफल बनायेक में समिति कर संयोजक गोपाल मुरारका, हरिशंकर परशुराम पुरिया, ललित कुमार पोद्दार, राजेश ढांढनियां, अशोक लाडिया, रवि चौधरी, संजय परशुरामपुरिया, मनोज खेतान, संजय सर्राफ, प्रवीण सिंघानिया, विष्णु चौधरी, हेमंत जोशी, आनंद चौधरी, प्रदीप अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, प्रमोद परशुरामपुरिया, अमित शर्मा, नवीन डोकानियां, उमंग परशुरामपुरिया, मयंक परशुरामपुरिया, अजय खेतान, रमाशंकर बगड़िया, विमल पोद्दार, संजय केडिया, अजय पोद्दार, राजेश केयाल, हरिशंकर कनोडिया, मोनू लाडिया, सनी टिंबरेवाल, निकुंज पोद्दार, सूरज लोधा, मोनू लाडिया, प्रवीण अग्रवाल, सनी टिंबरेवाल, अंशुल सर्राफ संगे अन्य श्याम भक्त कर जोगदान रहे।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेश प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक** : कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक** : रतन लाल अग्रवाल। **फोन नंबर** : 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी** : jharkhandwanitaudyog@gmail.com